RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 7 अंक 340
नई दिल्ली, रविवार, 20 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नया ट्रैफिक कानून एक अच्छी पहल
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कमलेश तिवारी हत्याकांड का खुलासा

सूरत से हिरासत में लिए गए तीन आरोपी

● डीजीपी का दावा, चार साल पहले दिए विवादित बयान की वजह से की गयी हत्या ● आरोपियों ने हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूला, शूटरों की भी हुई पहचान, गिरफ्तारी के प्रयास जारी ● मुकदमे में नामजद दो मौलानाओं को भी बिजनौर में हिरासत में लेकर चल रही पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी की बीते शुक्रवार को लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े की गयी हत्या का 24 घंटे के अंदर पुलिस द्वारा खुलासा किए जाने का डीजीपी ओपी सिंह ने दावा किया है। इस हत्याकांड में किसी भी आतंकी कनेक्शन से साफ इंकार करते हुए डीजीपी ने बताया कि हत्याकांड की साजिश रचने वाले तीन युवकों को गुजरात के सूरत से हिरासत में लिया गया है। जिन दो व्यक्तियों ने लखनऊ में हत्या की घटना की उनकी भी जानकारी हो गयी है और गिरफ्तारी के टीम गठित कर युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि कमलेश तिवारी की हत्या 2015 में दिए गए एक विवादित बयान को लेकर की गयी। वहीं कमलेश की पत्नी की ओर से हत्या की साजिश में नामजद कराए गए आरोपित मौलाना अनवारूल हक (शेष पेज 9)

लखनऊ में कमलेश तिवारी (इनसेट) हत्याकांड के बारे में बोलते डीजीपी ओपी सिंह। वहीं सूरत में पुलिस हिरासत में पकड़े गए आरोपी

दहशत पैदा करने वाले तत्वों को कुचलकर रख देंगे: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हिन्दू समाज पार्टी के नेता कमलेश तिवारी हत्याकांड के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तल्ख तेवर में कहा है कि भय और दहशत पैदा करने वाले जो भी तत्व होंगे, सख्ती के साथ उनके मंसूबों को कुचलकर रख देंगे। किसी भी प्रकार की वारदात स्वीकार नहीं की

जाएगी। जो भी इस घटना में सम्मित होगा, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हत्यारे जिस रूप में आए और सुरक्षा गार्ड से पूछकर कमरे में गए, उसके बाद हत्यारोपियों ने कमलेश तिवारी के साथ जलपान किया और उनके निजी सहायक और तिवारी के बेटे को कुछ सामान खरीदने के लिए बाजार भेज दिया। इसके बाद कमरे में जब वे अकेले हो गए तो उनकी हत्या कर दी गयी। यह सिर्फ (शेष पेज 9)

उप्र में जंगल राज, तिवारी हत्या मामले में हो कार्रवाई: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कमलेश तिवारी की हत्या मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के तहत जंगल राज में किसी की भी हत्या हो सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने संवाददाताओं से कहाकि उत्तर प्रदेश के बारे में तो उच्चतम न्यायालय ने कह दिया कि वहां जंगल राज है। वहां तो रात को लोग पुलिस स्टेशन में लाकर बच्चे के सामने बाप की हत्या कर देते हैं और दिन में आम लोगों की हत्या हो जाती है। उन्होंने कहा, जंगलराज में तो कुछ भी हो सकता है, कौन किसकी हत्या करेगा, पता नहीं। सिब्बल ने दावा किया, सबको मालूम है किस तरह से कुलदीप सिंह सेंगर को (शेष पेज 9)

हत्याओं से भयभीत सेब उत्पादकों, कारोबारियों के लिए सुरक्षा कवच

● बागानों से भरपूर कश्मीर के अंदरूनी इलाके में फैली सेना, आतंकियों को रोकने के लिए जीत रही लोगों का भरोसा

राहुल दत्ता/मोहित कंधारी। नई दिल्ली/जम्मू

जवानों की भारी मौजूदगी के बावजूद, कश्मीर में सेब का कारोबार करने वाले तीन लोगों की हत्या की घटना को गंभीरता से लेती सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रणनीति की समीक्षा कर उसे नए सिरे से तैयार किया है। अचूक रणनीति के तहत, राज्य के अंदरूनी इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं जहां सेब के बहुतायत बागान हैं। सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों ने ऐसे इलाकों और सघन आबादी वाले केंद्रों में अपनी व्यापक पहुंच बना ली है। इस कवायद का मकसद स्थानीय लोगों से मेलजोल बढ़ाकर उनका भरोसा जीतना और आतंकियों को सक्रिय होने के मौके से वंचित करना है। इतना ही नहीं, पैदा हुए सेबों को उठाने के लिए केंद्र भी खोले गए हैं क्योंकि हत्याओं के चलते दूरदराज स्थित बागान मालिकों के सामने अपनी उपज को कारोबारियों तक पहुंचाना एक समस्या बन गई है। कारोबारियों को सलाह दी गई है कि जिले के अंदरूनी (शेष पेज 9)

सालाना 10 हजार करोड़ रुपए के मूल्य का सेब पैदा करता है कश्मीर

जम्मू। कश्मीर में प्रति वर्ष 10,000 करोड़ मूल्य का 20 से 24 लाख मिट्रिक टन सेब पैदा किया जाता है। अभी तक कश्मीर से 6.82 लाख मिट्रिक टन सेबों का निर्यात हो गया है। सेब की उपज का 30 फीसदी (2773 करोड़ रुपये मूल्य) कश्मीर घाटी से बाहर भेजा जा चुका है। अनुमान है कि घाटी से सेब की पेटियों से भरे 400 से 500 ट्रक निकलते हैं जो इस फल को देश भर के तमाम हिस्सों तक पहुंचाते हैं। एमआईएस के तहत सेब की 1,38,409 पेटियों की खरीद की गई है। 10 करोड़ रुपये मूल्य की सेब की उपज की खरीद जम्मू कश्मीर बागबानी-विपणन -योजना विभाग और किसानों से क्रय करने की नोडल एजेंसी नेफेड द्वारा की गई है। कश्मीर में इस समय छह खरीद केंद्रों का परिचालन किया जा रहा है। एमआईएस योजना आगामी 15 दिसंबर तक जारी रहेगी।

मौसम

अधिकतम 32.6°C (0)
न्यूनतम 19.8°C (+2)

बाजार

सेंसेक्स	39,298	
निफ्टी	11,661	
सोना	38,925	/10g
चांदी	46,325	/kg

क्विक न्यूज

हरियाणा, महाराष्ट्र में थमा चुनावी शोर, मतदान कल

नई दिल्ली। हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को चुनाव प्रचार थम गया। यहां 21 अक्टूबर को मतदान होगा जबकि 24 अक्टूबर को मतगणना होगी। इसके अलावा 21 अक्टूबर को ही कई राज्यों की 64 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए भी मतदान होगा। महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 जबकि हरियाणा में 90 सीटे हैं। मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं और सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के पूरे इंतजाम किए गए हैं। इसी के साथ देश के अलग-अलग राज्यों में 64 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव भी हो रहे हैं। इस सभी सीटों पर भी 21 अक्टूबर को ही मतदान होगा। अरुणाचल में एक, असम में चार, बिहार में पांच, छत्तीसगढ़ में एक, गुजरात में चार, कर्नाटक में 16, केरल में 5, मध्यप्रदेश में एक, मेघालय में एक, ओडिशा में एक, राजस्थान में दो, सिक्कम में तीन, तमिलनाडु में दो, तेलंगाना में एक और उत्तर प्रदेश में 11 सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

ब्रेक्जिट को टालने के पक्ष में ब्रिटेन के सांसदों ने किया मतदान

लंदन। ब्रिटेन की संसद में 37 साल में पहली बार एक ऐतिहासिक सप्ताहांत संसदीय सत्र में सांसदो ने बोरिस जॉनसन के ब्रेक्जिट समझौते में देर कराने वाले एक प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए मतदान किया। जॉनसन को एक झटका देते हुए 306 के मुकाबले 322 सांसदो ने ब्रेक्जिट में देर कराने वाले एक महत्वपूर्ण संशोधन पर मतदान किया। इसका यह मतलब है कि जॉनसन को सांसदो द्वारा पूर्व में पारित बेन अधिनियम के तहत शनिवार आधी रात तक यूरोपीय संघ को पत्र लिखकर 31 अक्टूबर को खत्म हो रही ब्रेक्जिट की समयसीमा बढ़ाने की मांग करनी ही होगी। प्रधानमंत्री जॉनसन और उनकी टीम ने इससे पहले कहा था कि वह कानून के शासन का पालन करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नही है कि बोरिस जॉनसन का अगला कदम क्या होगा।

केंद्र ने नगालैंड के लिए अलग झंडा, अलग संविधान की मांग ठुकराई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने नगाओं के लिए अलग झंडा और संविधान की एनएससीएन-आईएम की मांग को नकार दिया है और स्पष्ट कर दिया है कि बंदूकों के साए में उग्रवादी समूह के साथ अंतहीन वार्ता स्वीकार्य नहीं है। नगा वार्ता के लिए वार्ताकार और नगालैंड के राज्यपाल आर. एन. रवि ने कहा कि केंद्र सरकार दशकों लंबी शांति वार्ता की प्रक्रिया को अविलंब निष्कर्ष पर पहुंचाएगी। रवि ने बयान जारी कर कहा कि परस्पर सहमति से विस्तृत समझौते का मसौदा तैयार किया गया है जिसमें सभी महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। बयान में कहा गया है, दुर्भाग्य से इस समय एनएससीएन-आईएम ने विलंब करने का रूख अपना रखा है और अलग नगा राष्ट्रीय झंडा तथा संविधान जैसे विवादास्पद मुद्दों को उठा रहा है जिस पर वे भारत सरकार के रूख से पूरी तरह अवगत हैं। रवि ने कहा कि एनएससीएन-आईएम ने समझौते के प्रारूप को शरारतपूर्ण तरीके से लंबा खींचा है और इसमें काल्पनिक विषय डाल रहा है।

नई दिल्ली में शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक साथ 100 नए मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में अब 302 मोहल्ला क्लीनिक हो गए हैं। आप सरकार की योजना शहर में हर किलोमीटर पर ऐसी सुविधा शुरू करने की है (विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर)

लट्ठमार होली को राजकीय मेला बनाने की तैयारी में उप्र सरकार

पायनियर समाचार सेवा। मथुरा

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व होली पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ब्रजवासियों की मांग पर बरसाना की लट्ठमार होली को औपचारिक रूप से राजकीय मेला घोषित किए जाने के बाद अब राज्य सरकार इस योजना को अमली जामा पहनाने में जुट गई है। इस संबंध में शासन स्तर से जिला प्रशासन को भेजे गए एक पत्र में तीन प्रमुख बिन्दुओं पर आख्या मांगी गई है। बरसाना की लठामार होली को पूरी तरह से एक राजकीय मेले का रूप दे कर तथा उसका समुचित प्रचार-प्रसार कर अधिकाधिक सैलानियों को आकर्षित किया जा सकेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2018 में बरसाना में पहली बार शासन-प्रशासन एवं कई सरकारी विभागों व गैरसरकारी संगठनों का सहयोग लेते हुए बरसाना की लठामार होली का भव्य आयोजन किया था। इसके अलावा नन्दगांव सहित मथुरा जनपद के अनेक

तीर्थस्थलों पर होली से जुड़े विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र ने बताया, अब सरकार देश- विदेश में लोकप्रिय बरसाना और नन्दगांव की होली को देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के बराबर दर्जे पर आयोजित कर एक नई पहचान दिलाना चाहती है। इसके लिए सरकार सभी जरूरी संसाधन जुटाने की पहल कर रही है।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सतीश कुमार त्रिपाठी ने बताया, बरसाना की होली को न केवल पूर्ण राजकीय मेला करार देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, बल्कि इस संबंध में ब्रजवासियों की (शेष पेज 9)

घटी गधों की पूछ, देश में आधे से भी कम बचे

पशु गणना रिपोर्ट 2019 के मुताबिक-सात सालों में गधों की आबादी में दर्ज हुई 61 फीसदी की जबर्दस्त गिरावट

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पिछले सात वर्षों के भीतर देश में गधों की संख्या घटकर आधी से भी कम रह गई है। पशु गणना रिपोर्ट 2019 के मुताबिक, 2012 से गधों की आबादी में 61 फीसदी की जबर्दस्त गिरावट हुई है। इस समय भारत में सिर्फ 1,20,000 गधे रह गए हैं जबकि सात साल पहले इनकी आबादी 3,20,000 थी। इस चौपाए की आबादी में हो रही गिरावट सभी राज्यों में समान है। सबसे गंभीर स्थिति लेह और लद्दाख में है जहां गधे लुप्त होने की कगार पर हैं। भारी गिरावट के साथ लेह लद्दाख में गधों की संख्या मात्र 100 रह गई है। सर्वाधिक संख्या में गधों की मौजूदगी के साथ राजस्थान सूची में पहले नंबर पर है जिसके बाद क्रमश: महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात व बिहार हैं।

चौपाए की कम होती संख्या को गंभीरता से लेते हुए मत्स्यपालन-

● पहले के 3,20,000 के मुकाबले अब 1,20,000 ही बचे
● सबसे ज्यादा गधे राजस्थान में हैं, सबसे कम लेह लद्दाख में

पशुपालन व डेयरी मंत्रालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से कहा है कि गधी के दूध के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की संभावनाएं तलाशे ताकि इनके संरक्षण को बल मिल सके। गधी के दूध में गाय के दूध के मुकाबले चार गुना ज्यादा विटामिन सी के अलावा इसमें केजिन, लैक्टोज, विटामिन ए, बी1, बी2, बी6, डी और ई भी मौजूद रहता है। इसका इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों में भी किया जाता है।

गधों की गणना रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में इनकी संख्या 81,000 से घटकर 23000 पर पहुंच गई है। राज्य के बाड़मेर जिले में सर्वाधिक गधे हैं जिसके बाद जैसलमेर, बीकानेर, चुरू का नंबर आता है। टोंक जिले में इनकी संख्या सबसे कम है। महाराष्ट्र में पहले के 29,000 की तुलना में अब 18000 गधे रह गए हैं। राज्य पशुपालन विभाग शेर बचाओ मुहिम की तर्ज पर गधे बचाओ कार्यक्रम शुरू कर चुका है। उत्तर प्रदेश में भारी गिरावट दर्ज कराते हुए गधों की आबादी 57,000 के मुकाबले 16,000 रह गई है जबकि गुजरात व बिहार में 11-11 हजार गधे बचे हैं। 2012 में गुजरात में इनकी संख्या 39,000 और बिहार में 21,000 थी। जम्मू कश्मीर में गधों की संख्या 17,000 से 10,000 हो गई है। असम में 13000 और हरियाणा में 10,000 गधे हैं।

कृषि मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि जो काम पहले गधे करते थे उनके लिए अब वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध हैं। संभवत: उपयोगिता घटने से ही गधों की संख्या कम हुई है। इसके अलावा शेरों की खाल और उसके शरीर के अन्य हिस्सों की तस्करी करने वाले वन्यजीव माफिया ने अब गधों पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है जिनकी चिकित्सकीय उपयोगिता के चलते चीन में काफी मांग है। गधों को मारने की कुछ (शेष पेज 9)

नकल रोकने को बच्चों को पहनाया गत्ते का डिब्बा

● कर्नाटक के एक कॉलेज में प्रबंधन किया अजीबो-गरीब प्रयोग, कारण बताओ नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। हुबली

परीक्षा में नकल की कुप्रथा रोकने के लिए एक अजीबो-गरीब 'प्रयोग' ने कर्नाटक के हवेरी स्थित एक कॉलेज के प्रबंधन को मुश्किल में डाल दिया। शैक्षिक संस्थानों में परीक्षा के दौरान नकलबाजी की समस्या से परेशान प्रबंध तंत्र आमतौर पर निगरानी कड़ी कर देते हैं-कुछ तो परीक्षा हाल में सीसीटीवी लगाने जैसे उपाय करते हैं, जबकि अन्य सख्त निगरानी की व्यवस्था करते हैं।

भगत पीयू कॉलेज में 16 अक्टूबर को जब छात्र अर्धवार्षिक

कर्नाटक के हवेरी के एक कॉलेज में गत्ते का डिब्बा पहन परीक्षा देते छात्र

परीक्षा देने पहुंचे तो उन्हें अपने सिर पर पहनने के लिए गत्ते के डिब्बे थमा दिए गए। ये डिब्बे एक तरफ से खुले थे, जिससे छात्र अपने आगे ही देख सकते थे। जाहिर है कि यह कोशिश उन्हें अगल-बगल देखने से रोकने के लिए थी और खुले हिस्से से वे केवल अपनी उत्तर पुस्तिका ही देख सकते थे। परीक्षा में नकल रोकने के लिए अनोखा (शेष पेज 9)

अब नोएडा से करिए हेलीकॉप्टर में सफर

पर्यटन और निवेश को मिलेगा बढ़ावा, बनाए जाएंगे 8 हेलीपैड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मेट्रो सिटी बस सर्विस के बाद अब नोएडा हैलीकाप्टर सेवाएं देने का मन बना चुका है। इसके लिए हैलीपेड बनाया जाएगा। इस हेलीपैड का प्रयोग देश में हेलीकॉप्टर सेवाएं देनी वाली कंपनियां कर सकेंगी।

किसी एक कंपनी को चयनित किया जाएगा जिसकी सेवाओं का लाभ लेकर शहरवासी देश के किसी भी शहर को जा सकेंगे। यहां किसी समारोह के लिए आसानी से हेलीकॉप्टर किराए पर ले सकेंगे। इसका प्रयोग सरकारी वीवीआईपी कार्यक्रमों के लिए भी किया जाएगा। यह पूरी परियोजना पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप (पीपीपी) मॉडल पर तैयार की जाएगी।

प्राधिकरण ने इसके लिए 10 एकड़ जमीन सेक्टर-151ए में चिन्हित की है। साथ ही इस योजना को मास्टर प्लान-2031 में शामिल कर लिया गया है। जनपद में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने जा रहा है। यहां देश-विदेश से लोग आएंगे। निवेश व पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में प्राधिकरण ने यह कदम उठाया है। जिस स्थान पर हेलीपैड बनाया जाएगा उसे क्षेत्रीय पर्यटन की तर्ज पर तैयार किया जाएगा ताकि लोग यहां की संस्कृति से वाकिफ हो सकें। दिल्ली के नजदीक होने से लोग हैलीपेड का प्रयोग ज्यादा करेंगे।

साथ ही यहां के उद्यमियों के लिए आसानी हो जाएगी, उन्हें इन सेवाओं के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। जिस कंपनी को हैलीपोड का संचालन दिया जाएगा, उसे इसका अनुरक्षण कार्य भी करना होगा।

एजेंसियों को किया जाएगा आमंत्रित

शहर में तीन से चार एजेंसियां हैं जो हैलीकाप्टर सेवाएं प्रदान करती हैं। इसमें पवन हंस व एसआईटीसी के अलावा दो अन्य हैं। इसमें पवन हंस का ऑफिस नोएडा में भी है। ऐसे में इन चारों कंपनियों को ही हेलीपैड के संचालन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसमें किसी एक कंपनी को मौका दिया जाएगा। हैलीपेड पर हैलीकाप्टर उतरने के लिए आठ हैलीपेड बनाए जाएंगे। हेलीकॉप्टर के लिए केबिन बनाए जाएंगे, जिसमें इनको खड़ा किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण सभी तरह की क्लीयरेंस व अनुमति के बाद ही इसका निर्माण कराएगी। इसके प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि पहले चरण में योजना की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट डीपीआर तैयार की जा रही है। क्लीयरेंस के लिए डीपीआर रिपोर्ट को आईआईटी भेजा जाएगा। यहां से संस्तुति मिलने के बाद इसे राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा।

प्राधिकरण ने परियोजना को समझने को प्रथम चरण में अपने सलाहकार से एक प्लान तैयार करवाया।

योजना को जमीन पर लाने के लिए सलाहकार कंपनी की तलाश की जा रही है। इसके लिए अगले माह तक रिक्यूवेस्ट फॉर प्रपोजल आरएफपी, जारी की जा सकती है। यह पूरा मॉडल पीपीपी पर तैयार होगा। ऐसे में कंपनी द्वारा लागत निकालने के बाद ही इसे प्राधिकरण को हस्तगत किया जाएगा।

लोन दिलाने की कंपनी खोल करोड़ों की ठगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

करोड़ों की ठगी करने वाले बदमाश पुलिस हिरासत में और उनसे बरामद सामान।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये के लोन लेने के फर्जीवाड़े का यूपी एसटीएफ के साइबर क्राइम थाने ने खुलासा किया है। इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी सेक्टर-142 स्थित एडवंट टावर में इंटीरियर डिजाइनिंग का ऑफिस खोलकर ठगी का गोरखधंधा चला रहे थे।

ये लोग बैंक में कुछ लोगों के फर्जी दस्तावेज लगाकर उन्हें अपनी कंपनी का कर्मचारी बताते थे। इसके लिए संबंधित व्यक्ति का बैंक में बाकायदा सैलरी अकाउंट खुलवाकर उसमें कुछ महीने तक वेतन डालते थे। इसके आधार पर बैंक से लोन ले लेते थे। आरोपियों ने इस तरीके से करीब 10 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया है।

सेक्टर-36 स्थित एसटीएफ के साइबर थाने से मिली जानकारी के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरिंदम मैती उर्फ आशीष सिंह, रवि कुमार उर्फ हरीश चंद्र व मोहम्मद शारिक के रूप में हुई है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीनों पहले एक प्राइवेट बैंक के लिए लोन दिलवाने का काम करने वाली एक कंपनी में काम करते थे। वहां उन्हें लोन दिलवाने की प्रक्रिया में खामियों की जानकारी हुई। 2017 में तीनों ने फरीदाबाद में एफआईएस ग्लोबल नाम से लोन दिलवाने की कंपनी खोली। यहीं से इन लोगों ने फर्जीवाड़े का खेल शुरू कर दिया। जो लोग इनके पास लोन लेने आते थे, उनके दस्तावेज लेने के एक-दो दिन बाद ये लोग उन्हें लोन मंजूर न होने की बात कहकर चलता कर देते थे।

गूगल से निकालते थे मिलते-जुलते फोटो

सैलरी अकाउंट खुलवाने के लिए अड्रेस ऑफिस का ही देते थे। फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए गूगल से मिलते जुलते फोटो निकालते थे। इस तरीके से आरोपियों ने कई बड़े बैंकों को चूना लगाया। इसके साथ ही उन लोगों के साथ भी धोखाधड़ी की है, जिनके दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करके इन्होंने लोन लिया है। आरोपी पर्सनल लोन के साथ ही ऑटो लोन व क्रेडिट कार्ड भी बनवा लेते थे।

आरोपियों ने इस तरह करीब 10 से 12 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा किया है। आरोपियों के कब्जे से 127 डेबिट कार्ड, 68 पैन कार्ड, 48 आधार कार्ड, 23 मोबाइल, 10 फर्जी मोहरें, 127 चैक बुक, 14 पास बुक, 27 सिम कार्ड और विटारा ब्रेजा कार बरामद की गई है।

चेकिंग में दो लुटेरे पकड़े, नकदी-चाकू बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद पुलिस ने राहुल स्वीट्स श्याम पार्क एक्सटेंशन के पास से वाहन चेकिंग के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनसे लूट का सामान, नगदी तथा लूट में प्रयुक्त बाइक और अवैध हथियार बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार एसएसपी गाजियाबाद सुधीर कुमार सिंह के निर्देश पर थानाध्यक्ष साहिबाबाद जेके सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम शुक्रवार देर शाम को राहुल स्वीट शॉप श्यामपार्क एक्सटेंशन के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो शातिर लुटेरे लोनी रोड की ओर से आने वाले हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस पार्टी ने दो संदिग्ध युवकों को एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल से आते देख जांच के लिए रोका। उनकी तलाशी में अवैध चाकू बरामद हुए तो दोनों को हिरासत में लेकर थाना साहिबाबाद लाया गया। यहां जब इनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह लुटेरे हैं और दिल्ली अशोक विहार से भी लूट के मामले में जेल जा चुके हैं। इनके नाम कुलदीप पुत्र अतर सिंह निवासी 223 गली 27 अमर कॉलोनी दिल्ली मूलनिवासी लड़पुरा जिला गौतम बुद्ध नगर तथा दूसरा रोहित पुत्र शिवानंद निवासी गली नंबर 2 बैहटा हाजीपुर लोनी हैं।

पुलिस गिरफ्त में झपटमार।

यूपी कैबिनेट मंत्री की मामी से लूटी चेन

यूपी सरकार में स्टांप एवं नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नंदी की मामी से शहर के सेक्टर बीटा दो में चेन लूटने का मामला सामने आया है। मंत्री की मामी बुधवार रात को सब्जी लेने गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। शहर के सेक्टर बीटा दो में दीपक सिंघल रहते हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी बुआ के बेटे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार रात करीब आठ बजे उनकी माताजी सुषमा बाजार से सब्जी लेकर लौट रहीं थीं। घर के समीप पहुंची तो बाइक सवार तीन लुटेरों ने उनके गले से चेन झपट ली। इस दौरान वह गिरते-गिरते बचीं।

आतंकी हमले का अलर्ट, बढ़ाई हिंडन एयरपोर्ट की सुरक्षा

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में आतंकी हमले के अलर्ट के बाद गाजियाबाद में भी हिंडन सिविल एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट पर तैनात यूपी पुलिस के जवानों की मीटिंग लेते हुए उन्हें विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

खुफिया एजेंसियों द्वारा यूपी में अलर्ट के बाद एयरपोर्ट पर तैनात जवानों की मीटिंग हुई। हिंडन एयरपोर्ट पर सुरक्षा अधिकारी राजेन्द्र सिंह खोड़ा ने मीटिंग लेते हुए जवानों से कहा कि आतंकी अलर्ट के बाद सुरक्षा को लेकर विशेष चौकसी बरतें। मीटिंग में जवानों को बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में दुश्मन से निपटने के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी पूरी तरह तैयार रहना है।

हिरासत में मौत पर पूर्व सांसद खफा, दिया अल्टीमेटम

दोषी पुलिसकर्मियों को बचाने का लगाया आरोप, सीएम से मिलेंगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

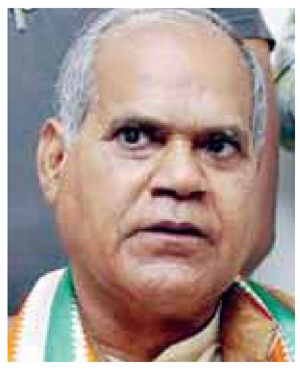

पिलखुवा में पुलिस हिरासत में हुई प्रदीप तोमर की हत्या को लेकर अब पूर्व सांसद रमेश चन्द तोमर कड़े तेवरों में दिख रहे हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि यदि 48 घंटे के अंदर दोषी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो इसको लेकर वे शांत नहीं बैठेंगे और मुख्यमंत्री को हापुड़ पुलिस की कारगुजारियों से अवगत कराएंगे। साथ ही उन्होंने डीजीपी से भी इस संबंध में बात की है और दो दिन बाद वे डीजीपी से भी मिलेंगे।

उन्होंने मांग उठाई है कि मृतक प्रदीप तोमर की पत्नी शिक्षित है, उसे सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। पूर्व सांसद ने आश्चर्य जताया है कि सीओ के खिलाफ मुकदमा दर्ज है और उसकी जांच दरोगा द्वारा की जा रही है। जाहिर सी बात है कि जांच में खेल ही होगा।

बता दें कि हापुड़ जिले में छिजारसी चौकी के अंदर बर्बर तरीके से पीट-पीटकर प्रदीप तोमर की हत्या करने के आरोप में सीओ सहित कई पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई मृतक प्रदीप तोमर के भाई कुलदीप तोमर की तहरीर के आधार पर हुई है। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर का कहना है कि हापुड़ के कप्तान भाजपा के जो समर्पित कार्यकर्ता हैं उनकी एक नहीं सुन रहे हैं, जबकि वे आज भी समाजवादी पार्टी के नेताओं की सुन रहे हैं।

साथ ही जो लोग सपा से अभी हाल ही में भाजपा में आए हैं, एसपी उनके इशारे पर काम कर रहे हैं और दोषी पुलिसकर्मियों को बचाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। तोमर ने कहा कि वे यह बर्दाश्त नहीं करेंगे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से दो दिन बाद मुलाकात करके पूरे प्रकरण की जानकारी देंगे।

करोड़पति चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

नोएडा। नोएडा पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोह के एक करोड़पति चोर को गिरफ्तार किया है। इस चोर की पहचान राकेश के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी ने जो खुलासे किए उन्हें सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई।

पुलिस की पूछताछ में राकेश ने बताया कि वह फ्लाइट से पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र जाकर फ्लैटों में चोरी करता था। आरोपी ने पिछले महीने ही लखनऊ में 20 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। आरोपी राकेश ने खुलासा किया वह चोरी करने के दौरान आभूषण के असली व नकली होने की जांच करने के लिए पत्थर से रगड़कर देखता था। असली आभूषण होने पर ही चोरी करता था। पुलिस जल्द ही आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार को जिला मुख्यालय में समीक्षा बैठक लेतीं शासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी रेणुका मिश्रा। साथ में डीएम अजय शंकर पांडे और एसएसपी सुधीर कुमार सिंह।

समीक्षा बैठक में नोडल अधिकारी ने दिए दिशा-निर्देश

गाजियाबाद। शासन की ओर से नामित की गईं नोडल अधिकारी अपर पुलिस महानिदेशक (पीएसआर एंड पीबी) रेणुका मिश्रा ने शासन द्वारा संचालित महिलाओं के कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को महिला अपराधों को रोकने के साथ जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही कुपोषण की रोकथाम को लेकर जिले में चलाये जा रहे अभियान पर संतोष जताया। नोडल अधिकारी ने समीक्षा बैठक के दौरान प्राथमिक, माध्यमिक स्कूलों में शिक्षा को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी से जानकारी लेने के बाद कहा कि विद्यालयों में बालिका शिक्षा पर जोर दिया जाए। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को प्रेरित किया जाए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत टास्क फोर्स एक्शन प्लान तैयार किया जाए।

हज हाउस में ही ठहराए जाएंगे यात्री

गाजियाबाद। हज हाउस इस बार शुरू हो जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से हज पर जाने वाले करीब 15 हजार यात्रियों को शहर में बने इसी हज हाउस में ठहराया जाएगा। जिसकी वजह से दिल्ली में बने हज हाउस तक जाने से यात्रियों को राहत मिलेगी। जानकारी के मुताबिक हज हाउस शुरू करने में आ रही सभी अड़चनों को दूर कर लिया गया है और इस साल हर हाल में हज यात्रियों को यहां से रवाना किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है यह भी है कि इस हज हाउस पर पिछले 3 सालों से एनजीटी के आदेश पर सील लगाई गई थी जिसकी वजह से हज यात्री यहां से हज यात्रा के लिए रवाना नहीं हो पा रहे थे।

सार्वजनिक रास्ता बंद किए जाने का विरोध

गाजियाबाद। थाना विजयनगर क्षेत्र के न्यू कृष्णा नगर के निवासियों ने एकत्र होकर सार्वजनिक रास्ता बंद कर शराब पीए जाने के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्रवासियों ने बताया कि न्यू कृष्णा नगर के गली नं.-6 में एक सार्वजनिक रास्ता जो मुख्य सड़क पर जाता है वहीं रनवीर सिंह का मकान है। आरोप है कि वो आए दिन अपने साथियों के साथ सड़क पर ही शराब का सेवन करता है और आने-जाने वालों पर फब्तियां कसता है। जिससे क्षेत्रवासी काफी परेशान हैं। साथ ही आरडब्ल्यूए के नाम पर क्षेत्रवासियों से अवैध उगाही की जाती है। इसलिए क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि रनवीर सिंह के खिलाफ कार्यवाही कर निवासियों को राहत प्रदान की जाए।

किसानों का मुआवजा बढ़ाने की मांग

गाजियाबाद। किसानों के मुआवजा बढ़ाने की मांग को लेकर रालोद के प्रदेश सचिव अमरजीत सिंह बिड्डी के नेतृत्व में रालोद नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले 11 वें दिन से मुरादाबाद दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर धरना चल रहा है। किसानों को एक समान मुआवजा मिलना चाहिए। इस मौके पर चौधरी अजयवीर सिंह, चौधरी तेजपाल सिंह, मनवीर सिंह, ओडी त्यागी, अजय प्रमुख, भूपेंद्र बॉबी, रॉकी चौधरी आदि उपस्थित थे।

स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण पर इमारत सील

गाजियाबाद। जीडीए के प्रवर्तन दल ने शनिवार को अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान के दौरान राजेंद्र नगर में मानचित्र के विपरीत निर्माण करने पर एक बिल्डिंग को सील कर दिया गया, वहीं मालिक के खिलाफ साहिबाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

सब रजिस्ट्रार को जीडीए ने एक पत्र भी लिखा है जिसमें अनुरोध किया गया है कि इस इमारत में बनाए गए फ्लैटों की रजिस्ट्री ना की जाए। जीडीए के विशेषाधिकारी एसके चौबे ने बताया कि पूर्व में भी इस बिल्डिंग को सील किया गया था अब दोबारा से किया गया है।

शटरिंग के गोदाम में आग से लाखों का माल जलकर राख

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● कई घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

थाना विजयनगर इलाके में शुक्रवार देर रात एक शटरिंग के गोदाम में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग की टीम और पुलिस भी मौके पर पहुंची जिसमें कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने से लाखों का माल जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, थाना विजय नगर से चंद कदमों की दूरी पर ही एक शटरिंग का गोदाम है जहां पर लाखों रुपए की कीमत का शटरिंग का सामान रखा हुआ था। देर रात शार्ट सर्किट के कारण यहां आग लग गई। जैसे ही आसपास के लोगों ने आग लगते देखा तो दमकल विभाग व स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग पर समय रहते ही आग पर काबू पा लिया।

शहर में जिम नियमन के लिए कमेटी का गठन

गाजियाबाद। जनपद में जिमों (व्यायामशालाओं) के नियमन के लिए सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में एक समिति की गठन किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

कलक्ट्रेटमें जिम मालिकों के साथ हुई एक बैठक के बाद जिला मजिस्ट्रेट अजय शंकर पांडेय ने बताया कि यह समिति जिम के लिए मानक एवं प्रावधान तैयार कराएगी। उन्होंने बताया कि इस समिति में जिला खेल अधिकारी व एक सरकारी चिकित्सक शामिल हैं। जिम ट्रेनरों को जिला खेल अधिकारी से प्रमाण पत्र लेना होगा और कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन आवश्यक होगा।

कोबरा देख भागे पुलिसकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर तहसील क्षेत्र की एक पुलिस चौकी में कोबरा सांप का खौफ देखने को मिला। बताया जा रहा है कि देर रात चौकी में पुलिसकर्मियों ने फुंकारने की आवाज सुनी। पुलिसकर्मियों ने टार्च की रोशनी में देखा तो वहां कई फीट लंबा कोबरा देख उनके होश उड़ गए।

कोबरा देखते ही पुलिसकर्मी बाहर की ओर भागने लगे। कोबरा की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन कोबरा वहीं बैठ गया। जानकारी के अनुसार, मोदीनगर तहसील क्षेत्र में धौलड़ी मार्ग स्थित एक निजी कॉलेज के पास पुलिस चौकी है। चौकी में कई कमरे बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि चौकी में देर रात पुलिसकर्मियों ने सांप के फुंकारने की आवाज सुनी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने टार्च की रोशनी में देखा तो कई फीट लंबा सांप नजर आया।

जानकारी मिलते ही मौके पर कुछ ग्रामीण पहुंचे। उन्होंने कोबरा को चौकी से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन कोबरा टस से मस नहीं हुआ। कोबरा कुंडली मारकर वहीं बैठ गया। इसके चलते पुलिसकर्मियों की जान सांसत में फंसी रही।

एटीएम में चोरी का खुलासा, किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एटीएम मशीन में वारदात का खुलासा करने वाली टीम को सम्मानित करते एसएसपी।

सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने ईंट व छेनी से एटीएम मशीन तोड़कर 12 हजार रुपए चोरी करने के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नौ हजार बरामद किए हैं।

महज 24 घंटे में घटना का खुलासा करने पर एसएसपी ने पुलिस टीम को सम्मानित किया। पूछताछ में पता चला है कि आरोपियों ने यू-ट्यूब से एटीएम मशीन तोड़ना सीखा था। पुलिस इनका अपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के कस्बा सूरजपुर में मोहन मंदिर के पास एटीएम मशीन तोड़कर रुपए चोरी करने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दो बदमाशों को भागते हुए गिरफ्तार कर लिया था। एसएसपी ने बताया कि अभियुक्तों की पहचान मन्नु शर्मा व अभिषेक शर्मा निवासी राजाहरी थाना परैया जिला गया बिहार, हाल पता किरायेदार कस्बा सूरजपुर के रूप में हुई है। बैंक प्रबंधन की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

पूछताछ में पता चला है कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने यू.ट्यूब से एटीएम मशीन तोड़ना सीखा था।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन हुआ रोचक मुकाबला

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित टीएन मेमोरियल मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फर्स्ट त्रिलोकीनाथ मेमोरियल गर्ल्स टूर्नामेंट में शनिवार को रोमांचक मुकाबले हुए। दूसरे दिन के मुकाबले में टीएन मेमोरियल क्रिकेट अकेडमी और वीमेन दून लायंस स्पोर्टिंग क्लब के बीच पहला मैच खेला गया।

टीएन मेमोरियल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यह मैच 20 ओवर का था। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीएन मेमोरियल ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाए। टीम की ओर से लक्ष्मी ने 38 गेंद में सर्वाधिक 51 रन बनाए। वहीं आकांक्षा ने भी 38 गेंद में 38 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। उधर वीमेन दून क्लब की गेंदबाज संध्या ने 4 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए।

दीपावली पर प्लॉट और फ्लैटों का मिल सकता है तोहफा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सभी प्रक्रिया ई-नीलामी के द्वारा की जाएगी पूरी

इस बार दीवाली पर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से संस्थागत और वाणिज्यिक में प्लॉट और आवासीय फ्लैटों की स्कीम आ सकती है। इसके लिए प्राधिकरण की तरफ से सर्वे और नीलामी के लिए बेस प्राइस तय करने की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि दीवाली के आसपास इनके संबंध में स्कीम को लॉन्च किया जा सकता है।

इसके जरिए आवासीय फ्लैट के साथ संस्थागत में स्कूल व अस्पताल खोलने के लिए अवसर मिल सकता है। इस संबंध में ई-नीलामी के लिए नोएडा प्राधिकरण में विज्ञापन निकाला जाएगा। इसके बाद सभी प्रक्रिया ऑनलाइन ही पूरी की जाएगी। नोएडा प्राधिकरण के वाणिज्यिक प्लॉटों के लिए पिछले 6 साल से मंदी चल रही है। इस दौरान एक भी बड़े प्लॉट की बिक्री नहीं हुई है। ऐसे में कई बार छोटे प्लॉट की ही डिमांड हुई है।

दरअसल, इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि नोएडा प्राधिकरण और मार्केट रेट में काफी अंतर है। मार्केट रेट की तुलना में करीब डेढ़ गुना से ज्यादा का अंतर हो जाता है। इसके अलावा जब इन प्लॉटों की रजिस्ट्री की जाती है तब रेट बढ़ाकर स्टांप शुल्क तय किया जाता है। ऐसे में हाल में ही रजिस्ट्रार विभाग और नोएडा प्राधिकरण ने भी अपने रेट में कमी करने को मंजूरी दी है। इसे देखते हुए इस बार नोएडा प्राधिकरण लुभावनी योजना के तहत प्लॉटों की स्कीम लाएगी। जिसमें बड़े प्लॉटों को पहले की तुलना में सस्ते देने की योजना है।

नोएडा प्राधिकरण सूत्रों ने बताया कि संस्थागत श्रेणी में भी कुछ प्लॉटों की स्कीम लाई जा सकती है। इनमें प्रमुख रूप से अभी तीन प्लॉटों को लगभग फाइनल कर दिया गया है। इनमें दो प्लॉट स्कूलों के लिए निर्धारित किए गए हैं। दोनों प्लॉट 20 हजार वर्ग मीटर के आसपास के हैं। इन दोनों के लिए भी ई-नीलामी प्रक्रिया को ही अपनाया जाएगा।

जेकेजी स्कूल इंदिरापुरम में हुए वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

बुजुर्गों का करेंगे आदर तो बच्चों को मिलेगा संस्कार : गौर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● मनोहारी प्रस्तुति से बच्चों ने मनमोहा

इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वार्षिकोत्सव 'संस्कार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपने मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से शुरू हुई। इसके बाद स्कूल के चेयरमैन जेके गौर ने बच्चों और अभिभावकों से संवाद करते हुए कुछ बेहद महत्वपूर्ण बातें बताईं। उन्होंने कहा कि यदि अभिभावक अपने बड़े बुजुर्गों और माता-पिता का सम्मान तथा उनका ख्याल रखेंगे तो यह संस्कार उनके बच्चों को भी मिलेगा।

इसके बाद बच्चों ने महाभारत और रामायण के प्रसंगों को प्रस्तुत किया। गीत संगीत और नृत्य कार्यक्रमों के जरिये उन्होंने से एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक वरुण गौर, प्रधानाचार्या निधि गौर भी मौजूद थे। आयोजन को सफल बनाने में सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं तथा कर्मचारियों ने योगदान दिया। छात्रा प्रकृति तिवारी, गुनगुन, सब्बो, मेघा आदि ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों की वाहवाही लूटी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 20 अक्टूबर 2019

100 और मोहल्ला क्लीनिक खुले, हो गए 302

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किया उद्घाटन, हर किलोमीटर पर ऐसी सुविधा शुरू करने की योजना

● नए मोहल्ला क्लीनिक हर साल 36 लाख से अधिक मरीजों का करेंगे इलाज : जैन

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को 100 नए मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन किया। यह एक प्राइमरी हेल्थ सर्विस है जिसका मकसद लोगों को उनके इलाके में ही मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराना है।

इसके साथ ही दिल्ली के पास अब 302 मोहल्ला क्लीनिक हो गए हैं। वजीराबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि अगले महीने 100 और मोहल्ला क्लीनिक बनकर तैयार हो जाएंगे और आप सरकार की योजना शहर में हर किलोमीटर पर ऐसी सुविधा शुरू करने की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों में आप ने कई लोक कल्याणकारी कार्य किए हैं जो कि किसी अन्य सरकारों ने अब तक नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि आप सरकार के मोहल्ला क्लीनिक की तारीफ दुनिया में हो रही है।

शनिवार को वजीराबाद में मोहल्ला क्लीनिक के उद्घाटन के बाद अपनी बीपी की जांच करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

केजरीवाल ने कहा कि सरकार जल्द ही किराए के मकान में मोहल्ला क्लीनिक शुरू करेगी। यह दुनिया में पहली बार है जब एक साथ 100 प्राइमरी हेल्थ सेंटर खोले जा रहे हैं।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि 100 नए मोहल्ला क्लीनिक हर साल 36 लाख से अधिक मरीजों का इलाज करेगा, जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सिस्टम को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों में सिर्फ 260 डिस्पेंसरी खुले हैं जबकि पिछले कुछ सालों में ही 302 मोहल्ला क्लीनिक खोले जा चुके हैं, जिनमें 212 तरह के टेस्ट मुफ्त कराए जाते हैं।

इमरान हुसैन ने आरोपों से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को पत्र लिखकर मीडिया में आई इन खबरों का खंडन किया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने अपने अधिकारियों द्वारा नासिक में प्रमाणित प्याज के ट्रकों को अस्वीकार कर दिया। यह बात एक आधिकारिक बयान में कही गई है।

बयान के अनुसार हुसैन ने अपने पत्र में कहा, इस दावे का खंडन किया जाता है क्योंकि यह सही तथ्यों पर आधारित नहीं है। पहली बात यह कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रमाणित किसी भी खेप को अस्वीकार नहीं किया गया है।

हुसैन ने पत्र में कहा, दूसरी बात यह कि अभी तक प्याज के ऐसे मात्र पांच ट्रक खारिज किए गए हैं जिसमें प्याज गीली थी, सड़ी हुई थी और मानव उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं थी। उन्होंने कहा, साथ ही इन पांच ट्रकों में से दो ट्रकों के प्याज को नाफेड द्वारा उठाया नहीं गया है।

हज्जामों के लिए गठित होगा केश कला बोर्ड

● नाइयो को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण और वित्तीय मदद

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने नाइयों और हजामों को आधुनिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर तथा उनके लिए कल्याणकारी कदम उठाकर पारंपरिक केश सज्जा को प्रोत्साहित देने के लिए शनिवार को दिल्ली केश कला बोर्ड के गठन को मंजूरी दे दी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नई तकनीकों के कारण केश सज्जा उद्योग बढ़ा है और केश के लिए इस्तेमाल होने वाले उत्पादों का बाजार भी ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़ा हुआ है। उसमें कहा गया है कि अनौपचारिक अनुमान के मुताबिक भारत में केश सज्जा उद्योग करीब 22,500 करोड़ रुपए का है। सरकार का कहना है कि केश काटने का पेशा हजाम और नाई समुदाय द्वारा वंशानुगत तरीके से अपनाया जाता रहा है। लेकिन वे लोग महंगे उपकरणों और तकनीकों को नहीं अपना सके हैं और इस कारण उद्योग में हुई वृद्धि से वंचित रहे हैं। बयान में कहा गया है कि नाई और हजाम समुदाय को आधुनिक तकनीक का समुचित प्रशिक्षण देने की जरुरत है और स्वरोजगार के लिए उन्हें वित्तीय सहायता देना भी आवश्यक है।

बोर्ड में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित पांच सदस्य होंगे। बोर्ड के सदस्य सचिव की नियुक्ति दिल्ली सरकार करेगी और वह कम से कम उप सचिव रैंक के सेवारतासेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। प्रत्येक जिले में भी एक समिति होगी जिसमें अध्यक्ष सहित चार सदस्य होंगे।

नोबेल विजेता अभिजीत बनर्जी जेएनयू पहुंचे

नई दिल्ली। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी शनिवार को यहां जवाहर लाल नेहरू (जेएनयू) विश्वविद्यालय पहुंचे। इसी संस्थान से उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया था। सूत्रों ने बताया कि वह सुबह जेएनयू परिसर पहुंचे और बाद में कुलपति एम जगदीश कुमार से मुलाकात की। हालांकि, इसकी पुष्टि प्राशसनिक अधिकारियों ने नहीं की। बनर्जी ने 1983 में जेएनयू से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया था। उल्लेखनीय है कि अभिजीत बनर्जी, उनकी पत्नी एस्थर डुफ्लो को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के माइकल क्रेमर के साथ वर्ष 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हादसे की शिकार हुई तेज रफ्तार बाइक, एक की मौत

● दो जख्मी, स्पीड ब्रेकर पर बाइक सवार ने खोया नियंत्रण

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के अशोक विहार इलाके में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में एक 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गए। तेज रफ्तार बाइक पर नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई। मृतक की शिनाख्त न्यू अशोक नगर निवासी विकास के रूप में हुई। घायलों की पहचान चिल्ला निवासी कुणाल देरहा तथा त्रिलोकपुरी निवासी अफजल के रूप में हुई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक शनिवार तड़के एक बजे हुए और हादसे के संबंध में पुलिस को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल से फोन आया था। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस टीम को भेजा गया और जांच के दौरान पता चला कि विकास काली रॉयल इनफील्ड मोटरसाइकिल चला रहा था जबकि घायल दोनों युवक पीछे बैठे थे।

ये सभी बिना हेलमेट के थे। घायलों ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी और प्लाजा मार्केट के पास एक स्पीड ब्रेकर पर विकास का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और उसकी बाइक बीएसईएस दफ्तर के गेट से जा टकराई।'

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के शिकार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां विकास को मृत घोषित कर दिया गया। मेडिकल जांच में पाया गया कि हादसे के वक्त से शराब के नशे में नहीं थे। हादसे के संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है।

देरहा को प्राथमिक चिकित्सा के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि अफजल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। वहीं विकास आठवीं पास और बेरोजगार था।

दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बढ़ी पुलिस की निगरानी

नई दिल्ली। हरियाणा में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, राष्ट्रीय राजधानी से लगने वाली सीमाओं को दिल्ली पुलिस ने सील कर दिया है।

दिल्ली पुलिस की संयुक्त पुलिस आयुक्त शालिनी सिंह ने बताया, आमतौर पर मतदान से 24 घंटे पहले सीमाओं को सील किया जाता है लेकिन इस बार हमने इसे पहले से शुरू कर दिया है और जांच तेज कर दी गई है।

हरियाणा में विधानसभा के लिए 21 अक्टूबर को मतदान होना है और मतों की गिनती 24 अक्टूबर को होगी।

मालीवाल को दी धमकी, दो महिलाएं गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्लू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को कथित रूप से धमकी देने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। 30 से 35 साल की ये महिलाएं पश्चिमी दिल्ली की निवासी हैं। डीसीडब्लू के अनुसार मालीवाल को दिल्ली में कथित रूप से स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए धमकी भरे फोन कॉल आ रहे थे। डीसीडब्ल्यू के अनुसार मालीवाल और उनके परिजनों को स्पा सेंटरों के मालिकों की ओर से कई धमकी भरे फोन कॉल और ऑडियो रिकॉर्डिंग मिल रही थी जिसके बाद मालीवाल ने मामले में त्वरित कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस को 20 सितंबर को पत्र लिखा। पुलिस ने कहा कि मालीवाल ने अज्ञात स्पा मालिकों की तरफ से धमकी भरे फोन कॉल आने की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान तकनीकी सर्विलांस की मदद से दो महिलाओं की पहचान की गई और साइबर अपराध शाखा ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

'भाजपा दिल्ली की जनता से करेगी सीधा संवाद'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि वह दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के झूठ और धोखे को जनता के बीच बेनकाब करेंगे। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी दिल्ली की जनता से सीधे संवाद करेगी। इसकी शुरुआत आज से मटियाला के कांगन हेड़ी गांव से शुरू की जाएगी, जहां तिवारी क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद करेंगे।

तिवारी ने केजरीवाल महिला सुरक्षा, 500 नए स्कूल, पारदर्शी शासन व्यवस्था, भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने के बजाय महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार और शिक्षा के क्षेत्र में घोर अनियमितताओं का पर्याय बन चुके हैं। केजरीवाल केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियों और दिल्ली के बीच में दीवार बनकर खड़े हैं। दिल्ली की जनता उन्हें सिरे से नकार चुकी है और अपने नाकाम वादों और भ्रष्ट नीतियों पर पर्दा डालने के लिए वह एक बार फिर दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे हैं।

वहीं राजधानी दिल्ली को बिजली फ्री देने के नाम पर दिल्ली की जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को डायरेक्ट सब्सिडी के रूप में बिजली कंपनियों के हवाले कर रहे हैं।

निगम-केंद्र के कामों श्रेय ले रही है आप : गुप्ता

विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पिछले 56 महीने में सत्ता में रहते हुए दिल्ली की जनता के लिए कोई विकास कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में दिल्ली में एक हजार मोहल्ला क्लीनिक खोलने का वायदा किया था परंतु उनके कार्यकाल में ये योजना जमीन पर कहीं नजर नहीं आती और उपकरणों के बिना मोहल्ला क्लीनिकों का उद्घाटन किया जा रहा है। अब चुनाव नजदीक आते देख मुख्यमंत्री केंद्र सरकार तथा दिल्ली नगर निगमों द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय लूटने में लगे हैं। वहीं दिल्ली में कच्ची कॉलोनियों के वादों को भी पूरा नहीं किया जा रहा।

प्रदूषण के खिलाफ मुहिम के लिए 36 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमान पर प्रदूषण के खिलाफ चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान के लिए 36 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दे दी। यह जानकारी एक सरकारी बयान में दी गई।

बयान में कहा गया है कि दिल्ली में प्रदूषण में 25 फीसदी की कमी आई है, लेकिन जाड़े के महीनों में प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़ोतरी होती है। बयान के मुताबिक प्रदूषण बढ़ने का एक बड़ा कारण दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाया जाना है। यह किसी भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, लिहाजा में इस जनभागीदारी और उसका सहयोग जरूरी है क्योंकि यह अक्सर हमारी दिनचर्या को प्रभावित करता है।

पर्यटन विभाग द्वारा आयोजन शाहपुर जाट शरद उत्सव में नृत्य करती महिलाएं।

संस्कृत भाषा में निहित वेद श्रेष्ठ साहित्य हैं : स्वामी प्रणवानंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वेद विश्व के पहले साहित्य ग्रन्थ हैं। वेदों का वृहत इतिहास है। वेदों में निहित सभी मंत्र एक वैज्ञानिक सूत्र की तरह कार्य करते हैं, जिन में विज्ञान पर्ण रूप् से निहित है।

ये विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा श्रीमद्दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय गौतम नगर नई दिल्ली में आयोजित वेदमंत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमद्दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय के संस्थापक आचार्यश्री स्वामी प्रवणानन्द सरस्वती ने व्यक्त किए । इस अवसर पर अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत भाषा के ज्ञान लिए वेदों का अध्ययन आवश्यक है।

प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी छात्रों में वेदों के मंत्रों को याद करने की जिज्ञासा बनेगी। लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के वेद विभाग के आचार्या प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा ने कहा संस्कृत भाषा की उपयोगिता हर क्षेत्र में है ।

सपना चौधरी ने किया विपक्षी कांडा का चुनाव प्रचार, उड़ी भाजपा की नींद

● पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने हरियाणवी लोक गायिका को प्रचार से रोका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हाल ही में भाजपा में शामिल हुई हरियाणवी लोक गायिका सपना चौधरी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में एक प्रतिद्वंद्वी पार्टी के प्रत्याशी गोपाल कांडा का प्रचार कर अपनी पार्टी को असहज कर दिया।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि सपना के इस कदम से भाजपा नाराज है और नुकसान रोकने के लिए दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने सपना को चुनाव प्रचार करने से रोक दिया है। सपना ने सिरसा से हरियाणा लोकहित पार्टी के प्रत्याशी कांडा के लिए प्रचार किया था।

कांडा हरियाणा सरकार में मंत्री रह चुके हैं और राज्य की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। कांडा का नाम उस समय चर्चा में रहा था, जब उनकी विमानन कंपनी की एक महिला कर्मचारी ने खुदकुशी कर ली थी। सूत्रों ने बताया कि सपना ने पार्टी नेताओं को जानकारी दी कि उनके सलाहकारों ने उन्हें सलाह दी थी कि वह कांडा का प्रचार कर सकती हैं क्योंकि कांडा बतौर निर्दलीय मैदान में हैं। वह कांडा के पक्ष में रोड शो भी करने वाली थी।

सपना को कांडा के पक्ष में प्रचार नहीं करने और उनके किसी भी प्रचार से खुद को फौरन असंबद्ध करने को कहा गया है। दिल्ली भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि कांडा के समर्थन में वोट मांग रही सपना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जो शुक्रवार को भाजपा नेताओं के संज्ञान में आया। कांडा के समर्थन में सपना के पोस्टर भी सामने आए थे। दिल्ली भाजपा नेताओं के एक धड़े ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर सपना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने सिरसा से प्रदीप रतुसरिया को प्रत्याशी बनाया है।

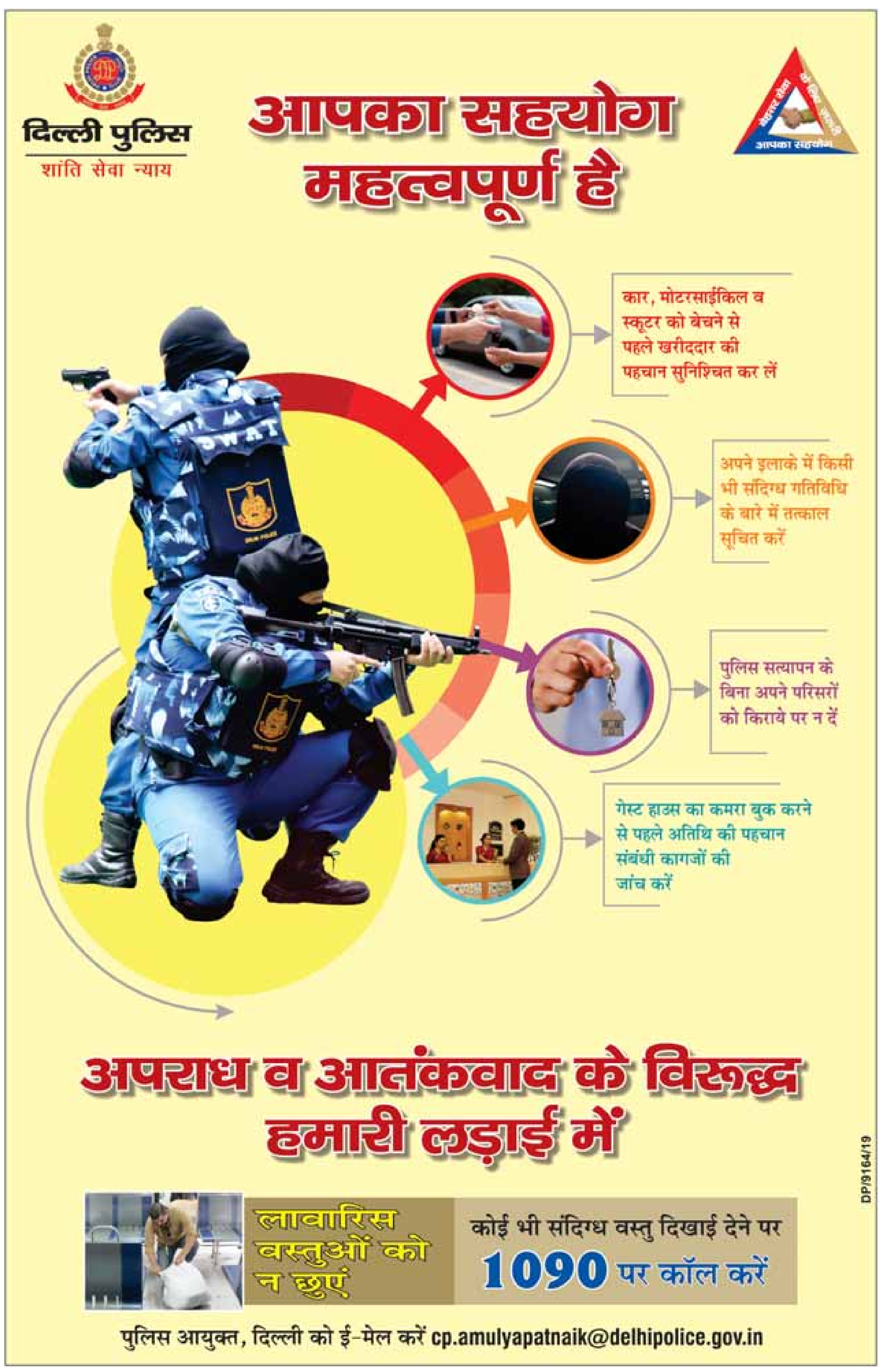

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 20 अक्टूबर, 2019

किसी को नहीं पता किस करवट बैठेगा कांग्रेसी धर्मबीर का ऊंट

पहले कांग्रेस प्रत्याशी सुखबीर कटारिया को दिया समर्थन

अब निर्दलीय प्रत्याशी मोहित ग्रोवर को पहनाई माला

नामांकन से पूर्व राव भोपाल के साथ साझा किया था मंच

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

धर्मबीर गाबा।

सुखबीर कटारिया।

मोहित ग्रोवर।

कभी केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत के समर्थक राव भोपाल के साथ मंच सांझा करना तो कभी कांग्रेस प्रत्याशी सुखबीर कटारिया को प्रेस कांफ्रेंस करके समर्थन देना और अब निर्दलीय प्रत्याशी मोहित ग्रोवर को माला पहनाकर आशीर्वाद देना। यह सब कर रहे हैं गुरुग्राम की राजनीति के कद्दावर, पंजाबी नेता धर्मबीर गाबा।

वे अब तक आठ चुनाव में से चार चुनाव जीते हैं और चार हारे हैं। यूं कहें कि यहां की राजनीति ज्यादातर उनके ईर्द-गिर्द ही घूमती रही है। हरियाणा कैबिनेट में उन्हें मंत्री भी बनाया गया। पंजाबी राजनीति का धर्मबीर गाबा बड़ा चेहरा हैं। आज भी पंजाबी समुदाय में उनकी अच्छी-खासी पकड़ है और वे बड़े पैमाने पर वोटों का ध्रुवीकरण कर सकते हैं।

पंजाबियों के वोटों पर तो उनकी इतनी पकड़ है कि उनके एक इशारे पर पंजाबी मतदाता चुपचाप अपना काम कर जाता है। हालांकि गुरु द्रोण के इस शहर में राजनीतिक समीकरण अब काफी बदले भी हैं। फिर भी एक बड़ा धड़ा अभी भी धर्मबीर गाबा के प्रभाव में है। धर्मबीर गाबा का राजनीतिक जन्म कांग्रेस से ही हुआ है। वर्ष 1982 से लेकर 2014 यानी 23 साल तक की राजनीति में धर्मबीर गाबा ही गुरुग्राम से कांग्रेस का बड़ा चेहरा रहे। उन्हें हर बार कांग्रेस ने चुनाव मैदान में उतारा। 32 साल के अपने राजनीतिक सफर में उन्होंने चार चुनाव हारे और चार चुनाव जीते हैं। अब 37 साल बार 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने धर्मबीर गाबा को टिकट न देकर 2009 में कांग्रेस को निर्दलीय विधायक के रूप में चुनाव जीतकर समर्थन देने वाले सुखबीर कटारिया को टिकट दी है।

कांग्रेस से बागी मोहित को भी दिया समर्थन

अब सवाल यह उठता है कि आखिर वे गुरुग्राम की राजनीति में किस ओर करवट लेते हैं। यानी वे इस चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही अलग-अलग नेताओं से मंच सांझा करते दिखे। साथ ही उन्हें जनता के बीच ले जाकर समर्थन देने की बात कही। यहां कांग्रेस भवन में कांग्रेस प्रत्याशी सुखबीर कटारिया को प्रेस कांफ्रेंस में आशीर्वाद देने वाले धर्मबीर गाबा ने चुनाव के अंत में वरिष्ठ कांग्रेसी मदनलाल ग्रोवर के पुत्र मोहित ग्रोवर को समर्थन दिया है। मोहित ग्रोवर को कांग्रेस से टिकट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे बीजेपी प्रत्याशी को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं।

गैंगस्टर से प्रचार कराने से हवा हुई खराब

गत दिनों अपने चुनावी मंच पर उन्होंने एक गैंगस्टर बिंदर गुर्जर को अपने मंच पर चढ़ाया और उससे अपने पक्ष में वोटों की अपील कराई। कार्यक्रम के वीडियो वायरल होने पर मोहित ग्रोवर की खूब किरकिरी हुई। यहां तक कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी यहां पंजाबियों के गढ़ न्यू कॉलोनी में हुई जनसभा में मोहित ग्रोवर का नाम लिये बगैर उन पर गैंगस्टर से प्रचार कराने की बात पर निशाने साधे।

रिश्वत लेने वाले नगर निगम के स्टेनो को छह साल कैद

डीटीपीओ के एसडीओ व जेई के नाम पर ली थी रिश्वत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम की सफाई शाखा में कार्यरत स्टेनों द्वारा डीटीपीओ के एसडीओ व जेई के नाम पर रिश्वत लेने के मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार शर्मा की अदालत ने आरोपी को छह साल की कैद व 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने का भुगतान न करने पर दोषी को एक साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

जानकारी के अनुसार दौलताबाद के विरेंद्र ने राज्य चौकसी ब्यूरो गुड़गांव को 21 सितम्बर 2016 को शिकायत दी थी कि उसने राजेंद्रा पार्क क्षेत्र में 180 गज का प्लाट लिया हुआ है, जिस पर वह निर्माण कार्य कर रहा है। डीटीपीओ कार्यालय से उसे नोटिस आया था कि वह निर्माण कार्य न करे, जिसका निपटारा उसने नगर निगम के सफाई शाखा में कार्यरत स्टेनो शशिभान को 40 हजार रुपये देकर कर दिया था, लेकिन उसे फिर से नोटिस भेज दिया, जिस पर शशिभान का कहना था कि एसडीओ व जेई का तबादला हो गया है। अब उसके स्थान पर जो एसडीओ व जेई आए हैं, वे उसका काम कराने के लिए दो लाख रुपये की मांग कर रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने कहा था कि वह रिश्वत नहीं देना चाहता। राज्य चौकसी ब्यूरो ने छापामार टीम का गठन कर नायब तहसीलदार अनिल कुमार ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में कार्रवाई की थी। शिकायतकर्ता ने अपने पास से ही एक हजार के 35 नोट व 500 के 330 नोट कुल दो लाख रुपए टीम को दिए थे। टीम ने इन रुपयों पर केमिकल लगाया और शिकायतकर्ता को ये नोट शशिभान को देने के लिए दे दिए थे।

छापामार टीम ने रंगेहाथों शशिभान को रिश्वत लेते हुए काबू कर लिया था और उसके कब्जे से दो लाख रुपये की रकम भी बरामद कर ली थी। जब उसके हाथ धुलवाए गए तो पानी का रंग गुलाबी हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अदालत इस मामले में आरोपी को दोषी करार देकर उसकी सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो अदालत ने सुना दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक जागरुकता से परिवर्तन संभव : वेदप्रकाश

गुरुग्राम। सामाजिक जागरुकता से ही सकारात्मक परिवर्तन संभव है। जरूरत है ऐसे अभियान को दिल से गति देने की। फिर चाहे वो अभियान शिक्षा के क्षेत्र में हो, सामाजिक बुराईयों के क्षेत्र में हो या फिर चुनाव के क्षेत्र में। यह कहना है राजकीय प्राथमिक पाठशाला गांव फिरोजपुर नमक में शिक्षक वेद प्रकाश गौड़ का। वे अपने क्षेत्र में मतदान जागरुकता अभियान चला रहे हैं। यहां सोहना रोड स्थित नया गांव मयूर कुंज के निवासी वेदप्रकाश गौड़ जिला में शिक्षा, सामाजिक बुराइयों व अज्ञानता के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाते रहते हैं। अब उन्होंने राजकीय प्राथमिक पाठशाला फिरोजपुर नमक में एक मतदान जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को इस बात की शपथ भी दिलाई गई कि वो अपने माता पिता, बड़े भाई बहनों व रिश्तेदारों को मतदान के लिये भेजेंगे व अध्यापकों ने उपस्थित ग्रामीणों को भी मतदान के लिये प्रेरित किया। वेद्रप्रकाश गौड़ एंटी क्रप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया संस्था के हरियाणा राज्य में समन्वयक हैं। कई बार उन्हें शिक्षा के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में सम्मान भी मिल चुके हैं। इस अवसर पर प्राचार्य वाजिद, मनमोहन, भुलसिंह, मनजीत कौर, मंजू, डिम्पल, योगिता, हिना, पूनम, रीता पूनिया, पूजा आदि अध्यापक मौजूद रहे। शिक्षक वेदप्रकाश गौड़ ने मतदान की अनिवार्यता व इसके महत्व को सभी अध्यापकों, विद्यार्थियों व उपस्थित ग्रामीणों के साथ सांझा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के मुख्य शिक्षक हसमत अली ने की। वेदप्रकाश गौड़ ने सभी को मतदान करने के लिये प्रेरित किया।

12,10398 मतदाता करेंगे 54 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा आम चुनाव-2019 को जिला में शांतिपूर्ण कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार 21 अक्टूबर को जिला के 12 लाख 10 हजार 398 मतदाता चुनाव लड़ रहे 54 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 5,323 सर्विस वोटर्स भी शामिल हैं। इस बार गुरुग्राम जिला में 6 लाख 40 हजार 835 पुरुष, 5 लाख 69 हजार 529 महिला मतदाता और 34 ट्रांसजेंडर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान प्रात: 7.00 बजे शुरू हो जायेगा और सायं 6.00 बजे तक चलेगा। गुरुग्राम जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में 54 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें पटौदी विधानसभा क्षेत्र में 11, बादशाहपुर में 15, गुड़गांव में 16 और सोहना विधानसभा क्षेत्र में 12 उम्मीदवार 21 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अमित खत्री के अनुसार शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिला में कुल 1172 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 1407 का पोलिंग स्टाफ लगाया है। इनके अलावा, इस बार 8 पिंक बूथ अर्थात सखी बूथ और 8 मॉडल बूथ भी बनाए गए हैं। पिंक बूथों पर पूरा स्टाफ महिलाओं का होगा जबकि मॉडल बूथ पर मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम जैसे-साइन बोर्ड लगवाना, दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, मतदाता सुविधा केंद्र और बूथ का सौंदर्यीकरण सहित कई इंतजाम किए जाएंगे।

मतगणना के दिन स्टाफ को सुबह छह बजे पहुंचने के निर्देश

गुरुग्राम। हरियाणा विधानसभा आम चुनाव की मतगणना के लिए नियुक्त किए मतगणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक व मतगणना माइक्रो ऑब्जर्वर का प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को गुरुग्राम के लघु सचिवालय स्थित सभागार में किया, जहां सभी को मतगणना को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सरवान ने बताया कि 24 अक्टूबर को मतगणना के दिन सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी उपस्थिति प्रात: 6 बजे राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थान राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 पर पैन, फोन, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, माचिस, अस्त्र- शस्त्र, कैमरा आदि वस्तुओं को ले जाना सख्त मना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में सभी को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना काम करना चाहिए। सभी काउंटिंग सुपरवाइजर, माइक्रो ऑब्जर्वर व चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी ईवीएम की सभी प्रकार की सील की जांच करना सुनिश्चित करें व कंट्रोल यूनिट को बाहर निकालकर इस पर लगी स्ट्रीप सील, ग्रीन पेपर सील तथा एड्रेस टैग की सील की सही तरह से जांच कर लें और उसका मिलान कर ले कि दी गई सामग्री उसी बूथ की है।

ग्रेप के तहत 25 लोगों पर 49 हजार का जुर्माना

गुरुग्राम। ग्रेडिड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) की उल्लंघना करने वालों पर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा लगातार करवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को 25 लोगों पर 49 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इनमें मलबा डालने के मामले में एक व्यक्ति पर 5000 रुपये, बिना ढके निर्माण सामग्री रखने और ट्रांसपोर्ट के मामले में 13 लोगों पर 27500 रुपये, सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग मामले में नौ लोगों पर 6500 रुपये, कचरा जलाने के मामले में एक व्यक्ति पर 5000 रुपये, कोयला/लकड़ी तंदूर के मामले में एक व्यक्ति पर 5000 रुपये का जुर्माना लगाया है। नगर निगम आयुक्त अमित खत्री एवं अतिरिक्त निगमायुक्त सुरेंद्र सिंह ने बताया कि धूल को उड़ने से रोकने के लिए नगर निगम की बागवानी और दमकल शाखा द्वारा पेड़ों व सड़कों पर पानी का छिड़काव लगातार जारी है। इसके साथ ही मुख्य सड़कों की सफाई रात के समय मेकेनिकल की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियां न करें और दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें।

दीवाली उत्सव में बच्चों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

गुरुग्राम। प्रकाश का पर्व दिवाली बसंतवैली स्कूल के प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशिष्ट अतिथि समाजसेविका मीनाक्षी ऋषि, और प्रसिद्ध शिक्षाविद अंजु शर्मा ने नन्हे कलकारों की प्रशंसा की और सभी को दीवाली की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुयी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन चरित्र नृत्य नाटिका के रूप में नन्हें कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। शानदार प्रस्तुति की प्रशंसा उपस्थित अभिभावकों तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा की गयी। स्कूल के निदेशक ओमवीर शर्मा तथा मोहिनी शर्मा ने सभी को दिवाली की शुभकामनायें दीं और बच्चों को संस्कारवान बनाने का आग्रह किया।

पंचम सोपान सुंदरकांड पाठ में भक्तों ने लिया भाग

कुरुक्षेत्र। मां शाकम्भरी देवी सेवक मंडल द्वारा अंचला चौंक शिव मंदिर में शनिवार सायं श्रीरामचरितमानस के पंचम सोपान सुंदरकांड पाठ का संगीतमयी आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा बाली ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित किया। तत्पश्चात गणेश वंदना एवं हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और उसके पश्चात गायक अश्वनी शर्मा लाडवा द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। उन्होंने सुंदरकांड पाठ की चौपाइयों का सरलार्थ भी बताया। प्रवचनों में कथावाचक पवन भारद्वाज ने कहा कि सुंदरकांड पाठ से व्यक्ति के सभी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न होते हैं। किसी भी शुभ कार्य करने से पूर्व यदि सुंदरकांड पाठ किया जाए, तो वह अवश्य सफल होता है।

पंजाबी बहुल इलाके में सिंगला को मिला जीत का आशीर्वाद

गुरुग्राम के पंजाबी बहुल क्षेत्र शिवपुरी में पार्षद सीमा पवन पाहुजा की ओर से आयोजित समारोह में बीजेपी प्रत्याशी सुधीर सिंगला एवं उनकी पत्नी सुनीता सिंगला का स्वागत करतीं पार्षद सीमा पाहुजा, पवन पाहुजा व अन्य नेतागण।

पार्षद सीमा पवन पाहुजा ने किया समारोह आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शनिवार को बीजेपी प्रत्याशी सुधीर सिंगला के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कार्यक्रमों की श्रृंखला में शाम के समय पार्षद सीमा पवन पाहुजा की ओर से यहां शिवपुरी में समारोह रखा गया। इस मौके पर सीमा पवन पाहुजा ने सुधीर सिंगला का पंजाबी समाज की ओर से स्वागत किया गया और उन्हें हर हाल में विजयश्री दिलाने का दावा किया।

शिवपुरी रामलीला ग्राउंड में गुरुग्राम के भाजपा प्रत्याशी सुधीर सिंगला का पार्षद सीमा पाहुजा, पवन पाहुजा बंटी ने स्वागत किया। कार्यक्रम में जन सैलाब उमड़ा। गार्गी कक्कड़, खादी बोर्ड की चेयरपर्सन गार्गी कक्कड़, पार्षद कपिल दुआ, पार्षद सुभाष चंद सिंगला, पवन बंटी पाहुजा, सुमेर सिंह तंवर, हरविंदर कोहली, तारावंती टुटेजा, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर यशपाल बत्रा, पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, सुनीता सिंगला, रविंदर जैन, बाली पंडित, मनोज भारद्वाज, अजित भारद्वाज, यशपाल कालरा, अरोड़ा, हसीजा, मखीजा, आहूजा, कपूर, डुडेजा और 36 बिरदारी के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में लोगों के समर्थन से गदगद सुधीर सिंगला ने कहा कि पार्षद सीमा पवन पाहुजा के बीजेपी में आने से उन्हें मजबूती मिली है। जिस तरह से आज समाज का यह अग्रणी दंपति उनके साथ अपने समर्थकों व समाज को एक साथ जोड़कर खड़ा है, वे भी भविष्य में इनके लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। सही समय पर इन्होंने सही निर्णय लेकर बीजेपी का साथ दिया है।

सुधीर सिंगला ने कहा कि बीजेपी में हर किसी नेता, कार्यकर्ता को पूर्ण सम्मान मिलता है। अन्य दलों की तरह यहां दलदल नहीं है, बल्कि हर एक की अपनी अहमियत है। ऐसे में पार्टी को सफलता मिलना तय है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का कुनबा बहुत बड़ा हो चुका है। ऐसे में इस बार जीत के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करने हैं। कार्यकर्ताओं के वोट भी बहुत हो गये हैं। नेताओं की लंबी जमात बीजेपी में इस बात को पुख्ता करती है कि बीजेपी की नीतियां आम आदमी के हक की हैं। तभी नेताओं ने अपना राजनीति का मुख्य मंच, मुख्य आधार बीजेपी को ही बनाया है। सुधीर सिंगला ने जनता से अपील भी की और खुद दावा किया कि इस बार एक लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज करनी है।

पेंशनधारकों ने डाकघर पर किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के मुख्य डाकघर पर पेंशन न मिलने से गुस्साएं वृद्ध और विधवा महिलाओं ने हंगामा कर दिया। दो दिन से पेंशन लेने आ रहे पेंशन धारकों को बैरंग लौटना पड़ रहा है।

पिछले दो दिन से डाकघर में पेंशन वितरण का कार्य ठप पड़ा हुआ है। शुक्रवार सुबह दस बजे तक पेंशन वितरित की गई। उसके बाद पेंशन का कार्य ठप हो गया। जिससे 250 से 300 पेंशनधारक वृद्ध, विधवा महिलाएं और दिव्यांग पेंशनधारकों को खाली हाथ लौटना पड़ा। शनिवार को जब साढ़े 11 बजे तक पेंशन वितरण का कार्य शुरू नहीं किया तो पेंशनधारकों के सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया, लेकिन डाकघर कर्मचारी और अधिकारियों ने उनकी एक न सुनी और न ही किसी सवाल का जवाब नहीं दिया।

सोहना के डाकघर बाहर मौजूद पेंशन न मिलने से परेशान वृद्धजन।

क्या कहना है पेंशनधारकों का

पेंशनधारक 77 वर्षीय हरज्ञान का कहना है कि वह दो दिन से डाकघर में आ रहा है। उसकी तरफ से अन्य सैकड़ों की संख्या में पेंशनधारक वृद्ध, विधवा महिलाएं, विकलांग चक्कर लगा रहे हैं। जिन्हें पेंशन नहीं दी है। शनिवार सुबह 8 बजे से वह यहां पर बैठे हैं। तीन घंटे बाद उन्हें जवाब मिला कि पेंशन अभी नहीं मिलेगी। विधवा महिला कस्तूरी का कहना है वह पेंशन से ही अपना गुजारा चलाती है। पिछले माह भी उसे पेंशन नहीं मिली थी। इस माह भी उसे अभी तक पेंशन नहीं मिली। विद्या का कहना है कि पैदल चला मुश्किल है। शुक्रवार को भी वह रिक्शे से 50 रुपये खर्च करके आई थी। आज भी 50 रुपये खर्च किए हैं। एक सौ रुपये खर्च होने पर उसे पेंशन नहीं मिली है।

क्या कहना है पोस्टमास्टर का

पोस्टमास्टर लक्ष्मण सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पेंशन वितरण का नया आदेश उन्हें मिला है। शुक्रवार से ही विभाग के नये नियम से पेंशन वितरण की प्रक्रिया को पूरा करने में लगे हैं। प्रक्रिया पूरी होने पर पेंशन बांटी जाएगी।

पुलिस ने सट्टा लगाते दबोचा

सोहना। सोहना सीआईए पुलिस ने सरेआम सट्टा लगाने वाले को दबोचा। गिरफ्तार आरोपी से सट्टा में लगाई जा रही रकम व कागज-कलम बरामद की। भोंडसी क्राइम नाके पर तैनात हवलदार विनित जागंड़ा को सूचना मिली कि मारुति कुंज कॉलोनी में एक व्यक्ति सरेआम सट्टा नंबर लगा रहा है। जो एक चौक पर बैठा है और सट्टा लगाने वालों को इशारा करके अपनी और बुलाता है। हवलदार विनीत जागंड़ा ने अपने साथ लिए सिपाही को आम व्यक्ति बना सट्टा खाई करने वाले के पास भेजा। जिसे रंगे हाथ सट्टा लगाते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसवंत सिंह निवासी सेक्टर-37 गुरुगाम व हाल निवास मारुति कुंज कॉलोनी के रूप में हुई है। जसवंत के पास से तलाशी के दौरान 2060 रुपये बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ भोंडसी थाना में मामला दर्ज किया गया है।

खाद्य विभाग ने हलवाइयों की दुकान से लिए मिठाइयों के सैंपल

फर्रुखनगर। शनिवार को जिला खाद्य सैफ्टी अधिकारी केके शर्मा व उनकी टीम ने फर्रुखनगर के बस अड्डे से हलवाइयों की पांच दुकानों से विभिन्न मिठाइयों के छह सैंपल सील करके जांच के लिए लैब भेजे। जांच के बाद दोषी पाये जाने वालों पर जुर्माना व कैद हो सकती है। सैंपल भरे जाने की सूचना से हलवाइयों में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद दुकानें बंद करके हलवाई चले गये। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके शर्मा ने बताया कि दिपावली पर्व पर मिलावटी मिठाई पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जो दुकानदार दुकान बंद करके भाग गये, उनके जल्द दोबारा छापेमारी कर टीम द्वारा सैंपल भरे जाएंगे। जिला गुरुग्राम व मेवात में फर्रुखनगर ऐसा शहर है, जहां मिठाइयों में मिलावट कम पाई जाती है। फर्रुखनगर में टीम द्वारा शिव स्वीट्स से बर्फी, खोवा, मिल्क केक, कृष्णा स्वीट्स से खोया बर्फी, श्री राम स्वीट्स से लड्डू बेसन, रतन स्वीट्स से खोया के सैंपल भरे गये है। सभी नमूने सील करके जांच के लिए लैब में भेजे जाएंगे। उन्होंने उपभोकताओं से अपील करते हुए कहा कि मिलावटी सामग्री वाली मिठाइयों के सेवन से बचे और मिलावटखोरों की शिकायत करें।

चिकित्सा का पेशा मंदिर के बराबर है : डॉ. कालरा

श्रीमदभगवद् गीता की भूमिका पर सेमिनार का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंडित भगवत दयाल शर्मा हेल्थ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. ओपी कालरा ने कहा कि वैसे तो हमारा चिकित्सा का पेशा ही मंदिर के बराबर है। हम जब भी किसी मरीज का इलाज करें तो कभी भी हमें फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। इसी भावना के साथ हेल्थ विश्वविद्यालय को आगे की राह पर लिये चल रहा हूं। यह बात उन्होंने गुरुग्राम विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित भागवद गीता पर आयोजित सेमीनार में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

श्रीमद् भागवत गीता की भूमिका पर सेमिनार में मौजूद अतिथि।

कार्यक्रम में जिओ गीता संस्था के संस्थापक गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज रहे। इस दौरान गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कंडेय आहूजा और कार्यक्रम की ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अंजू आहूजा मौजूद रहीं। डॉ. ओपी कालरा ने स्वामी ज्ञानानंद महाराज का स्वागत किया। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मार्कंडेय आहूजा ने कहा कि उपदेश नहीं उपचार है गीता। मानवता का श्रृंगार है गीता। वैसे तो गीता एक किताब नहीं बल्कि एक इनसाइच है तो आपका मिलन आपकी अंतरआत्मा से कराती है जब आप ऐसा कर लेते हैं तो आपको जीवन की हर समस्या का समाधान मिल जाता है फिर चाहे आप किसी भी क्षेत्र में हो, चाहे आप डॉक्टर हो या साइंटिस्ट आपको हर क्षेत्र में तरक्की मिलती जाएगी। आपको अगर कोई रोक सकता है तो वो आपका मन और आपको मन को कंट्रोल करती है भागवद गीता।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि हमें अपना मनोबल मजबूत करना होगा। आपकी इच्छा प्राप्ति के लिये नहीं बल्कि मानवता के लिये होनी चाहिए। क्षमताओं का विकास, सम्मान और ईश्वरीय प्रशंता कभी आसानी से प्राप्त नहीं कि जा सकती इसके लिये जरूरी है कि आप मेडिटेशन करें जिसके बाद आपको जीवन सब कुछ बड़ी ही आसानी से मिलता चला जाएगा। निश्चित ही आप जीवन के आगे के पथ पर बढ़ते हैं, अध्यात्म को लेकर एक अच्छा जीवन जीयें।

बिजली चोरी का मामला अदालत ने पाया गलत

बिजली निगम उपभोक्ता को करें एक लाख 81 हजार 282 रुपये का भुगतान

गुरुग्राम। बिजली चोरी के मामले की सुनवाई करते हुए सिविल जज अंतरप्रीत सिंह की अदालत ने उपभोक्ता को राहत देते हुए बिजली निगम द्वारा बिजली चोरी के आरोपों को खारिज करते हुए निगम को आदेश दिए हैं कि उपभोक्ता द्वारा जुर्माने के रुप में जमा कराई गई एक लाख 81 हजार 282 रुपये की धनराशि को उसे वापस किया जाए।

उपभोक्ता के अधिवक्ता क्षितिज मेहता से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के गांव घाटा के धर्मेंद्र पर बिजली निगम ने 25 जून 2017 को आरोप लगाए थे कि वह बिजली की लाइन से डायरेक्ट सप्लाई लेकर बिजली की चोरी कर रहा था और उसके खिलाफ बिजली चोरी का मामला भी दर्ज करा दिया था और उस पर एक लाख 81 हजार 282 रुपये का जुर्माना भी लगा दिया था। धर्मेंद्र ने जुर्माना की पूरी राशि बिजली निगम में जमा कर दी थी और गुड़गांव अदालत में बिजली निगम के खिलाफ केस भी डाल दिया था। अदालत में मामले की सुनवाई हुई। बिजली निगम द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों व गवाहों से उपभोक्ता द्वारा बिजली चोरी करने के आरोप अदालत ने सिद्ध होना नहीं पाए और जुर्माना की राशि को भी गलत बताया। अदालत ने फैसला लिया कि बिजली निगम जमा कराई गई जुर्माना राशि को उपभोक्ता को दो माह के भीतर वापस करे, अन्यथा 2 माह के बाद छह प्रतिशत ब्याज की दर से बिजली निगम को भुगतान करना पड़ेगा। इस मामले में यह भी दिलचस्प है कि बिजली निगम ने धर्मेंद्र के नाम कनेक्शन जारी किया हुआ था।

नाकाबंदी : चुनाव के लिए शहर की सीमाएं होंगी सील

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

निष्पक्ष, शांतिपूर्वक और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए पुलिस ने सभी तरह के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस आयुक्त केके राव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय सेक्टर 21सी में हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मीटिंग कर कई तरह महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

बैठक में फरीदाबाद पुलिस अधिकारियों के अलावा दिल्ली पुलिस के होमगार्ड के अधिकारी, पंजाब पुलिस के अधिकारी, आईआरबी और सीआरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने कई महत्वपूर्ण तथ्यों पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए कहा कि अक्सर देखने में आता है कि चुनाव के दौरान बाहरी व्यक्ति ज्यादा हस्तक्षेप करते हैं। इसलिए नाकों पर संदिग्ध बाहरी व्यक्तियों के आगमन पर रोक लगाई जाएगी। पुलिस किसी भी सूरत में चुनाव के दौरान अपराध सहन नहीं करेगी। चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले अपराधियों पर तुरंत प्रभाव से कार्यवाही कर उनको जेल भेजा जाएगा। चुनाव के दौरान बाउंसर एवं पहलवान किस्म के व्यक्ति माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को पुलिस बता देना चाहती है कि वह कानून को अपने हाथ में न लें, क्योंकि उनको जेल पहुंचाने के लिए कानून के हाथ लंबे हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान फरीदाबाद जिला के सभी बॉर्डर एरिया पर कड़ी नजर रहेगी। सभी बॉर्डर पॉइंट पर नाके लगाकर एंट्री व एग्जिट स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

विजय प्रताप की पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विजय प्रताप सिंह का पदयात्रा के दौरान टाउन में जगह-जगह अभूतपूर्व स्वागत किया गया। विजय प्रताप सिंह की शलीनता और शिष्टाचार के केवल लोग ही नहीं, बल्कि उनके विरोधी भी कायल हो गए, जब उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सीमा त्रिखा और आप के प्रत्याशी धर्मबीर भड़ाना से हाथ जोड़कर अपनी जीत का आशीर्वाद मांगा।

पदयात्रा में छत्तीस बिरादरी के लोगों ने विजय प्रताप सिंह को सिर आंखों पर बिठाया और जगह-जगह उनके स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया। विजय प्रताप ने बुर्जगों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद मांगा। बुर्जर्गों ने भी दिल खोलकर विजय प्रताप को अपने सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया। शहर में जगह-जगह उमड़े जनसमूह ने विजय प्रताप सिंह को आश्वासन दिया कि उन्हें विजयश्री के रथ पर बिठाकर विधानसभा में भेजेंगे। ताकि बडख़ल विधानसभा की कायाकल्प हो सके।

पदयात्रा की कमान स्वयं पूर्व महापौर अशोक अरोड़ा, पूर्व उपमहापौर बसंत विरमानी, पूर्व पार्षद योगेश ढींगड़ा, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष गुलशन बग्गा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनीशपाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मानकचंद भाटिया, पूर्व पार्षद राजेश भाटिया, बंसत खटक, अजय नौनिहाल, महेन्द्र कपूर, नरेश भाटिया, अश्विनी आजाद, चन्नू आजाद, डॉ. हेमराज ढींगड़ा, अरुण आनंद, बिट्टू, हर्ष विरमानी, रजत भैया, मनीष चड्ढा, श्याम बांगा, प्रीतपाल सिंह, अजय कपूर, नरेश चावला, राकेश कोहली, तेजवीर सिंह ढिल्लो, विक्की जैसवाल, उमेश पंडित, कमल गौतम, दिनेश माटा, मोहन ढींगड़ा, तनुज अरोड़ा, खेम बजाज, लवनीश कुन्दी, सुदर्शन, हरिन्द्र गुलाटी, यशपाल गुगलानी, करण, कुलदीप गुलाटी, इशांत कथूरिया, पार्षद राकेश भड़ाना एडवोकेट सहित बड़े बुर्जर्गों, युवाओं एवं व्यापारियों सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संभाली हुई थी। पदयात्रा कल्याण सिंह चौक से शुरू होकर गुरुद्वारा रोड, एनएच एक एवं दो, इंदिरा कॉलोनी, गंदा नाला चौक, लखानी धर्मशाला, एनएच दो हनुमान मंदिर, एनएच दो और तीन की चौकी, प्रयाग मेडिकल स्टोर, चिमनी बाई चौक, एनएच पांच, मित्तल कॉमपलैक्स, गुरुद्वारा 50 ब्लॉक, सलूजा पैट्रोल पम्प एवं बीके चौक पर समाप्त हुई।

विजय प्रताप ने कहा कि इस बार फिर से कांग्रेस सत्ता में वापिस आ रही है। भाजपाई घबराए हुए हैं, उन्हें अपनी हार का आभास हो चुका है। विजय प्रताप ने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने आम जनता के लिए 300 युनिट तक बिजली बिल माफ करने का फैसला लिया है। इसके अलावा किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा और मातृत्व अवकाश के नाम पर महिलाओं को 3 माह पूर्व तक मातृत्व भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर काम कर रही है और उन सभी युवाओं को जो बेरोजगार हैं एवं ग्रेज्युएट हैं 7000 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा कांग्रेस बुढापा पैंशन 5100 रुपए करने जा रही है।

सीमा त्रिखा और धर्मवीर भड़ाना से भी लिया आशीर्वाद

छत्तीस बिरादरियों ने दिया आशीर्वाद

चुनाव ड्यूटी के कर्मचारियों के मतदान की दो श्रेणियां बनाईं

फरीदाबाद। विधानसभा चुनावों में ड्यूटी पर तैनात रहने वाले सरकारी अधिकारी व कर्मचारी फॉर्म नंबर 12 प्राप्त करके अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

चुनाव आयोग की हिदायतों का उल्लेख करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अतुल कुमार ने बताया कि हरियाणा विधानसभा चुनावों में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए दो श्रेणियों में बांटा गया है। एक श्रेणी उन अधिकारियों व कर्मचारियों की है, जिनका वोट दूसरे जिले में पड़ने वाले विधानसभा क्षेत्र में बना हुआ है। दूसरी श्रेणी, ऐसे कर्मचारियों व अधिकारियों की है, जिनकी ड्यूटी उसी जिला में है, जिस जिला में उनका वोट बना हुआ है, परंतु वह वोट उस विधानसभा क्षेत्र में नहीं है, जहां उनकी ड्यूटी लगी हुई है, बल्कि जिला की दूसरी विधानसभा क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि जिन अधिकारियों व कर्मचारियों का वोट दूसरे जिले के विधानसभा क्षेत्र में है, वे जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से फार्म नंबर-12 में दी हुई जानकारी भरकर उस विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी के पास भेजेगे जहां पर अधिकारी या कर्मचारी का वोट बना हुआ है। फार्म नंबर-12 के साथ कर्मचारी को अपने विभागीय पहचान पत्र की प्रति संलग्न करनी होगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद उस अधिकारी अथवा कर्मचारी के पास रिटर्निंग अधिकारी द्वारा पोस्टल बैलेट पेपर डाक के माध्यम से भेजा जाएगा। वह अधिकारी अथवा कर्मचारी पोस्टल बैलेट पेपर पर अपनी पसंद अनुसार उम्मीदवार के नाम के सामने वाले चिन्ह पर रिटर्निंग अधिकारी से ऐरोक्रास मोहर लेकर लगा दें या वह अपने पैन से भी चुनाव चिन्ह पर टिक कर दें।

मरीज से पैसे लेकर ऑपरेशन करवाने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में एक सुरक्षाकर्मी पर ऑपरेशन जल्दी करवाने के लिए पैसे मांगने का आरोप लगा है। आरोप है कि मामला दबाने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने सुरक्षाकर्मी की ड्यूटी चैंज कर दी है। सुरक्षाकर्मी का कहना है कि उसकी ड्यूटी एक सर्जन ने इसलिए चेंज करवाई है कि उसने एक परेशान मरीज का दूसरे चिकित्सक से ऑपरेशन करवा दिया।

सूत्रों के मुताबिक बीके अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में शनिवार को तैनात सुरक्षाकर्मी पर मरीज से पैसे लेने का मामला सामने आया। अब सुरक्षाकर्मी की ड्यूटी वहां से हटा कर वार्ड में लगा दी गई है। सुरक्षाकर्मी से एक मरीज ने जल्दी ऑपरेशन करवाने की गुहार लगाई, तो सुरक्षाकर्मी ने डॉक्टर के नाम पर पैसे मांगने शुरू कर दिए। जब थियेटर में सर्जन को इसकी सूचना मिली, तो गार्ड के सुपरवाइजर को बुलाया गया। इस मामले को दबाते हुए कोई शिकायत नहीं हुई, लेकिन ऐसा दोबारा न हो इसके लिए गार्ड की ड्यूटी ऑपरेशन थियेटर से बदलकर सर्जरी वार्ड में लगा दी गई। कर्मचारियों के इंचार्ज किरण ने बताया कि सुरक्षाकर्मी के मुताबिक एक मरीज का डॉक्टर ऑपरेशन नहीं कर रहे थे, मरीज ने उससे बात की, तो उसने एक अन्य चिकित्सक से उसका ऑपरेशन करवा दिया। इसलिए पहले वाले चिकित्सक ने उसकी ड्यूटी बदलवा दी।

पुलिस की सूचना पर भी नहीं भरा सैंपल

फरीदाबाद। पुलिस ने एक बस से मिलावट के संदेह में दस कनस्तर खोया बरामद किया है। पुलिस ने खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण को सैंपल भरने के लिए सूचना दी, लेकिन प्राधिकरण की टीम मौके पर नहीं पहुंची। अब यह खोया पुलिस के लिए जी का जंजाल बन गया है। थाना शहर इलाके की बस स्टैंड चौकी को शनिवार सुबह सूचना मिली कि मिठाइयों में मिलावटी खोये का प्रयोग किया जाएगा। पुलिस ने बाहरी राज्यों से आने वाली बसों पर निगरानी शुरू कर दी। तभी एक बस से एक व्यक्ति दस कनस्तर लेकर उतरा। पुलिस टीम खोया मालिक और कनस्तरों को चौकी में ले आई।

वर्चुअल कोर्ट के बारे में लीगल वालंटियर को दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार व मोना सिंह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख व अध्यक्षता में न्यू विंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में एडवोकेट पैरा लीगल वालंटियर की एक बैठक हुई। इसमें लीगल एड की योजनाएं आम आदमी तक पहुंचाने पर विचार किया गया। इस प्रक्रिया में आ रही बाधाओं का समाधान निकाला गया। सचिव मोना सिंह ने वर्चुअल कोर्ट के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी दी।

मोना सिंह ने वर्चुअल कोर्ट की वेबसाइट के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जो ट्रैफिक चालान एक सितंबर, 2019 के बाद के हैं, उन पर नई दरों से जुर्माना वसूला जाएगा। जो ट्रैफिक चालान एक सितंबर 2019 से पहले के हैं।

उन पर एमवी एक्ट की पुरानी दरों से जुर्माना वसूला जाएगा। पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता ने एसिड अटैक विक्टिम 2016 के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी दी। इसके पैनल प्रोविजन, कंपनसेशन, वेरी हैबिलिटेशन के बारे में चल रही योजनाओं के बारे में बताया। एसिड अटैक विक्टिम एक दरखास्त साथ एफआईआर की कॉपी व मेडिकल लगाकर क्रिमिनल इंजरीज कंपनसेशन बोर्ड को देकर मुआवजा ले सकता है।

शहर में बढ़ रहे हैं ऑस्टियोपोरोसिस के मरीज

फरीदाबाद। क्यूआरजी हेल्थ सिटी हॉस्पिटल से ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के डायरेक्टर डॉ. युवराज कुमार ने कहा कि ओपीडी में रोजाना 15-20 मरीज ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त आ रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज 40 प्रतिशत लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें जिसमें 80 फीसदी तादाद महिलाओं की देखने को मिलती है। ऑस्टियोपोरोसिस अपंग बनाने वाली बीमारियों में से एक है और यह भारतीय महिलाओं में आधी से अधिक महिलाओं को प्रभावित करती है और उम्र बढ़ने के साथ उनके इस बीमारी की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की प्रत्येक तीन में से एक महिला और हर पांच में से एक पुरुष को ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका रहती है। एक अनुमान के अनुसार भारत में लगभग 3 करोड़ 60 लाख लोग ऑस्टियोपोरोसिस के शिकार हैं। नेशनल ऑस्टियोपोरोसिस फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल ऑस्टियोपोरोसिस नामक बीमारी करीब एक करोड़ लोगों को अपना शिकार बनाती है। 80 प्रतिशत स्पाइनल फ्रेक्चर की वजह ऑस्टियोपोरोसिस है। आधुनिक जीवन शैली के कारण हमारी दिनचर्या और खानपान की आदतों में इस प्रकार बदलाव आये हैं कि युवा भी तेजी से इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। शरीर में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित 50 प्रतिशत महिलाओं में विटामिन डी की कमी पाई जाती है। इस बीमारी में हड्डियां नाजुक एवं भंगुर बन जाती हैं।

PUBLIC NOTICE

This is for general information of public that **Mr. Rajinder Kumar Oberai,** S/o Late Shri Sohan Lal Oberai, **Present Address:-** WZ-22 Ram Garh Colony, Moti Nagar, Delhi-110015 & **Permanent Address:** A-80, Jigar Colony, Civil Lines, Moradabad, Uttar Pradesh-244001 who was earlier working with **M/s. Ascent Group of Companies** is absenting from the organization Since **Sep 2019** and now he is not associated with the Group, in any manner, whatsoever. Further he has no right and authority to deal with anybody or any organization, on behalf of the Group. Any individual, person, firm, company or its agents, nominees, successors dealing with **Mr. Rajinder Kumar Oberai** well do so at his/ one's its own risk and cost without fastening any liability whatsoever upon M/s. Ascent Group of Companies.

For M/s. Ascent Group of Companies
Authorized Signatory

PUBLIC NOTICE

I Sonia Singh alias Sonian Singh, D/o Shri Pal Singh, R/o F-318/1, Lado Sarai, Behind Punjab National Bank, New Delhi-110030, My Adhar No is 952074325356.
That My Name in the Educational Certificate of 10th, 12th and Enrollment Certificate of Bar Council of Delhi is Mentioned "Sonian Singh" and in the Graduation Certificate and LLB Degree, Adhar Card, PAN Card, Voter ID Card is Mentioned "Soina Singh".
That Sonia Singh and Sonian Singh is one and Same lady.

PUBLIC NOTICE

It is notified for the information that my Original Qualifying Examination Certificate of Main, Secondary Examination of Year 2014 and Roll No.: 8148241, Senior Secondary Examination of Year 2016 and Roll No.: 9146379 issued by CBSE has been actually lost. Name of the candidate **Iti Aggarwal**, Full Address: H. No.: 34, Road No.: 61, West Punjabi Bagh, Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi - 110026, Tel.: 9810288744

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Farhan S/o. Khalil-Ur-Rahman, Resident of K-102, 4th Floor, Back Side, Street No.5, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have changed my name as Farhan Rahman for all future purposes.

PD(8041)A

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि शिशुपाल आका शिशुपाल लवानी के नाम में पंजीकृत मेरिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय 5 अलेग्जेण्ड्रा कोर्ट, 60/1, चौरंगी रोड, कोलकाता-700020 के फोलियो नंबर 0002072 के तहत धारित विशिष्ट नंबर (नंबर्स) 4986501 - 4986700, 9939901 - 9940100 400 शेयर (शेयर्स) के वास्ते शेयर सर्टिफिकेट नंबर (नंबर्स) 36435-36436 तथा 45472-45473 खो गए हैं। मैंने, अब कम्पनी को उपरोक्त के स्थान पर डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट (सर्टिफिकेट्स) जारी करने हेतु आवेदन किया है। किसी भी व्यक्ति, जिसको उपरोक्तानुसार मूल शेयर सर्टिफिकेट (सर्टिफिकेट्स) के स्थान पर डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट (सर्टिफिकेट्स) जारी करने के संबंध में कोई भी आपत्ति है, से अपनी आपत्ति कम्पनी को उपरोक्त पते पर अथवा इसके रजिस्ट्रार्स सीबी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड, पी-22, बोन्डेल रोड, कोलकाता-700 019 को लिखित रूप में, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करने का अनुरोध है।

शेयरधारक का नाम एवं पता
शिशु पाल
22ए वृन्दावन गार्डन
साहिबाबाद गाजियाबाद

स्थान : साहिबाबाद गाजियाबाद
तिथि : 19-10-2019

THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri New Delhi - 110058
Phone : 011-25611041, 25611042, 25611043, 25611044
e-mail: leagal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com Website : www.kangrabank.com

APPENDIX IV
[See rule 8(1)]
POSSESSION NOTICE
(For immovable property)

Whereas,
The undersigned being the Authorised officer of "The Kangra Co- operative Bank Ltd.", Head office at,C-29,Community Centre, Pankha Road, JanakPuri, New Delhi - 110058, having its registered office at 1916, ChunaMandi, PaharGanj, New Delhi-110055, under the Securitisation and Reconstruction of the Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002, and in exercise of powers conferred under section 13(12) read with rule 9 of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, the Bank had issued a demand notice on dated: 14-01-2019, calling upon the borrower and mortgagor Sh. Gopal Singh S/o. Sh. Chuni Singh, R/o. H.No. RZ-421, Gali No.8, Lower Ground Floor on left Side, Tughlakabad Extn. New Delhi-110019, and calling upon the Mortgagor Smt. Jayshree W/o. Sh.Gopal Singh R/o. RZ-421, Gali No.8, Lower Ground Floor on left side, Tughlakabad Extn. New Delhi-110019, to repay the amount mentioned in the notice being Rs.15,40,527/- (Rupees Fifteen Lakhs Forty Thousand Five Hundred Twenty Seven only), together with further interest, penal interest and other charges as are applicable to this Loan account from time to time, from the date of the notice till the date of payment, with in 60 days from the date of receipt of the notice.
The above mentioned borrower/mortgagor/surety having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the Bank has taken possession of the property described here in below in exercise of powers conferred under section 13(4) of the said Act read with rule 9 of the said rules, on this 18THday of October'2019.
The borrower/mortgagor/surety in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the mortgaged property and any dealings with the property will be subject to the charge of **"The Kangra Co-operative Bank Ltd."**, for an amount of Rs.15,40,527/- together with further interest, penal interest and other charges as are applicable to this Loan account from time to time, from the date of notice till the date of realization together with all the costs incurred by the Bank in realizing the said amount.

DESCRIPTION OF THE PROPERTY

The property under consideration is built up Lower Ground Floor on Left Side, area measuring 75 sq. yds.	**All the part and parcel of the built up Lower Ground Floor on left side portion (entrance on parking side And without terrace rights), consisting of one hall Attached toilet/bathroom, measuring 62.70sq. mtrs. (75 sq.yds.) with rights of one common scooter parking at L.G.F.Right side portion, alongwith the Property No. RZ-421, Gali No.8, (old 58w), Tughlakabad Extn. Colony, New Delhi-110019.**

All the part and parcel of the built up Lower Ground Floor on left side portion (entrance on parking side And without terrace rights), consisting of one hall Attached toilet/bathroom, measuring 62.70sq. mtrs. (75 sq.yds.) with rights of one common scooter parking at L.G.F. Right side portion, alongwith the Property no. RZ-421, Gali No.8, (old 58w), Tughlakabad Extn. Colony, New Delhi-110019. Falling under the Registration of Sub-Registrar -V, New Delhi.

(HARISH SHARMA)
AUTHORISED OFFICER
THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
HEAD OFFICE AT, C-29, COMMUNITY CENTRE, PANKHA ROAD, JANAKPURI, NEW DELHI-58.

DELHI.
DATED: 18-10-2019.

जिले के खिलाड़ियों ने जीते 15 पदक

ये बच्चे तेलंगाना में होने वाली डीएवी स्कूल नेशनल गेम्स में खेलने जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली के मौसम विहार स्थित डीएवी स्कूल में 14 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली एनसीआर बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें बॉक्सिंग चैंपियनशिप में फरीदाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने जिले का नाम रोशन किया है। लड़कियों ने तीन स्वर्ण पदक तथा दो कांस्य पदक तथा लड़कों ने छह स्वर्ण पदक, दो रजत पदक तथा दो कांस्य पदक हासिल किए।

लड़कियों में 44 किग्रा भार वर्ग में सेक्टर-14 के डीएवी स्कूल की मेहक धरा ने स्वर्ण पदक, सेक्टर-37 के डीएवी स्कूल की प्रियंका चौधरी ने कांस्य पदक, 48 किग्रा में सेक्टर-14 डीएवी स्कूल की विनी रंगा ने स्वर्ण पदक, 50 किग्रा में एनटीपीसी की डीएवी तनीषा लांबा ने स्वर्ण पदक तथा 52 किग्रा में सेक्टर-14 के डीएवी स्कूल की तान्या ने कांस्य पदक, लड़कों में 48 किग्रा में सेक्टर-14 के डीएवी स्कूल के अंशुल सरोहा ने स्वर्ण पदक, 52 किग्रा में एनटीपीसी डीएवी स्कूल के करण सैन ने स्वर्ण पदक, सेक्टर-49 के डीएवी स्कूल के उत्कर्ष ने कांस्य पदक जीता। 60 किग्रा भार वर्ग में एनटीपीसी डीएवी स्कूल के गौतम भारद्वाज ने स्वर्ण पदक, 64 किग्रा में बल्लभगढ़ डीएवी स्कूलके हर्षित ने रजत पदक, 69 किग्रा में बल्लभगढ़ डीएवी स्कूल के दीपांशु ने स्वर्ण पदक, 70 किग्रा में बल्लभगढ़ डीएवी स्कूल के अंकित यादव ने स्वर्ण पदक, 81 किग्रा में पलवल डीएवी स्कूल के आकाश ने स्वर्ण पदक, 91 किग्रा में सेक्टर-37 डीएवी स्कूल के सौरांश ने कांस्य पदक पर कब्जा कर अपने जिले का नाम रोशन किया। यही बच्चे तेलंगाना में होने वाली डीएवी स्कूल नेशनल गेम्स में भाग लेंगे। इनका मार्गदर्शन अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर राजीव गोदारा ने किया है। ये सभी खिलाड़ी सेक्टर 10 केएल मेहता स्कूल में स्थित द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब में प्रैक्टिस करते हैं।

जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 43/5, बहलगढ़ रोड, सोनीपत -131021, फोन : 0130 - 2216666, फैक्स : 011-66173923
सीआईएन : एल24302एचआर1985पीएलसी022758य वेबसाइट : www.jaschindustries.com, ई-मेल : accounts@jasch.biz

30 सितम्बर, 2018 को समाप्त तिमाही हेतु पुनरीक्षित आईएनडी एएस वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(सूचीयन विनियमावली के विनियम 47(1)(ख) के अधीन पृथक्कृत एवं समेकित वित्तीय परिणाम)

(रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत						समेकित			
		तिमाही समाप्त			अर्द्ध वर्ष समाप्त		वर्ष समाप्त	तिमाही समाप्त		अर्द्ध वर्ष समाप्त	वर्ष समाप्त
		30.09.19	30.06.19	30.09.18	30.09.19	30.09.18	31.09.19	30.09.19	30.06.19	30.09.19	31.03.19
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	3117.23	3480.01	3983.00	6597.24	8001.22	15453.23	3117.23	3800.88	6918.11	17940.24
2	ब्याज, मूल्यह्रास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए)	59.79	386.26	357.55	446.05	710.42	1490.23	59.79	318.58	378.37	1620.65
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर तथा अपवाद मदों से पहले)	(74.25)	246.38	217.64	172.13	438.06	1046.63	(74.25)	148.19	73.96	1059.48
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों के बाद)	(74.25)	246.38	217.08	172.13	437.50	997.65	(74.25)	148.19	73.96	1010.51
5	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	(60.99)	184.79	156.53	123.80	315.63	785.17	(60.99)	86.60	25.63	797.95
6	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं]	(60.99)	184.79	156.53	123.80	315.63	785.17	(60.99)	86.60	25.63	797.95
7	इक्विटी शेयर पूंजी	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00
8	संचेय	4326.65	4387.64	3733.32	4326.65	3733.32	4202.85	4333.38	4494.28	4333.38	4366.71
9	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/- प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत :	(0.54)	1.63	1.38	1.09	2.79	6.93	(0.54)	0.76	0.23	7.04

नोट्स :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.jaschindustries.com पर भी उपलब्ध है।
2. तिमाही आधार पर वित्तीय आंकड़ों का समेकन के साथ संबंधित प्रावधान 30-06-2019 को समाप्त तिमाही से ही अनिवार्य हुए हैं। अतएव, पूर्व वर्ष की संगत तिमाही/अर्द्धवर्ष के तुलनात्मक आंकड़े अगले वर्ष ही उपलब्ध होंगे।
3. उपरोक्त परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और निदेशक मंडल द्वारा 19 अक्टूबर, 2019 को आयोजित उनकी संबंधित बैठकों में अनुमोदित किए गए हैं।

हस्ता./- (जे. के. गर्ग)
प्रबंध निदेशक

सोनीपत, 19 अक्टूबर, 2019

भारत में जैव विविधता संरक्षण आवश्यक

भारत को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेना है। उसे भावी पीढ़ियों के लिए अपनी जैव-विविधता व जर्मप्लाज्म का संरक्षण करना चाहिए अथवा अपनी विरासत को निगमों तथा विदेशी समझौतों के लिए बलिदान कर देना चाहिए?

इंद्र शेखर सिंह
(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं)

नवंबर में भारत को भोजन एवं कृषि हेतु पौधों के जेनेटिक संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय समझौते-आईटीपीजीआरएफए पर वार्ता में हिस्सा लेना है। इसकी आठवीं आम सभा की बैठक रोम में होगी। भारत का क्या दांव पर लगा है? भारत का सारा भविष्य इन वार्ताओं पर निर्धारित है क्योंकि इसका प्रभाव खाद्य व कृषि फसलों की जैव-विविधता व जर्मप्लाज्म पर पड़ेगा। प्रतिनिधियों के अपने शब्दों में, '2001 में मंजूर आईटीपीजीआरएफए एक वैश्विक प्रतिक्रिया है जिसमें जेनेटिक संसाधनों की सुरक्षा के साथ ही उनके प्रयोग के लाभों तक उचि व समतापूर्ण पहुंच के किसानों के अधिकार को भी सुरक्षा दी गई है।'

आईटीपीएफआरए तथा खाद्य एवं कृषि संगठन-एफएओ आंकड़ों के अनुसार भारत खाद्य एवं कृषि पौध जेनेटिक संसाधनों-पीजीएफआरए का सर्वोत्तम स्थल है जिनकी संख्या 7,25,117 है। संक्षेप में, इन वार्ताओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूसरी देशों की न्यूनतम संभव कीमत पर इन पीजीएफआरए तक पहुंच कैसे होगी। यह भी ध्यान देना चाहिए कि भारत जैव विविधता संरक्षण-सीबीडी व नगोया प्रोटोकाल का हस्ताक्षरकर्ता है जिनमें सारी जैव-विविधता पहले ही शामिल है। ये दोनों समझौते बायो-पाइरेसी से संरक्षण देने के साथ ही हमारे जैसे जैवविविधता व जर्मप्लाज्म से समृद्ध देशों को सुरक्षा देते हैं।

पहला मुद्दा स्विजरलैंड में चर्चा का विषय है जिसमें 'अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुच्छेद 3 के अनुसार खाद्य एवं कृषि संबंधी सभी पौध जेनेटिक संसाधनों के लिए बहुपक्षीय व्यवस्था-एमएलएस की बात कही गई है।' हमें गौर करना चाहिए कि स्विटजरलैंड ने ऐसे 39,953 नमूने संरक्षित किए हैं। भारत के पास दुनिया में सर्वाधिक 3,95,001 नमूने संरक्षित हैं तथा संधि होने पर हमें विधिक रूप से इनके बारे में सहयोग करना होगा। इस प्रकार हम सबसे बड़े दानदाता हो जाएंगे। लेकिन क्या यह आर्थिक रूप से ठीक तथा देश के हित में है? जलवायु संकट, ब्रेक्जिट तथा ट्रंपवाद को देखते हुए संभवतः यह विकल्प सबसे अच्छा नहीं होगा।

सभी अन्य पीजीआर को खाद्य एवं कृषि के क्षेत्र में लाने के स्विस प्रस्ताव के बाद भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के बारे में पहले सोचना चाहिए तथा केवल उन फसल प्रजातियों को इसमें शामिल करना चाहिए जो पीजीआर में पूर्व-निर्धारित तथा जनता के लिए सुलभ हैं। संधि के अनुच्छेद 1 में स्पष्ट रूप से उन फसल प्रजातियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जो एमएलएस में उपलब्ध नहीं हैं। वास्तव में भौगोलिक संकेतकों-जीआई वाली हमारी सभी वर्तमान व भावी फसलों को संधि से बाहर रखा जाना चाहिए। वर्तमान समय में चीन इस संधि का हिस्सा नहीं है और वह इसमें शामिल होने के लिए शर्तें लगा रहा है। हमारे पास विशाल पौध जेनेटिक संसाधन-पीजीआर आधार है तथा हमें बिना किसी लाभ इसे दूसरे देशों को नहीं सौंपना चाहिए। अमेरिका हाल ही में सालों से निजी क्षेत्र द्वारा डाले जा रहे दबाव के कारण इसका अध्यक्ष बना है। इसलिए इस संधि पर बड़े वैश्विक कृषि निगमों तथा भू-राजनीति का व्यापक प्रभाव है।

भारत ने अब तक इस मामले में कठोर दृष्टिकोण अपनाया है तथा केवल 26,530 नमूनों की पहुंच एमएलएस को दी है। लेकिन ऐसा करने वाले हम अकेले नहीं हैं। यूरोप के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित एक ठंडे व नम द्वीप ब्रिटेन के पास कुल 8,34,451 नमूने हैं जिनमें से उसने एमएलएस को केवल 44,069 नमूनों तक पहुंच की अनुमति दी है। सभी पीजीआर को संलग्नक 1 में शामिल करने के पहले भारत सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-आईसीएआर, राष्ट्रीय पौध जेनेटिक संसाधन ब्यूरो-एनबीपीजीआर को विश्लेषण करना चाहिए कि कितने पीजीआर तक भारतीय फर्मों की पहुंच एमएलएस के माध्यम से होगी और दूसरे देश इसमें कितना योगदान करेंगे। इस संबंध में एक नीतिगत पेपर प्रकाशित होना चाहिए ताकि नागरिकों को इसके लाभ का पता चल सके।

एनबीपीजीआर को एमएलएस के अंतर्गत भारतीय बीज कंपनियों को मिलने वाले आर्थिक, कृषि व सामाजिक लाभों की गणना भी करनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वार्ताओं में कोई अस्पष्टता या गोपनीयता न हो। हमें स्पष्ट योजना बनानी चाहिए कि हम अपने पीजीआर में कैसे योगदान कर सकते हैं तथा एमएलएस राष्ट्र निर्माण में कैसे सहयोग देगी। भारतीय संग्रह से पीजीआर की पहुंच वाली बहुराष्ट्रीय व विदेशी कंपनियों को राष्ट्रीय कानूनों के प्रति कठोर प्रतिबद्धता प्रकट करनी चाहिए। इनमें खासकर पौध प्रजातियों व किसानों के अधिकारों का संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण-सीबीडी, बीज कानून, बीज नियम व अन्य वर्तमान कानून शामिल हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा होगी जिसमें भारतीय किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली कपास से मैंचेस्टर की मिलें कपड़ा बनाएंगी। इससे भारतीयों को अपनी कपास 400 प्रतिशत अधिक दामों पर खरीदनी होगी। यह माडल बीजों पर भी लागू होगा। ऐसी स्थिति में जहां कुछ देश बीजों पर पेटेंट की अनुमति देते हैं वहां हमारे जर्मप्लाज्म को विदेशी उत्पाद के रूप में पेटेंट कराया जा सकेगा। इसके बाद यही बीज भारतीय किसानों को बेचे जाएंगे। हमें इस मुद्दे पर सावधानी से विचार कर सुनिश्चित करना होगा कि हमारे सारे जर्मप्लाज्म पर भारतीय कानून लागू हों।

पौधों की नई प्रजातियों के संरक्षण पर इंटरनेशनल यूनियन-उपोव सम्मेलन प्रस्ताव इस संधि के माध्यम से लागू होने के प्रयास हो रहे हैं। भारत को आईटीपीजीएफआरए में किसानों के अधिकारों की पैरवी करनी चाहिए। यह उन अधिकारों के संदर्भ में होनी चाहिए जो उनको पौध प्रजातियों के संरक्षण व किसान अधिकार कानून, 2001 में दिए गए हैं। किसानों व ब्रीडरों के अधिकारों के साथ किसी समझौते को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, खासकर इसलिए कि हम उपोव समझौते के हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। भारत को एमएलएस के विस्तार के इस प्रकार प्रयास करने चाहिए ताकि पीजीआर-समृद्ध देशों को उपयुक्त लाभ मिले क्योंकि उन्होंने जर्मप्लाज्म का संरक्षण किया है। इसके लिए भारत तथा अन्य पीजीआर-समृद्ध देशों में क्षमता-निर्माण, विकास तथा शोध एवं विकास-आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। हम प्रस्ताव कर सकते हैं कि इस संधि के अंतर्गत वित्त-प्रायोजित परियोजना से हर प्रदेश को एक्स-सीटू व इन-सीटू पीजीआर संरक्षण की सुविधायें मिलेंगी।

एफएओ ट्रस्ट फंड में महत्वपूर्ण मुद्दा लाभ साझा करना है। भारत को पहले इस फंड की बोर्ड समिति के सामने प्रस्ताव कर सुनिश्चित करना चाहिए कि पीजीआर दानदाता देशों का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह पीजीआर संसाधनों की उपलब्धता व उसमें योगदान पर आधारित हो सकता है। संरक्षण व आरएंडडी की योजना पीजीआर दान के अनुरूप होनी चाहिए। भारत सरकार व एनबीपीजीआर को विश्लेषण करना चाहिए कि पिछले सात या आठ सालों में पीजीआर गतिविधियों की कितनी परियोजनाओं को दूसरे देशों की तुलना में आईटीजीआरएफआरए ट्रस्ट फंड से सहायता मिली है। हमें इस तथ्य पर जोर देना चाहिए कि पीजीआर के वाणिज्यिकरण से होने वाले आर्थिक लाभ सीधे पीजीआर दानदाता देश को मिलें। इसके साथ ही पीजीआर का प्रयोग कर विकसित उत्पाद भी दानदाता देश, खासकर किसानों को तुलनातमक रूप से सस्ते दामों में उपलब्ध होने चाहिए। भारत में सार्वजनिक संस्थानों जैसे आईसीएआर व छोटी तथा मझोली कंपनियों को रियायतें मिलनी चाहिए।

रोम की बैठक में पीजीआर के गैर-भौतिक प्रयोग पर भी चर्चा होगी। जीन एडिटिंग व डिजिटल सीक्वेंस इन्फार्मेशन-डीएसआई जैसी तकनीकी प्रगति से नई किस्में विकसित करने के लिए भौतिक पौध सामग्री की आवश्यकता समाप्त हो सकती है। इसके लिए जीन सीक्वेंस काफी होगा। हालांकि, दुनिया के अन्य देश तथा सीबीडी जैसे संगठन इस दिशा में विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं, भारत को समर्थन करना चाहिए कि डीएसआई व अन्य भावी तकनीकों-सीआरआईएसपीआर को लाभ साझा योजनाओं में शामिल किया जाए ताकि पीजीआर संरक्षण में हमारे प्रयास पीछे न छूट जाएं।

लेकिन शायद सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत वास्तव में किसके साथ बात कर रहा है? क्या ये विकसित देश हैं या देशों के मुखौटे के पीछे छिपे बड़े बहुराष्ट्रीय कृषि निगम हैं? ऐसे निगम आज भारत समेत हर देश में मौजूद हैं और परोक्ष रूप से पीजीआर तक पहुंच बढ़ाने की पैरवी कर रहे हैं। वास्तव में अपने भारतीय सहयोगियों के साथ वे सरकार से आईटीपीजीआरएफए के प्रति नरम दृष्टिकोण अपनाने की अपील कर रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसका कारण यह है कि भारत जैसे देशों ने पीजीआर पर अपना संप्रभु अधिकार प्रकट करते हुए विदेशी बहुराष्ट्रीय निगमों पर जैव विविधता कानून के अंतर्गत भारतीय जैव-विविधता तक पहुंच पर अनेक नियंत्रण लगाए हैं। यदि स्विस प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है तो भारतीय विधि-निर्माताओं को पीछे छोड़ कर पीजीआर के लिए उनके सारे दरवाजे अबाध खुल जाएंगे और इसके लिए वे मुनाफों का मामूली हिस्सा देंगे।

एक बार भारतीय पीजीआर उपलब्ध हो जाने के बाद वे दुनिया के किसी भी हिस्से में बांग्लादेश जैसे देशों में खुली 'क्लाथ स्वीट शाप' की तरह 'सीड स्वीट शाप' खोल देंगे। इनकी डिजाइन चाहे यूरोपीय हो या अमेरिकन, कच्चा माल भारतीय होगा ओर बांग्लादेश में कुछ पैसे प्रति घंटे खर्च पर निर्मित कपड़े बूटिक दूकानों में हजारों डालरों में बेचे जाएंगे। बीजों के व्यापक उत्पादन के लिए सबसे सस्ती श्रम लागत वाले देशों को तलाशा जाएगा और उत्पादों को ज्यादा कीमत देने में सक्षम देशों में भेजा जाएगा। इस स्थिति में बीजों और जैव-विविधता का संरक्षण करने वाले भारतीय किसानों और महिलाओं को अलग-थलग छोड़ कर बड़ी कृषि कंपनियां विकसित देशों में जैव-विविधता का वाणिज्यीकरण करेंगी।

जलवायु परिवर्तन के खतरे को देखते हुए हम केवल विदेशी समझौतों में शामिल होने के लिए अपने पीजीआर की भयानक लूट की अनुमति नहीं दे सकते हैं। हमें चीन से सबक लेते हुए जीववैज्ञानिक विरासत के प्रति ज्यादा कठोर व राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

शी जिनपिंग की नेपाल यात्रा के निहितार्थ

नेपाल व चीन के बीच बढ़ते संबंधों के बावजूद इनकी तुलना भारत से उसके सदियों पुराने संबंधों से नहीं की जा सकती, लेकिन वैश्विक समुदाय को दिया संदेश हमारे पक्ष में नहीं है।

ऋषि गुप्ता
लेखक जेएनयू में शोधकर्ता हैं।

भारत में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अनौपचारिक सम्मेलन के फौरन बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दो दिवसीय नेपाल यात्रा हुई। इससे स्पष्ट है कि चीन नेपाल को कितनी प्राथमिकता देता है। इस यात्रा पर नई दिल्ली की भी गहरी नज़र थी, क्योंकि 1996 में जियांग जेमिन की काठमांडू यात्रा के 23 साल बाद यह किसी चीनी राष्ट्रपति की नेपाल यात्रा थी।

भारत व चीन के बीच स्थित नेपाल सामरिक रूप से पिछले साठ वर्षों से दोनों बड़े पड़ोसियों के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, नई दिल्ली व बीजिंग का उससे संवाद अलग-अलग है। भौगोलिक रूप से नेपाल भारत के लिए किसी आक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने का माध्यम रहा है जो संभवतः उत्तर की ओर से हो सकता था। 1950 में, तिब्बत पर चीन के भयंकर आक्रमण के समय आशंका थी कि चीन नेपाल पर भी हमला करेगा। लेकिन, भारत ने जोर दिया था कि नेपाल के खिलाफ कोई आक्रमण वह अपने ऊपर हमला मानेगा। तिब्बत के चीनी शिकंजे में फंसने के बाद नेपाल ने शाही नेपाली सेना के प्रशिक्षण तथा हथियारों व गोला बारूद के लिए भारत से संपर्क किया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच औपचारिक रक्षा संबंध नहीं थे पर भारत-नेपाल को अनौपचारिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता था। 1950 में हस्ताक्षरित शांति एवं मित्रता संधि में इसका स्थान था।

तिब्बत प्रकरण से पहले दो शताब्दी से नेपाल में शासन कर रहे शाह परिवार को राणा प्रधानमंत्री के नियंत्रण से खतरा था। जिसके फलस्वरूप राजा पृथ्वी नारायण शाह भारत भाग आए थे और उन्होंने मदद की गुहार लगाई थी। भारत की मदद से नेपाल में नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित हुई थी। हालांकि, भारत शाह वंश को सत्ता में स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा चुका था, पर उसने नेपाल की संप्रभुता का सम्मान सुनिश्चित किया। इससे दोनों देशों के बीच विशेष संबंध स्थापित हुए।

दूसरी ओर, तिब्बत में आने के बाद पहले दिन से चीन नेपाल में अपना राजनीतिक व रणनीतिक समर्थन बनाने का प्रयास कर रहा था। जहां पृथ्वी शाह को चीनी इरादों से चिंता थी वहीं उनके वंशज राजा महेंद्र ने नेपाल के राजनयिक संबंधों में परिवर्तन प्रारम्भ करते हुए 1955 में चीन के साथ औपचारिक संबंध स्थापित किए। राजा महेंद्र के निधन के बाद उनके बेटे वीरेंद्र ने भी भारत के साथ नेपाल के समीकरण बदलने के प्रयास किए। चीन की सलाह पर भारत के साथ शांति व मित्रता संधि की समीक्षा पर चर्चा प्रारम्भ हुई। वीरेंद्र ने वैश्विक नेताओं को आमंत्रित कर नेपाल को शांति क्षेत्र घोषित करा दिया। हालांकि, 50 से अधिक देशों ने इसे स्वीकार किया, पर भारत ने शांति क्षेत्र स्वीकार करने से इनकार करते हुए 1950 की संधि का उल्लेख किया। शांति क्षेत्र स्वीकार करने से खासकर उत्तर में भारत की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था। 15 वर्ष से अधिक समय तक भारत को अपने साथ लाने का प्रयास करने के बाद अंततः वीरेंद्र ने यह योजना छोड़ दी। 1988 में, चीन ने नेपाल को हथियार आपूर्त किए जो भारत के सुरक्षा सरोकारों का पूर्ण उल्लंघन था तथा यह 1950 की संधि भावना के भी खिलाफ था। उस समय भारत-नेपाल संबंध 1995 से 1990 के बीच सबसे निचले स्तर पर थे। चीनी नेताओं ने काठमांडू व नई दिल्ली के बीच विशेष संबंधों को हाशिए पर धकेलने के प्रयास प्रारम्भ किए थे।

शीत युद्ध युग समाप्त होने के बाद भारत में व्यापक आर्थिक सुधार हुए तथा एक व्यापक क्षेत्रीय आर्थिक एकजुटता प्रारम्भ हुई। 1985 में दक्षेस की स्थापना के बाद भारत ने क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों पर जोर दिया। इसकी अभिव्यक्ति गुजराल सिद्धांत से सामने आई जो पड़ोसियों के साथ बिना शर्त सहयोग पर आधारित थी और समान व्यवहार की उम्मीद नहीं की गई थी। यह सिद्धांत भारत द्वारा अपने पड़ोसियों के पगति काफी महत्वपूर्ण परिवर्तन था जिसे वर्तमान सरकार 'पड़ोसी प्रथम' की नीति से आगे बढ़ा रही है। भारत-नेपाल के बीच गहरे संबंध, निकटस्थ सांस्कृतिक धार्मिक, दोनों देशों की जनता के बीच संबंध, लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान तथा एक दूसरे पर अनाक्रमण पर आधारित हैं। लेकिन, पिछले 30 वर्षों से नेपाल में राजनीतिक घटनाक्रम से शासन में अस्थिरता रही है। 1990 के दशक में नेपाल में पहली लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रारम्भ होने के बाद जनता की ज्यादा सहभागिता के रास्ते खुले थे। लेकिन, 1994 से 2006 के बीच माओवादी उग्रवाद ने देश को गंभीर राजनीतिक अस्थिरता में धकेल दिया। 2008 में, नेपाल एक लोकतांत्रिक देश बना तथा राजशाही व्यवस्था पूर्णतः समाप्त कर दी गई। भारत उन देशों में से एक था जिन्होंने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन, पिछले पांच वर्षों में हुई घटनाओं ने नेपाल में भारत की छवि खराब की है। हालांकि, 2015 में नेपाल में भूकंप आने पर सहायता करने वालों में भारत पहला देश था पर उसी वर्ष भारत-नेपाल सीमा पर हुई नाकाबंदी ने आपातकालीन आपूर्ति प्रभावित की। इससे वहां सोशल मीडिया पर 'गो बैक इंडिया' नाम से भारत विरोधी आंदोलन शुरू हुआ।

काठमांडू ने भारत पर ये आरोप भी लगाए कि वह नए संविधान के क्रियान्वयन में विलंब का कारण है। संविधान सभा में संविधान का प्रारूप पेश होने के बाद नेपाल के दक्षिणी भाग में रहने वाले मधेसियों ने सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन प्रारम्भ कर दिया। उनका आरोप था कि उनको कम प्रतिनिधित्व दिया गया है, एवं उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया है। मधेसी आंदोलन के कारण बिहार व उत्तर प्रदेश में विस्थापन का खतरा देखते हुए भारत ने तत्कालीन विदेश सचिव एस जयशंकर को नेपाल भेजा और काठमांडू के सामने भारत के सुरक्षा सरोकार रखे गए। लेकिन, नेपाल की जनता ने इसे ठीक नहीं समझा। इसके बाद से ही काठमांडू भारत के साथ विशेष संबंधों के बजाए चीन के साथ नए संबंधों पर जोर दे रहा है। बेल्ट एंड रोड पहल में सहभागिता तथा चीनी व नेपाली सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास इसके नवीनतम उदाहरण हैं। नेपाल व चीन के बीच बढ़ते संबंधों के बावजूद इनकी तुलना भारत से उसके सदियों पुराने संबंधों से नहीं की जा सकती, लेकिन वैश्विक समुदाय को दिया संदेश हमारे पक्ष में नहीं है। नई दिल्ली को इस संबंध में सतर्क रहना चाहिए। दूसरी ओर, नेपाल में चीन का हस्तक्षेप रणनीतिक लाभ पाने के लिए हैं। अतः वो काठमांडू के साथ भारत के संबंध खराब करने का प्रयास कर रहा है। स्पष्ट रूप से, चीन के ये कृत्य नेपाल में अपनी स्थिति मजबूत करने तथा भारत समेत अन्य दक्षिण एशियाई देशों पर नजर रखने का इरादा है।

ऐसा करने के लिए उसने भारत-नेपाल संबंधों में गिरावट का लाभ उठाया है। नेपाल को 1987 में एक मिलियन डॉलर सैन्य सहायता के साथ 2005 में उसने राजा ज्ञानेंद्र को ट्रकों हथियार आपूर्त किए थे, ताक पूर्ण लोकतंत्र के लिए जनता की मांग को कुचला जा सके।

वर्तमान समय में, 60 अरब डॉलर की कथित नवोपनिवेशवादी बीआरआई की वैश्विक आलोचना के बावजूद चीन उसकी सफलता के लिए इस क्षेत्र में प्रयासरत है। भारत व भूटान के अलाव अन्य सभी दक्षिण एशियाई देश बीआरआई में शामिल हो गए हैं। भारत ने पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि चीन-पाक आर्थिक गलियारा उसकी संप्रभुता का पूर्ण उल्लंघन है क्योंकि यह पाकिस्तान के विवादित क्षेत्रों से गुजरता है। इसलिए भारत इस पहल का हिस्सा नहीं बन सकता। नेपाल में काठमांडू को तिब्बत से जोड़ने वाले पराहिमालयन गलियारे के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है जिस पर पिछले दो साल से चर्चा हो रही है। लेकिन दोनों देशों के बीच ऊंचे पहाड़ों को देखते हुए इस परियोजना का क्रियान्वयन नेपाली अर्थव्यवस्था की परीक्षा होगी। नेपाली नेतृत्व को अपनी धरती पर चीनी योजनाओं पर सावधानी से ध्यान देना चाहिए तथा उनकी वैधता तथा देश की जनता की भावनाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसका कारण यह है कि चीन की सहायता एक अनुदान के बजाए कर्ज का फंदा सिद्ध होती है। इस रणनीति का प्रमुख उदाहरण श्रीलंका का चीनी मदद से बना हंबनटोटा बंदरगाह है। श्रीलंका द्वारा कर्ज अदा न करने के कारण यह बंदरगाह अब चीनी नियंत्रण में हैं और बीजिंग वहां निर्माण कार्य जारी रखे हुए है। शी जिनपिंग की हालिया नेपाल यात्रा एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है, जब वो वहां बीआरआई व अन्य रणनीतिक हितों की सफलता हेतु प्रयासरत हैं। इसलिए, नेपाल को अपनी महत्वाकांक्षाओं तथा जनता के कल्याण को प्रमुखता देते हुए व्यक्तियों व राजनीतिक दलों के हितों को महत्व नहीं देना चाहिए। उस पर क्षेत्रीय संतुलन व सदभावना सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी है।

पूरी दुनिया में है आर्थिक नरमीः जावडेकर

एजेंसी। मुंबई

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कहा कि पूरी दुनिया में आर्थिक सुस्ती का दौर है फिर भी भारत सबसे तेजी से वृद्धि कर रही अर्थव्यवस्था है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले जावड़ेकर ने कहा कि विपक्ष के पास मुद्दों का अभाव है और वह हताश है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 21 अक्टूबर को मतदान होना है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग गठबंधन महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में 222 पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के कई उम्मीदवारों ने हार मान ली है, चुनाव प्रचार और पैसे खर्च करने बंद कर दिए हैं।

आर्थिक नरमी के बीच भाजपा का चुनाव अभियान राष्ट्रवाद के मुद्दे पर केंद्रित होने के सवाल पर जावड़ेकर ने

● कहा- भारत फिर भी सबसे तेजी से वृद्धि करती अर्थव्यवस्था

कहा कि दुनिया भर में आर्थिक सुस्ती का माहौल है। उन्होंने कहा, चीन की आर्थिक वृद्धि दर 11 प्रतिशत से गिरकर 6 प्रतिशत पर आ गई है। इसी तरह का माहौल यूरोप और अमेरिका में भी है। भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि करती अर्थव्यवस्था है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश में बैंक बंद नहीं हुए हैं और जमाकर्ताओं को चिंता नहीं करनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रोजगार लगातार बढ़ रहे हैं ... हां , विनिर्माण और निर्यात क्षेत्रों में कुछ समस्याएं थीं। कुछ क्षेत्रों में दिक्कतें सतह पर आ गई थीं लेकिन तुरंत उपाय किए गए। यह फैसला लेने वाली सरकार है न कि बेकार बैठने वाली सरकार है। पूर्व

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान पर उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले सात सालों में औसतन 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर दर्ज की है। उन्होंने कहाकि यह पिछले पांच साल की उपलब्धि है। कांग्रेस की यह सोच हो सकती है कि आप अगले साल अच्छा प्रदर्शन नहीं करेंगे क्योंकि अभी आपने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है , हम ऐसा नहीं सोचते हैं। हम मनमोहन सिंह से सहमत नहीं हैं। मनमोहन सिंह ने हाल ही में कहा था कि मौजूदा हालात को देखते हुए 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना असंभव लगता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन निराशाजनक था। उन्होंने कहा कि सिंह प्रधानमंत्री के रूप इतने प्रभावी साबित नहीं हुए जितने वित्त मंत्री के रूप में थे। बेरोजगारी को लेकर राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के आंकड़ों पर कहा कि एनएसएसओ सभी रोजगारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उदाहरण के लिए, कोई समाचार पत्र की आपूर्ति (बेचता) करता है , क्या वह ईमानदारी से कमाई नहीं कर रहा है? क्या यह नौकरी नहीं है ? लेकिन यह शामिल नहीं है ... मैं एनएसएसओ की रिपोर्ट को खारिज नहीं कर रहा हूं , लेकिन आपको सीमाओं और सुधार की आवश्यकता के बारे में बता रहा हूं। जावड़ेकर ने कहा कि किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले कारकों में पानी की आपूर्ति भी शामिल थी और महाराष्ट्र सरकार ने कई सिंचाई कार्य शुरू किए हैं , इसके विपरीत पिछले कांग्रेस - राकांपा कार्यकाल में 70,000 करोड़ रुपए डकार लिए गए, लेकिन कोई काम नहीं किया गया।

व्यापार युद्ध का पूंजी, वस्तुओं के प्रवाह पर पड़ेगा असरः निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि व्यापार युद्ध तथा संरक्षणवाद से अनिश्चितताएं पैदा हुई हैं और अंततः इसका असर पूंजी के प्रवाह और वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार पर पड़ेगा। वित्त मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सीतारमण ने विश्वबैंक और मुद्राकोष की वाशिंगटन में सालाना बैठक में कहा कि इस समय दुनियाभर में चल रही आर्थिक नरमी के पास से निपटने के लिए सम्मिलित कदम उठाने और वैश्विक वृद्धि के लिए बहुपक्षवाद की भावना को जगाने की जरूरत है।

मुंबई में महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव के दौरान बीजेपी उम्मीदवार अरुण सिंह कुमार के साथ उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ

हर नागरिक को सरकारी नौकरी नहीं दे सकते

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा कि यदि भगवान भी राज्य में शासन के लिए आ जाएं तो भी वह प्रत्एक नागरिक को सरकारी क्षेत्र में नौकरी नहीं दे सकेंगे। सावंत ने राज्य द्वारा आयोजित रोजगार मेले के उद्घाटन में कहा कि सरकार पांच से छह हजार लोगों को सरकारी विभागों में रख सकती है। उन्होंने कहा, यदि कल भगवान आ जाएं और राज्य में शासन करें तो भी वह लोगों को 100 प्रतिशत सरकारी नौकरी नहीं दे पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे पास कई लोग सरकारी नौकरी के लिए आते हैं। यद्यपि प्रत्एक नागरिक को सरकारी क्षेत्र में समायोजित करना असंभव है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सरकारी क्षेत्र में 55 से 60 हजार कर्मचारी स्थाई तौर पर कार्यरत हैं जबकि 10 हजार संविदा या अंशकालिक कर्मचारी हैं।उन्होंने कहा कि सरकार ने गोवा कर्मचारी चयन आयोग विधेयक पहले ही पारित कर दिया है जिसके तहत सरकारी विभागों के लिए लोगों की भर्ती करने के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। इस बीच सावंत ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि समय से कार्यालय आएं नहीं तो उनके खिलाफ कार्वाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि उन सभी कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाएं जो नियमित तौर पर ड्यूटी पर देर से आते हैं और अपने कार्य के प्रति समर्पित नहीं हैं।

प्रधानमंत्री जनता से बोलें कि कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किएः कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अनुच्छेद 370 के मुद्दे का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री को जनता के समक्ष यह भी बोलना चाहिए कि उसकी सरकार ने 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े किए थे। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, चुनाव आते ही मोदी जी और अमित शाह जी असली मुद्दों को भूल जाते हैं और कभी एनआरसी की बात करते हैं तो कभी अनुच्छेद 370 की बात करते हैं। अनुच्छेद 370 से लोगों का पेट तो नहीं भरेगा, लोगों को रोजगार तो नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में अनुच्छेद 370 की बात करते हैं। अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर हमारा आंतरिक मामला रहा है, लेकिन जनता को उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कांग्रेस की सरकार में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए। मुझे पता है कि वह यह नहीं बोलेंगे क्योंकि उनमें यह कहने की हिम्मत ही नहीं है। अर्थव्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए सिब्बल ने कहा, आईएमएफ, विश्व बैंक और दूसरी संस्थाएं कह रही हैं कि भारत में मंदी है लेकिन सरकार मानने को तैयार नहीं है। पीयूष गोयल कहते हैं कि अभिजीत बनर्जी वाम की ओर झुकाव रखते हैं।उन्होंने सवाल किया क्या आईएमएफ और विश्व बैंक भी वाम की ओर झुकाव रखते हैं? क्या सुब्रमण्यम स्वामी भी वाम की ओर झुकाव रखते हैं?

पंजाब एवं महाराष्ट्र सहकारी (पीएमसी) बैंक मामले का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि बैंक में खाताधारकों को उनका पैसा नहीं मिल रहा है। कुछ लोगों की मौत भी हो गई। हमारा कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी इस मामले में प्राइम मिनिस्टर कमिटमेंट (पीएमसी) दिखाएं और यह कहें कि सभी का पैसा वापस मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि इस बैंक के 12 निदेशकों का सम्बंध भाजपा से है और यही वजह है कि उनके खिलाफ कार्वाई नहीं हो रही। अगर कोई कांग्रेस का होता तो उसके पास सीबीआई भेज दी गई होती। सिब्बल ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और हरियाणा में बेरोजगारी बढ़ी है और किसानों की हालत पहले से ज्यादा खराब हो गई है, लेकिन भाजपा इन पर बात करने से बच रही है।उन्होंने कुछ आंकड़े पेश करते हुए यह दावा भी किया कि मानव विकास सूचकांक और रोजगार की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर की स्थिति कई भाजपा शासित राज्यों से बेहतर है।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने गिरफ्तार कांग्रेस नेता के परिवार से भेंट की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस के नेता समान्य बंदोपाध्याय के प्रति एकजुटता प्रकट की और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में आतंक का राज चलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता को पश्चिम बंगाल सरकार के बारे में आलोचनात्मक पोस्ट प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बंदोपाध्याय के परिवारवालों से मुलाकात की और जरूरत पड़ने पर उनकी मदद का आश्वासन दिया।पश्चिम बंगाल कांग्रेस इकाई के प्रवक्ता बंदोपाध्याय को पुरूलिया जिला पुलिस ने उत्तर 24 परगना जिले में उनके घर से बृहस्पतिवार शाम में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना वाले सोशल मीडिया पोस्ट को प्रसारित किया। उन्हें अदालत के सामने पेश किया गया जहां से उन्हें शुक्रवार को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। भाजपा के प्रदेश महासचिव जयप्रकाश मजूमदार ने कहा, यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है कि महज राज्य सरकार की आलोचना के कारण एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसी चीजें आपातकाल के समय होती थी। ऐसा लगता है कि बंगाल में अघोषित आपातकाल है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने गिरफ्तारी के लिए शुक्रवार को राज्य सरकार की आलोचना की थी। आलोचना पर प्रतिक्रिया जताते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने कहा, बंदोपाध्याय को गिरफ्तार किया गया क्योंकि उनके खिलाफ कई आपराधिक आरोप हैं। राज्य सरकार की आलोचना से इसका कोई लेना देना नहीं है।

श्रीनगर के कुछ हिस्सों से पाबंदियां हटाई गईं

एजेंसी। श्रीनगर

● 76वें दिन भी सामान्य जनजीवन प्रभावित

जुमे की नमाज के कारण श्रीनगर के कुछ हिस्सों में लगाई गई पाबंदी शनिवार को हटा ली गई लेकिन अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद 76वें दिन भी घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा।

अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीसी की धारा 144 के तहत सौरा थाना अंतर्गत अंचार इलाके में और नौहट्टा थाना अंतर्गत ऐतिहासिक जामा मस्जिद के आसपास शुक्रवार की सुबह बंदिशें लगाई गई थीं। जुमे की नमाज के बाद लोगों के एकत्रित होने की स्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐहतियात के तौर पर बंदिशें लगाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि शहर के विभिन्न भागों में लगाई गई पाबंदियां खत्म कर दी गई हैं। प्रशासन ने इस आशंका के चलते शुक्रवार को घाटी के संवेदनशील इलाकों में पाबंदियां लगाई थी कि निहित स्वार्थ वाले लोग बड़ी मस्जिदों और धार्मिक स्थलों पर एकत्र लोगों को भड़का सकते हैं और इससे विरोध प्रदर्शन हो सकता है। दो महीने से कश्मीर के पुराने शहर क्षेत्र में स्थित जामा मस्जिद में शुक्रवार की नमाज नहीं पढ़ी जा रही है। बहरहाल, अधिकारियों ने बताया कि समूची घाटी में जनजीवन प्रभावित है। शहर के लाल चौक सहित कुछ इलाके में सुबह में दुकानें खुलीं लेकिन मुख्य बाजार और अन्य कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर में और कश्मीर में दूसरी जगहों पर निजी परिवहन पर कोई असर नहीं पड़ा। घाटी के कुछ इलाके में अंतर जिला कैब और तिपहिया गाड़ियां भी नजर आईं।

हालांकि, सार्वजनिक परिवहन के अन्य माध्यम सड़क से नदारद रहे। स्कूल और कॉलेज खुले लेकिन छात्र नहीं आए क्योंकि सुरक्षा की चिंता में उनके अभिभावकों ने उन्हें घरों से बाहर नहीं निकलने दिया। इस सप्ताह की शुरूआत में कश्मीर में मोबाइल सेवा बहाल हुई थी, लेकिन एसएमएस सेवा इस आशंका से रोक दी गई थी कि इसका दुरूपयोग किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी जारी है।

रायगढ़ में महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में अपने प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में रायगढ़ की अधिकतर सीटों पर कड़ा मुकाबला

एजेंसी। अलीबाग

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले को शेतकरी कामगार पक्ष(पीडब्लूपी) का गढ़ माना जाता है। राज्य में सोमवार को होने वाले विधानसभा चुनाव में रायगढ़ की सात में से छह सीटों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। जिले में सात विधानसभा क्षेत्र हैं - पनवेल, अलीबाग, उरण, कर्जत, पेण, महाड और श्रीवर्धन। पनवेल में चुनावी मुकाबला वर्तमान भाजपा विधायक प्रशांत ठाकुर के पक्ष में झुकने के आसार हैं। ठाकुर नगरीय एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के अध्यक्ष हैं। दो बार विधायक रहे ठाकुर के खिलाफ पीडब्लूपी के उम्मीदवार हरेश केणी खड़े हैं जिन्हे कांग्रेस और राकांपा का समर्थन हासिल है। उरन में वर्तमान शिवसेना विधायक मनोहर भोयर को पूर्व विधायक और पीडब्लूपी के उम्मीदवार विवेकानंद पाटिल से कड़ी टक्कर मिल रही है। भाजपा के बागी महेश बालदी भी मैदान में हैं। कर्जत में वर्तमान राकांपा विधायक सुरेश लाड और शिवसेना प्रत्याशी महेंद्र थोरावे के बीच मुख्य मुकाबला है जबकि पेण में पीडब्लूपी के वर्तमान विधायक धैर्यशील पाटिल को हाल ही में भाजपा का दामन थामने वाले रविशेठ पाटिल से कड़ी टक्कर मिल रही है जो पहले कांग्रेस के मंत्री रह चुके हैं। पर्यटकों के लिए तटीय आकर्षण के रूप में मशहूर अलीबाग में पीडब्लूपी के विधायक सुभाष पाटिल और शिवसेना के उम्मीदवार महेंद्र दलवी के बीच कड़ी टक्कर है। श्रीवर्धन विधानसभा क्षेत्र में राकांपा ने अदिति तटकरे को मैदान में उतारा है। पूर्व मंत्री सुनील तटकरे की बेटी अदिति अपने पहली चुनावी लड़ाई में शिवसेना के विनोद घोसालकर के खिलाफ खड़ी हैं।

कश्मीर में आतंकवादी हताशा में नागरिकों की हत्या कर रहेः भाजपा

एजेंसी। जम्मू

भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार को कहा कि तीन गैर कश्मीरियों की हाल ही आतंकियों द्वारा की गई हत्या उनकी हताशा का परिणाम है और लोगों में खौफ पैदा करने के लिए इसे अंजाम दिया गया। भाजपा नेता ने भरोसा जताया कि कश्मीर में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए इन जघन्य वारदातों में लिप्त दोषियों को जल्द ही पकड़ा अथवा मार गिराया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश राय खन्ना ने यह भी कहा कि घाटी में स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है और प्रखंड विकास परिषद के चुनावों में लोगों की सक्रिय भागीदारी उनके लोकतंत्र में भरोसे को दर्शाती है। प्रखंड चुनावों के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीपी) नेतृत्व का नाम लिए बगैर उन्होने उन पर प्रदेश को लूटने का आरोप लगाया और कहा, उनके खिलाफ लोगों ने एक बार भी विरोध नहीं किया। एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार गंभीर है लेकिन जिस प्रकार से एक सेब व्यापारी समेत निर्दोष लोगों की हत्या की गई, वह दिखाता है कि कश्मीर में सामान्य होती स्थिति से आतंकवादी हताश हैं और वह लोगों को डराना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के प्रभारी भाजपा नेता ने कहा कि लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों की जल्द ही पहचान कर ली जाएगी और बहुत जल्दी या तो वे मारे जाएंगे अथवा पकड़ लिए जाएंगे। गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा और शोपियां जिले में सोमवार से अबतक हुए तीन अलग अलग आतंकवादी हमलों में राजस्थान के एक ट्रक चालक, छत्तीसगढ़ के एक श्रमिक और पंजाब के सेब व्यापारी की हत्या की जा चुकी है जबकि एक अन्य सेब व्यापारी गंभीर रूप से घायल है।

खन्ना ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी जम्मू कश्मीर के विकास का एक नया अध्याय लिखेगी। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त किए जाने के बाद यह उनका जम्मू कश्मीर का दूसरा दौरा है और शांति व सामान्य स्थिति की दिशा में बदलाव हुआ है जो स्पष्ट है।

झारखंड ने विधानसभा चुनावों के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 250 कंपनियां मांगी

एजेंसी। रांची

झारखंड ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग से राज्य में अर्द्धसैनिक बलों की कम से कम 250 कंपनियां तैनात करने का अनुरोध किया है। मुख्य सचिव डीके तिवारी की अध्यक्षता में चुनाव की तैयारी के लिए हुई बैठक में इस आशय का अनुरोध करने का फैसला किया गया।तिवारी ने बताया कि चुनाव आयोग से पिछले अनुभवों और वर्तमान जरूरतों को देखते हुए चुनाव के दौरान राज्य में अर्द्धसैनिक बलों की कम से कम 250 कंपनियां उपलब्ध कराने की मांग की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन कंपनियों के जवान हिंदी भाषी इलाके के हों तो अच्छा रहेगा। इससे राज्य के निचले स्तर के अधिकारियों के साथ फील्ड में काम करते समय किसी तरह की गलतफहमी की स्थिति नहीं बनेगी। उन्होंने आयोग से अनुरोध किया कि चुनाव के दौरान नक्सलियों पर अंकुश लगाने के लिए झारखंड से लगी दूसरे राज्यों की सीमा के भीतर वहां की पुलिस के भी चौकस रहने की व्यवस्था की जाए।उन्होंने डीजीपी कमल नयन चौबे से कहा कि 23 अक्टूबर को वह दिल्ली में चुनाव आयोग के साथ इस मसले के अलावा विधि व्यवस्था से जुड़े अन्य मामलों पर भी वार्ता कर लें। बाद में मुख्य सचिव डीके तिवारी की अध्यक्षता में, आसन्न विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर झारखंड मंत्रालय में चुनाव आयोग के साथ गहन विचार-विमर्श हुआ। मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के बाद विघ्न रहित विधानसभा चुनाव कराना प्राथमिकता है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि प्राप्त ब्यौरों के अनुसार, अगर चुनाव विभिन्न चरणों में होंगे, तो नक्सल प्रभावित राज्य में हिंसारहित चुनावी प्रक्रिया पूरी कराना आसान होगा।

उत्तराखंड में गुटखा, पान मसाला प्रतिबंधित

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड सरकार ने गुटखा जैसे पदार्थों और तंबाकू एवं निकोटिन की उच्च मात्रा वाले पान मसाला के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त नितेश कुमार झा ने शुक्रवार की शाम इस संबंध में एक आदेश जारी किया। यह फैसला तंबाकू एवं निकोटिन युक्त गुटखा और पान मसाला जैसे पदार्थों के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के मद्देनजर लिया गया है। आदेश में प्रतिबंध के कारणों के बारे में विस्तार से बताया गया है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण मानव उपभोग के किसी भी उत्पाद में तंबाकू एवं निकोटिन के प्रयोग को प्रतिबंधित करता है और यह पाया गया कि गुटखा, पान मसाला और विभिन्न नामों के तहत बेचे जा रहे कई अन्य उत्पादों में इनकी मात्रा बहुत ज्यादा है।

भाजपा के मंत्रियों का काम अर्थव्यवस्था सुधारना है, कॉमेडी सर्कस चलाना नहींः प्रियंका वाड्रा

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी को लेकर शनिवार को सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्रियों का काम कॉमेडी सर्कस चलाना नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था को सुधारना है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, भाजपा नेताओं को जो काम मिला है उसको करने की बजाय वे दूसरों की उपलब्धियों को झुठलाने में लगे हैं। नोबेल पाने वाले ने अपना काम ईमानदारी से किया, नोबेल जीता। प्रियंका ने तंज कसते हुए कहा, अर्थव्यवस्था ढही जा रही है। आपका काम उसको सुधारना है न कि कॉमेडी सर्कस चलाना।दरअसल, गोयल ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र में 2019 के नोबेल पुरस्कार के लिए चुने गए भारतीय-अमेरिकी अभिजीत बनर्जी को शुक्रवार को वाम की ओर झुकाव वाला बताया। गोयल ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, मैं अभिजीत बनर्जी को नोबेल पुरस्कार जीतने की बधाई देता हूं। आप सभी जानते हैं कि उनकी सोच पूरी तरह वाम की ओर झुकाव वाली है। भाजपा नेता ने कहा कि बनर्जी ने कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित न्याय योजना का समर्थन किया और भारत की जनता ने उनकी सोच को नकार दिया।बनर्जी ने हाल ही में कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था डगमगा रही है और इस समय उपलब्ध आंकड़े बहुत जल्द देश की अर्थव्यवस्था के उबरने का आश्वासन नहीं देते।

गाय के लिए सरकार का प्रेम केवल कागज पर हैः चिदंबरम

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने देशी नस्लों की पशुओं की संख्या में कथित गिरावट पर शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि गाय के लिए सरकार का प्रेम केवल कागज पर है। पूर्व वित्त मंत्री ने रोजगार की कमी के लिए भी सरकार पर हमला बोला और कहा कि देश में तीव्र रोजगार संकट है। चिदंबरम अभी धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं और उनकी ओर से उनके परिवार द्वारा किए गए ट्वीट में पूर्व वित्तमंत्री ने दो आर्थिक सूचक पेश किए और लोगों से कहा कि वे अपना निष्कर्ष निकालें। उन्होंने पहला आर्थिक सूचक पोस्ट करते हुए कहा, जिन लोगों से पूछा गया उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि अभी रोजगार की स्थिति बहुत खराब है। तीस प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि स्थिति अभी और भी खराब होगी। इसका अर्थ यह है कि बेरोजगारी संकट विकट हो गई है।

नागपुर में एयरपोर्ट से बाहर निकलते योग गुरु बाबा राम देव

मंत्री की सफाई

योगी सरकार के एक मंत्री इन दिनों सफाई देते घूम रहे है। कभी वह अपने सहयोगी मंत्रियों को सफाई देते है तो कभी करीबी लोगों को। उनका यह सिलसिला पिछले महीने भर से अधिक समय से चल रहा है। कई सहयोगी मंत्रियों तथा खास लोगों को वह एक-दो नहीं, कई कई बार सफाई दे चुके है। मंत्री के कुछ खास मित्र उन्हें सफाई मंत्री कहने लगे है।दरअसल योगी सरकार बनने पर इन्हे काफी अहम विभाग की बागडोर सौप दी गई। इसके साथ ही इन्हे सरकार के प्रवक्ता जैसी अहम जिम्मेदारी दे दी गई। पहली बार मंत्री बनने वाले भाजपा के इस नेता को अपने सिवा हर कोई गलत नजर आने लगा। खासकर मीडिया के लोग उन्हें भ्रष्ट दिखने लगे। एक बार तो मंत्री ने मीडिया के आयोजन में मीडिया को पूरी तरह कठघरे में खड़ा कर दिया। एक इलेक्ट्रानिक मीडिया संपादक का जिक्र करते हुये इस मंत्री ने अपने नाना की ईमानदारी और संपादक को भ्रष्ट बता डाला। मंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने खुद को नानाजी के रास्ते पर चलने वाला बताया। वक्त बदला और सरकार के इस मंत्री के कुछ गलत-सही कार्यों का चिठ्ठा सीएम तक पहुंचा और फिर उनके पर कतर दिये गये। अपनी पुरानी धाक को बनाये रखने के लिये मंत्री जी अब पर कतरे जाने के कारण गिनाते हैं।

ऊंट पहाड़ के नीचे

अब जल में रहकर कोई मगर से बैर करेगा तो भी कितने दिन तक। एक न एक दिन उसे शिकार बनना ही पड़ेगा। अब यह बात सरकार की नाक के नीचे चल रहे सबसे बड़े शिक्षण संस्थान के शिक्षक नेता को कौन समझाए। महोदय, निकले तो राजनीति की नर्सरी से हैं, ऐसे में शिक्षक होने के गुण कम नेताओं के गुण ज्यादा हैं। नेताजी पिछले एक साल से संस्थान के मुखिया के खिलाफ सुर की गंगा बहाये जा रहे थे। कभी पीएचडी के नाम पर तो कभी टेम्परिंग के नाम पर तो कभी वाहनों के पास के नाम पर आदि-आदि। यहां तक कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी अप्रत्यक्ष रूप से मुखिया पर हमला बोलने का कोई मौका छोड़ते नहीं थे। चला-चली की बेला में मुखिया के हाथ नेताजी की एक नस पकड़ में आ गयी है। मामला इतना पुराना है कि नेताजी को भी समझ में नहीं आ रहा है कि कैसे निपटारा हो। फिलहाल नेताजी, यह कह कर बच रहे हैं कि उन्होंने तो हिसाब दे दिया है, अब यह लेखा विभाग जाने। वहीं लेखा विभाग का कहना है कि हिसाब दे दिया है तो सबूत पेश करो। मुखिया भी हाथ आई मछली को इतनी आसानी से छोड़ने वाले नहीं हैं। उन्होंने भी पूरा मूड बना लिया है कि चलते-चलते कुछ करके जायेंगे। अब देखना है कि कल तक मैदानी इलाके में फर्राटा भरने वाले नेताजी पहाड़ के नीचे आने के बाद क्या करेंगे।

पंडित जी...

वंशी बजईया नाच नचईया की जन्मभूमि वाले जिले से आने वाले एक मंत्री आज कल अपने नाम से पहले पंडित लगाने लगे हैं जबकि पहले ऐसा नहीं था। वह इसलिए क्योंकि लोगों के बीच उनकी जाति को लेकर कुछ संशय की स्थिति रहती थी। मंत्री ब्राहमण कुल के हैं मगर उनका जो टाइटिल है उसकी वजह से कुछ लोग उन्हें बढ़ई समझते हैं। इस बारे में मंत्री के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने अपने नाम के आगे अब पंडित लिखना शुरु कर दिया है। उन्होंने अपने मातहतों को भी सख्त हिदायत जारी कर दी है कि किसी भी लिखा पढ़ी में उनके नाम से पहले पंडित शब्द का इस्तेमाल अवश्य किया जाए। मीडिया को जो उनके विभाग की जो खबरें जारी होती है उसमें विशेषतौर पर नाम से पहले पंडित लिखा होता है।

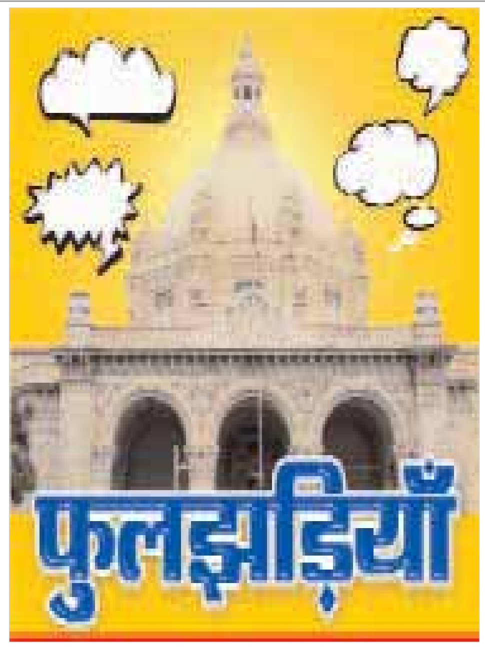

भारी पड़ती नौकरशाही

ब्यूरोक्रेसी बड़ी, नेता छोटा यह सिद्ध हो गया नगर निगम में। अभी तक नगर निगम की मुखिया को विकास कार्य पर खर्च हुई कार्यों की लिस्ट नहीं मिली। मुखिया का यह दर्द बार - बार छलक आता है। नगर निगम के सदन से लेकर छोटी बैठकों में भी विकास कार्यों पर खर्च करने की सूची मांगी जा रही है लेकिन कई महीने बीतने के बाद भी सूची मयस्सर नहीं हुई। बेचारी! मुखिया, परेशान, आखिर किस नेता व मंत्री का हाथ बड़े साहब पर है कि मैंडम को सूची मांगते एक महीना हो गया पर अभी तक सूची न बनी और न मिली। वहीं यह दर्द नासूर बनता जा रहा है। हाल ही में यह दर्द पेपर मिल कालोनी में फर्जी भुगतान के मामले में मुखिया के एक पत्र में दिखा। पत्र में मुखिया ने बड़े साहब की ओर इशारा करते हुए कहा कि मेरे द्वारा एक माह पूर्व विकास पर हुए खर्च की सूची मांगी गयी थी वह अभी तक नहीं दी गयी। ऐसा तब है जब प्रदेश में मुखिया की सत्ता है। यही नहीं नगर निगम में सत्ताधारी दल के पार्षदों की बहुतायत है। अभी नहीं तो कभी नहीं कहने वालों ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब भारत से बाहर सरकार बनेगी तभी मैडम को सूची मिलेगी।

कैसे बढ़े ताकत

मिठास वाले विभाग के माननीय काफी परेशान हैं। उनका ओहदा पहले से ऊंचा हो गया है। कार्यालय भी पहले से बड़ा गया गया है लेकिन उनकी ताकत है कि बढ़ती नहीं। माननीय जी कई कोशिशें कर चुके हैं कि उनकी ताकत बढ़ जाएं। उन्होंने रस की मिठास को भी काफी बढ़ा दिया कि बड़े महाराज उनकी मनोदशा समझ जाएं और उनकी कार्य क्षमता देखते हुए ओहदे के साथ ही उनकी ताकत को भी बढ़ा दें। विडम्बना यह है कि माननीय की ताकत तो बढ़ जाए लेकिन उनके मिठास वाले विभाग का मुखिया सारी ताकत अपने पास रखे बैठा है। कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ता कि माननीय जी अपनी ताकत बढ़ा सकें। मुखिया की स्थिति ये है कि मिठासे वाले विभाग को लेकर चाहे माननीय जी की बैठक हो या फिर बड़े महाराज की हर जगह उपस्थित पाए जाते हैं और सभी कामों का श्रेय स्वयं ले लेते हैं। माननीय जी के लिए कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ते कि वह किसी तरह से विभाग में अपने आप को हावी कर सकें।

चूक रहे चौहान

खाकी वाले एक दूसरे महकमे की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्री ब्यूरोक्रेसी के दांव-पेंच में उलझकर रह गए हैं। खेल की दुनिया से राजनीति में पर्दापण कर नेतागिरी का चोला ओढ़कर मंत्री तो बन गए लेकिन वो ठसक नहीं आ पा रही है। क्रिकेट की पिच पर भी उन्हें हिलाने की बहुत कोशिश होती थी लेकिन बड़े-बड़े गेंदबाज घंटों उनकी गिल्ली नहीं उड़ा पाते थे। अब राजनीति की पिच पर भी उन्हें बोल्ड करने की कोशिशें शुरू हो गयीं हैं और क्रिकेट सरीखा हुनर वह राजनीति में दिखा भी नहीं पा रहे हैं। यही वजह है कि आए दिन उनकी फजीहत हो रही है। अभी पिछले दिनों ही ब्यूरोक्रेसी ने उनके महकमे से जुड़ा एक अहम फैसला लिया। बजट का बहाना बनाकर भारी तादात में जवानों को ड्यूटी से हटाकर घर बिठा दिया गया। इस निर्णय से हाहाकार मच गया लेकिन मंत्री को जानकारी तक नहीं थी। उन्हें अगले दिन मीडिया की खबरों से पता चला। वस्तुस्थिति की जानकारी न होने की वजह से उन्होंने जो बयान दिया उससे उनकी नेतृत्व क्षमता को लेकर भी खूब सवालिया निशान लगे। दरअसल इस मामले में ब्यूरोक्रेसी ने उनके साथ पूरी तरह से खेल किया। ब्यूरोक्रेसी ने इस निर्णय की जानकारी गृह महकमे के मुखिया और सरकार के जिम्मेदार हुक्मरान को तो समय से दे दी लेकिन मंत्रीजी को आखिर तक अंधेरे में ही रखा।

लखनऊ में भी थमा उप चुनाव प्रचार

385072 मतदाता 344 बूथों पर कल करेंगे मतदान, 2923 दिव्यांगजन वोटरों चिन्हित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में कैंट विधानसभा उप चुनाव के प्रचार का शोर शनिवार की शाम थम गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 21 अक्टूबर को उप चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा बलों का मुकम्मल इंतजाम किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कैंट विधानसभा का उपचुनाव का मतदान 21 अक्टूबर को होना है। सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान का समय तय किया गया है। बताया कि सभी पोलिंग पार्टियां रविवार को रमाबाई रैली स्थल आशियाना से रवाना की जाएंगी।

कैंट उपचुनाव में जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि रविवार शाम तक यह सभी पोलिंग पार्टियां व सुरक्षा बल अपने मतदान केन्द्र पर पहुंच कर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को सकुशल मतदान केन्द्र पहुंचने और मतदान केन्द्र पर मतदान से संबंधित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होने की जानकारी देंगे। डीएम ने बताया कि मतदान ड्यूटी के लिए रमाबाई रैली स्थल से पोलिंग पार्टियों की रवानगी रविवार सुबह 6 बजे शुरू होगी। प्रचार खत्म होने के बाद शनिवार शाम जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलराज शर्मा ने इस संबंध में अफसरों संग बैठक की। उन्होंने सभी ईआरओ और एईआरओ को निर्देश दिया कि ट्रकों में ईवीएम और वीवीपैट लोर प्लान बनाकर ही रखवाई जाएं। रमाबाई रैली स्थल में विधानसभावार पंडाल बनाया गया है। जहां मतदान कर्मियों को ईवीएम और वीवीपैट के साथ मतदान से जुड़े सभी जरूरी सामान मुहैया करवाए जाएंगे। इनकी रवानगी के दौरान मेडिकल टीम से लेकर फायर ब्रिगेड, ऐ बुलेंस और ठंडे पानी समेत सभी जरूरी सुविधाओं का इंतजाम रहेगा। यहां ठंडे पानी के पांच टैंकर रविवार सुबह

आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

पहुंच जाएंगे, हालांकि खान-पान की दुकानें शनिवार से ही यहां सजनी शुरू हो गईं। इसके अलावा रमाबाई रैली स्थल में बने स्ट्रांग रूमों से शनिवार शाम से ईवीएम और वीवीपैट स्मृति उपवन पहुंचाने का सिलसिला भी शुरू हो गया। मतदान के बाद सोमवार 21 अक्टूबर को रमाबाई रैली स्थल में ही पोलिंग पार्टियां ईवीएम जमा करेंगी।

एक टेबल होगी 20 बूथों पर

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के पंडाल में 20 बूथों के लिए एक टेबल बनाई गई है जहां ईवीएम और वीवीपैट का वितरण होगा। मतदान से 48 घंटे पहले शनिवार की शाम को जिले से सटे अंतरराज्जीय सीमाओं को सील कर दिया गया है।

चेकिंग पर जोर, सभी टीमें हाई अलर्ट पर

डीएम ने बताया कि सभी उड़नदस्ते और अन्य टीमें हाई अलर्ट पर हैं और चेकिंग की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। गांवों और शहर की दुकानें में चेकिंग अभियान चला कर अवैध शराब को जब्त करने की कार्रवाइ की जा रही है। कहा कि अवैध शराब पर निगह रखने के साथ साथ कैश और अवैध हथियारों के मूवमेंट पर भी कड़ी निगह रखी जा रही है। बताया कि यदि तय समय सीमा के बाद भी कोई पार्टी चुनाव प्रचार करते मिले तो उसको बंद करा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मतदान कक्ष में जाने की अनुमति नहीं

मीडिया के लिए निर्देश दिया गया कि मीडिया कर्मियों को केवल मतदान स्थल में जाने की अनुमति होगी। मतदान कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। मीडिया को किसी भी वोटर को मतदान करते हुए फोटो खिंचने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मतदान से 48 घंटे पूर्व से मतदान वाले दिन तक ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल को प्रतिबंधित किया गया है। मीडिया कर्मी अपने वाहन मतदान केंद्र से 100 मीटर की परीधि के बाहर निश्चित किए गए स्थान पर ही अपने वाहन खड़े करेंगे।

बस्ता 2 सौ मीटर के बाहर लगाए जाएंगे

मतदान के दिन किसी भी पार्टी के द्वारा मतदान केंद्र की 200 मीटर परिधि के अंदर अपना बस्ता नहीं बनाया जाएगा। 200 मीटर की परिधि के बाहर केवल एक टेबल और दो कुर्सी लगा कर बस्ता बनाया जा सकता है। बस्ते पर किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाएगा। बस्ते से केवल सफेद रंग की पर्ची का वितरण किया जाएगा जिसमे मतदाता की भाग सं या क्रमांक और बूथ का नाम जैसी सूचनाएं होंगी, पर्ची पर प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह अंकित नहीं होगा।

सोमवार को जिले में होगा अवकाश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया गया कि मतदान के दिन सवेतन अवकाश घोषित किया गया है। जिसके तहत सभी माल, मार्केट, समस्त सरकारी गैर सरकारी स्कूल कालेज और समस्त सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे, चाय के होटलों और खान पान की दुकानों को छोड़कर। जिसका अनुपालन कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सहायक श्रमायुक्त सहायक निदेशक कारखाना के नेतृत्व में श्रम प्रवर्तन अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया है। जो मतदान के दिन भ्रमण कर के बंदी को सुनिश्चित कराएगी। यदि आदेश की अवहेलना पाई जाती है तो तुरंत कार्रवई की जाएगी।

शाम 6 बजे तक बंद रहेंगे लाउडस्पीकर

डीएम कौशल राज शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि शनिवार की शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पर पूर्णतया रोक लगा दी गई है। किसी भी प्रकार की रैली, सभा या रोड शो की अनुमति नहीं है। अगर कोई इसका उल्लंघन करता मिले तो तुरंत उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। शनिवार की शाम 6 बजे से 21 अक्टूबर शाम 6 बजे तक लाउडस्पीकर पर पूर्णतया रोक लगाई गई है। किसी भी पार्टी या कार्यकर्ता द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो तुरंत इस पर कार्रवई करें।

ये प्रत्याशी हैं मैदान में

सुरेश तिवारी: कमल का फूल
अरुण द्विवेदी: हाथी
मेजर आशीष चतुर्वेदी: साइकिल
दिलप्रीत सिंह: हाथ का पंजा
शत्रोहन लाल: ट्रैक्टर चलाता किसान
विनोद कुमार: पानी का जहाज
नीलम सरोज: दांत ब्रश
अनुरोध श्रीवास्तव: हेलीकाप्टर
निगमेंद्र मिश्र: माचिस की डिब्बी
सत्यपाल सिंह: गैस सिलिंडर
सच्चिदानंद श्रीवास्तव: सिलाई मशीन
दीपक चौरसिया: गन्ना किसान
सत्येंद्र कुमार: चारपाई

इन पर रहेगा प्रतिबंध

- मतदेय स्थल की 100 मीटर की परिधि में किसी भी वाहन को प्रवेश नही
- प्रत्याशी, एजेंट को 21 अक्टूबर का अलग से वाहन पास जारी किया जाएगा
- होटलों, लॉज, गेस्ट हाऊस व सरकारी गेस्ट हाउस की तलाशी कराई जाएगी
- मतदेय स्थलों पर मोबाइल फोन का प्रयोग वर्जित, मोबाइल के साथ प्रवेश पर रोक
- मतदान के दिन शाम 3 बजे के बाद किसी भी पोलिंग एजेंट को बदला नही जाएगा
- तीन लाख 85 हजार वोटर करेंगे मतदान 385072 मतदाता में 209730 पुरुष मतदाता व 175318 महिला मतदाता, 24 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।
- कैंट विधानसभा में कुल 68 मतदेय स्थल और 344 बूथ बनाए गए है।
- 2923 दिव्यांगजन वोटरों को चिन्हित किया गया है।
- 10 मॉडल बूथ और एक पिंक बूथ का निर्माण कराया गया है।
- उप निर्वाचन के लिए पांच जोनल मजिस्ट्रेट और 19 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति।
- कुल 91 हल्के वाहनों और 105 भारी वाहनों को लगाया गया है।
- 344 बूथों पर मतदान के लिए 380 पोलिंग पार्टियां तैयार की गई हैं।

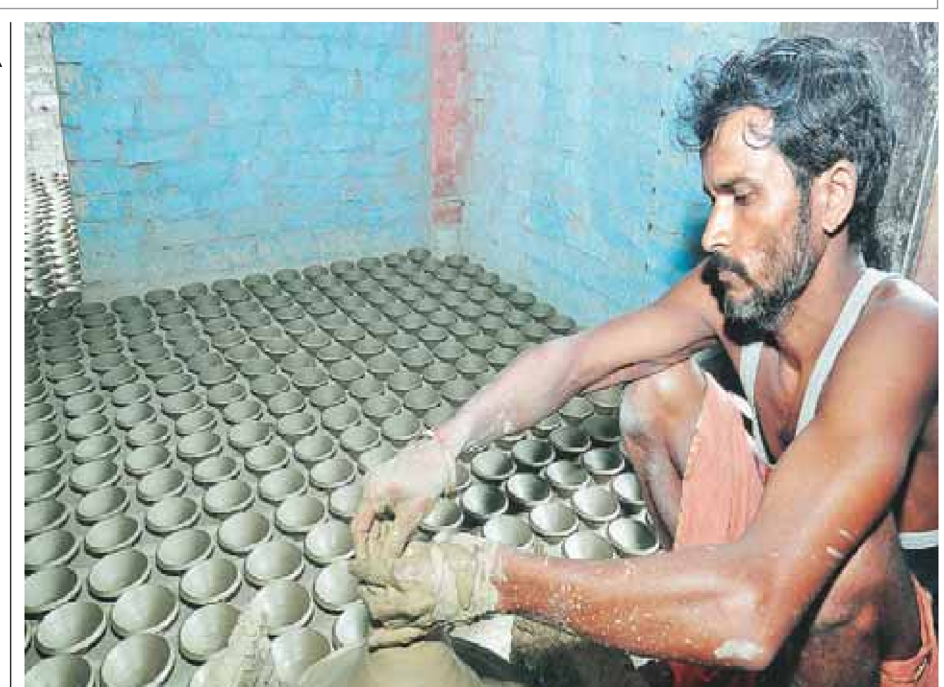

दीवाली की तैयारी: राजधानी लखनऊ में प्रकाश पर्व दीपावली को लेकर मिट्टी के दीपक बनाने में जुटा कुम्हार

बिना वेतन के होगी डेढ़ लाख कर्मियों की दीवाली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने दीपावली पर कर्मचारियों को बोनस, वेतन तथा मंहगाई भत्ते का भले ही तोहफा दिया हो, लेकिन दो दर्जन से अधिक सार्वजनिक उद्यमो तथा स्थानीय निकाय सहित कई अन्य विभागों को डेढ़ लाख से अधिक सरकारी और अर्द्ध सरकारी कर्मचारी बिना वेतन के दीपावली मनाने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों को वेतन बांटने के लिये इनके पास पैसा ही नही है। कुल मिलाकर सरकार का दीपावली तोहफा लाखों कर्मचारियों के लिये महज लालीपाप साबित होगा।

दीपावली से पहले जिन विभागों में वेतन बंटने के आसार नही है, उनमे अस्सी हजार से ज्यादा स्थानीय निकायों के कर्मचारी हैं। इसके अलावा जल निगम के 23 हजार तथा कर्मचारी कल्याण निगम, यूपी एग्रो, वित्तीय विकास निगम, मत्स विकास निगम, बीज निगम, यूपिका तथा आवश्यक वस्तु निगम सहित अन्य निगमों के कर्मचारी है। सरकारी की घोषणा से इनके कर्मचारियों में उम्मीदे तो जागी है, लेकिन विभाग की आर्थिक सेंहत इन्हे चिन्तित किये है। जानकारों के मुताबिक सूबे की कुल 617 निकायों में अधिकांश में आर्थिक संकट की स्थित है। इनके खजाने की सेंहम अपने कर्मचारियों को बोनस, वेतन तथा मंहगाई भत्ते का भुगतान कर पाने की नही है। लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, प्रयागराज तथा वाराणसी जैसे बड़े नगर निगमों को छोड़कर अधिकतर में 25 अक्टूबर से पहले वेतन तथा अन्य भुगतान होने की उम्मीद नही है।

ऐसे ही सार्वजनिक उपक्रमों का और भी बुरा हाल है। वन निगम, परिवहन निगम, आवास विकास परिषद, राजकीय निर्माण निगम, सेतु निगम, औद्योगिक विकास निगम तथा राज्य भंडारागार निगम को छोड़कर अन्य निगमों में दीपावली से पहले वेतन का वितरण होना संभव नही है। जानकारों का कहना है कि जल निगम में कुल 23 हजार कर्मचारी हैं। जिसमे साढ़े बारह हजार कर्मचारी सेवारत है और बाकी अवकाश प्राप्त या फिर संविदा कर्मचारी है। जिन्हे अभी सितंबर माह का वेतन नही मिला है। इसके अलावा जल निगम में वर्ष 2012-13 से कर्मचारियों को बोनस नही मिला है। ऐसे में सरकार की घोषणा का जल निगम में पालन हो पाना कठिन है। इसके अलावा बाकी निगमों के भी हालात अच्छे नही है और इनमे दीपावली पर वेतन का वितरण होना मुश्किल हैं। बताते है कि कई निगमों मे तो कई-कई महीने का वेतन नही मिला है और वह बंदी की कगार पर है। कर्मचारी संयुक्त परिषद के अजयपाल सोमवंशी का कहना है कि जल निगम में पिछले कई सालों से न तो बोनस मिला है और न ही मंहगाई भत्ता। ऐसे में सरकार की घोषणा से जल निगम कर्मचारियों को कोई फायदा मिलने की उम्मीद नही है। श्री सोमवंशी का कहना है कि अभी तक सितंबर माह के वेतन का भुगतान कर्मचारियों को नही हुआ है जबकि सरकार ने अक्टूबर माह का वेतन दीपावली से पहले 25 अक्टूबर तक बांटने के निर्देश दिये हैं। विभाग की आर्थिक स्थित को देखते हुये वेतन का वितरण हो पाना कठिन हैं।

उजास अब अंतस तक

तारन प्रकाश सिन्हा
आयुक्त, जनसंपर्क, छत्तीसगढ़

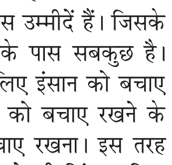

अरबी में एक कहावत है- जिसके पास स्वास्थ्य है, उसके पास उम्मीदें हैं। जिसके पास उम्मीदें हैं, उसके पास सबकुछ है। दुनिया को बचाए रखने के लिए इंसान को बचाए रखना जरूरी है, और इंसान को बचाए रखने के लिए उसके स्वास्थ्य को बचाए रखना। इस तरह इंसानी स्वास्थ्य को बचाए रखने की चिंता, दुनिया को बचाए रखने की ही चिंता है। अब सवाल यह उठता है कि हम इंसानी स्वास्थ्य को बचाए रखने की अपनी जिम्मेदारी किस तरह निभा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के अनेक देशों में स्थिति भयावह है। अनेक खतरों के साथ एक बड़ा खतरा हर समय दुनिया के सिर पर सवार रहता है, वह है कुपोषण का। और यह खतरा इतना बड़ा है कि इसे महामारी तक कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भारत में हर साल कुपोषण के कारण पांच साल से कम उम्र के दस लाख बच्चों की मौत हो जाती है। कुपोषण के निवारण से लेकर प्राथमिक सुविधाओं की उपलब्धता तक, स्वास्थ्य संबंधी हर तरह की चुनौतियों से भारत के अलग-अलग राज्य अपने-अपने तरह से निपट रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी यह लड़ाई पूरी ताकत के साथ लड़ी जा रही है, हालांकि बहुत से अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में यह कहीं ज्यादा बड़ी है। आने वाले 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण को 20 साल पूरे हो जाएंगे। यह याद दिलाने की आवश्यकता नहीं है कि छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड राज्य जब क्रमश: मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तरप्रदेश से अलग हुए थे, तब इन अंचलों की सामाजिक-आर्थिक-भौगोलिक और अधोसंरचनात्मक परिस्थितियां कैसी थीं। इनमें से भी छत्तीसगढ़ की परिस्थितियां ज्यादा दुरूह थीं। एक तो वनों से 43 प्रतिशत आच्छादित, ऊपर से नक्सल पीड़ित। अब भी राज्य के दुर्गम क्षेत्रों में निवास कर रही बड़ी आबादी तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच कठिन बनी हुई है और यही कारण है कि छत्तीसगढ़ में कुपोषण की स्थिति अब भी भयावह बनी हुई है। छत्तीसगढ़ में पांच साल से कम उम्र के 37.06 प्रतिशत बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। 15-45 वर्ष उम्र की 41.50 प्रतिशत किशोरियां और महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। यह समझा ही जा सकता है कि इन पीड़ितों में सबसे ज्यादा आदिवासी और निम्न वर्ग के लोग ही हैं। यदि इस उक्ति को यहां एक बार फिर याद कर लिया जाए कि 'कुपोषण एक तरह की महामारी है', तब हालात की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन हालात डरावने तो हैं, निराशाजनक बिलकुल नहीं है। राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्यगत चुनौतियों के कारकों को चिन्हित कर जिस नयी रणनीति के साथ काम शुरू किया है, उसके शुरुआती परिणामों ने ही नया उत्साह जगा दिया है। छत्तीसगढ़ की नयी सरकार ने- गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ को अपना ध्येय वाक्य चुना है, जिसका अर्थ है- हम नये छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा समेत सभी न्यूनतम सुविधाओं की पहुंच दुर्गम से दुर्गम क्षेत्रों तक सुनिश्चित करने के लक्ष्य को लेकर काम शुरू किया जा चुका है। और यह काम एक मुहिम के रूप में किया जा रहा है। गांधीजी की 150वीं जयंती, 2 अक्टूबर 2019 को, प्रदेश सरकार ने एक साथ पांच नयी योजनाओं की शुरुआत की है। इनमें से चार योजनाएं पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कुपोषण से मुक्त करने के लिए अपनी सरकार को 3 साल का लक्ष्य दिया है। इसी के तहत बीते जुलाई माह से प्रदेश के सर्वाधिक पिछड़े जिलों दंतेवाड़ा और बस्तर से सुपोषण अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके तहत पंचायतों में आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चों, किशोरियों और महिलाओं को पका हुआ, गर्म, पौष्टिक और रुचि के अनुसार आहार हर दिन उपलब्ध कराया जाने लगा। शुरुआती सफल नतीजों के बाद इसे धीरे-धीरे प्रदेश के अन्य जिलों में शुरू किया गया, और अंतत: 2 अक्टूबर 2019 से पूरे प्रदेश की सभी पंचायतों में लागू कर दिया गया। प्रयोगात्मक (पायलट) योजना के नतीजे इस प्रकार सामने आए हैं- माह अगस्त में 4,52,291 कुपोषित बच्चे, और 1,84,351 एनीमिया पीड़ित महिलाएं लाभान्वित हुईं। सितंबर माह में 4,76,930 कुपोषित बच्चों और 2,66,405 एनीमिया पीड़ित महिलाओं ने इस योजना का लाभ उठाया। नयी सरकार ने राज्य में पूर्व प्रचलित पीडीएस प्रणाली में संशोधन करते हुए नयी सार्वभौम पीडीएस-एपीएल प्रणाली लागू की है।

नयी पीडीएस प्रणाली के जरिये भी हर वर्ग के लिए पोषण आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिन प्राथमिक सुविधाओं के अभावों को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बड़े खतरों की सूची में शामिल किया है, छत्तीसगढ़ की नयी मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना और मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना ने, उस खतरे को इस प्रदेश में न्यूनतम कर दिया है। इनमें से पहली योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर काम किया जा रहा है। इन साप्ताहिक हाट-बाजारों में शासकीय क्लीनिक संचालित किए जाते हैं, जहां जांच, उपचार, दवाओं समेत नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इन्हीं केंद्रों के माध्यम से महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और अन्य वर्ग को स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक भी किया जाता है। प्रदेश व्यापी शुरुआत करने से पहले इसे भी आदिवासी क्षेत्रों में प्रयोगात्मक तौर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया जा रहा था। जो आंकड़े सामने आए उसके अनुसार अगस्त माह में 3005 हाट बाजारों में जाकर मेडिकल टीम ने 1,03,541 मरीजों का उपचार किया। सितंबर माह में 3813 साप्ताहिक हाट बाजारों में जाकर 1,23,513 मरीजों का उपचार किया। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना की ही तर्ज पर शहरी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत स्लम बस्तियों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इन बस्तियों में ओपीडी समेत विभिन्न जांच एवं उपचार की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। राज्य और जिला स्तर पर शासकीय और निजी अत्याधुनिक अस्पतालों, अत्याधुनिक उपकरणों, भवनों, सुयोग्य चिकित्सकों, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों, कार्यकर्ताओं की राज्य में भरपूर उपलब्धता के बावजूद छत्तीसगढ़ के एक बड़े हिस्से में स्वास्थ्य की रौशनी नहीं पहुंच पा रही थी, और असल में वहीं पर प्रदेश की आत्मा है। अब जाकर छत्तीसगढ़ का अंतस भी प्रकाशित हो रहा है।

कांग्रेस की गलत नीतियों ने देश बर्बाद किया: मोदी

एजेंसी। एलनाबाद, रेवाड़ी (हरियाणा)

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपनी रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 और करतारपुर गलियारा के मुद्दे को लेकर विपक्षी कांग्रेस पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उसकी (कांग्रेस की) गलत नीतियों और रणनीति ने देश को बर्बाद कर दिया। मोदी ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के नेता अनुच्छेद 370 को समाप्त करने में नाकाम रहे, जबकि 1964 में संसद में पार्टी ने इसका वादा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एलनाबाद में एक रैली में अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा कि जिसे भीमराव आंबेडकर ने एक अस्थाई प्रावधान कहा था, वह 70 साल तक बना रहा लेकिन कांग्रेस ने उस बारे में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में स्थिति बिगड़ गई क्योंकि दिल्ली में सरकार सो रही थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस की गलत नीतियों और रणनीति ने देश को बर्बाद कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब भारत और कश्मीर के लोग नीतियां बनाएंगे। मोदी ने कहा, समय बदल गया है, देश बदल गया है। हरियाणा में 21 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होना है। उन्होंने जम्मू- कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को रद्द करने के पांच अगस्त के केंद्र के फैसले को उचित बताते हुए कहा, क्या दिल्ली में सत्ता की खातिर कश्मीर को बर्बाद होने देना चाहिए? कश्मीर ज्यादा महत्वपूर्ण होना चाहिए या प्रधानमंत्री का पद? हर भारतीय का यही जवाब होगा कि प्रधानमंत्री आते-जाते रहेंगे, कश्मीर को बने रहना होगा और समृद्ध होना होगा। उन्होंने कहा कि 70 बरसों तक इस मुद्दे का कोई सार्थक हल निकालने के लिए ईमानदार प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने करतारपुर गलियारे के मुद्दे पर कहा कि यह पूरा

होने के करीब है और केंद्र गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को भव्य तरीके से मनाने के लिए इंतजाम कर रहा है। उन्होंने कहा, करतारपुर गुरुद्वारा को भारतीय भू क्षेत्र में लाने की अक्षमता विभाजन के समय की एक बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसकी संस्कृति से जुड़ी पार्टियों ने भारतीयों की मान्यता, परंपरा और संस्कृति को सम्मान नहीं दिया। मोदी ने कहा, हमारे पवित्र स्थलों के प्रति कांग्रेस का जो रुख रहा, वही रुख जम्मू कश्मीर के प्रति भी उसका रहा। उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा, दिल्ली में सो रही सरकार ने कश्मीर में स्थिति बदतर कर दी। शुरूआत में ही हमसे हमारे भूक्षेत्र का एक हिस्सा छीन लिया गया और वह पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हो गया। उन्होंने कहा, कुछ साल बाद कश्मीर की सूफी परंपरा को दफन कर दिया गया। इसकी जड़ें हिला दी गई। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कश्मीर की सूफी परंपरा ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मोदी ने विपक्षी पार्टी पर हमला तेज करते हुए कहा, लेकिन दिल्ली में बैठे नेता इसे नहीं देख सके। उन्होंने सोचा कि यदि वे एक-दो परिवारों का ध्यान रखेंगे तो कश्मीर की भी देखभाल हो जाएगी। इन एक-दो परिवारों को वह करने की छूट दे दी जो वे करना चाहते थे...यदि उन्हें लूटना है, तो ऐसा करने दिया जाए...यदि लोग बर्बाद होते हैं तो होने दिया जाए...ए चीजें चलती रही। उन्होंने कहा कि बाद में जम्मू, लद्दाख और करगिल के साथ भेदभाव और अन्याय शुरू हो गया। उन्होंने करीब तीन दशक पहले कश्मीर घाटी में आतंकवाद के चलते कश्मीरी पंडितों के विस्थापित होने का जिक्र करते हुए कहा, तब एक तरकीब लगाई गई, जब चार लाख से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों को घाटी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया गया, उनमें से कुछ मारे गए, उनके घर जला दिए गए और कुछ महिलाओं से बलात्कार किए गए। मोदी ने कहा, कश्मीर में जो कुछ हो रहा था, उसके प्रति दिल्ली में बैठे लोग आंखें मूंदे रहे। और इसलिए मैंने यह अस्थाई प्रावधान (अनुच्छेद 370) समाप्त कर दिया। जब आपने मुझे पांच साल के लिए स्थाई किया है तो मैं क्यों अस्थाई चीजों को होने दूं। उन्होंने नदी जल बंटवारे पर कहा कि भारत अपने पानी को पाकिस्तान में नहीं जाने देगा। उन्होंने कहा, ...मैं एक बूंद पानी भी पाकिस्तान नहीं जाने दूंगा। उन्होंने रेवाड़ी में भी कांग्रेस पर अपना प्रहार जारी रखते हुए कहा, 1964 में संसद में एक चर्चा के दौरान, देश के प्रतिष्ठित नेता परेशान हो गए...कांग्रेस बंटी हुई थी। यह मांग थी कि अनुच्छेद 370 को समाप्त किया जाए और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा हो। मोदी ने आज अपनी दूसरी रैली में कहा, उस वक्त कांग्रेस नेताओं ने हाथ जोड़ कर कहा था कि उनकी मांग पूरी की जाए और अनुच्छेद 370 एक साल में समाप्त कर दिया जाए। लेकिन इस विषय को फिर से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। उन्होंने पूछा, क्या मजबूरी थी और क्या खेल खेला जा रहा था। प्रधानमंत्री ने दावा किया, कांग्रेस और उसके समर्थक कश्मीर को लेकर चिंतित नहीं थे...हद तब हो गई, जब उन्होंने आतंकवाद फैलाने के पीछे मौजूद लोगों की तरह इस कदम (अनुच्छेद 370 समाप्त करने) का विदेशों में विरोध किया। यह उनकी मानसकिता थी। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर प्रहार करते हुए दावा किया कि उसने उन जवानों और पुलिसकर्मियों के लिए कोई स्मारक नहीं बनाया, जिन्होंने 70 साल तक राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। सिर्फ भाजपा सरकार ने ही उनके लिए इस तरह के स्मारक बनाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सैनिकों के लिए अत्याधुनिक हथियार, राफेल लड़ाकू विमान और बुलेटप्रूफ जैकेट लाकर अपने सशस्त्र बलों को मजबूत किया। मोदी ने कहा, हम अब बुलेटप्रूफ जैकेट बना रहे हैं और उसे निर्यात भी कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार आतंकवादियों और अलगाववादियों की धमकियों से कांपा करती थी। उन्होंने कहा, आप बताइए, क्या आप भारत को अब मजबूत पाते हैं? आतंकवादियों को उनके घर में घुस कर मारा जा रहा। जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं आज वे लोग दुनिया भर में गुहार लगाते फिर रहे हैं। जो हमें डराया करते थे वे अब आतंकित दिख रहे हैं।

विश्व-भारती विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव गाली गलौज भी की गई

शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल)। विश्व-भारती विश्वविद्यालय के कुलपति विद्युत चक्रवर्ती का शनिवार को गैर शिक्षण कर्मचारियों के एक हिस्से ने घेराव किया। ए कर्मचारी अपने कुछ सहकर्मियों के तबादले के आदेश को फौरन वापस लेने की मांग कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता अनिर्बान सरकार ने बताया कि गैर शिक्षण कर्मचारियों के संघ कर्मी सभा के कई सदस्य चक्रवर्ती के कमरे में घुस गए और उन्हें अपशब्द कहे। उन्होंने कहा कि तबादला नियमित प्रक्रिया है और विश्वविद्यालय किसी के भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। हालांकि, कर्मी सभा के सचिव विद्युत सरकार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने गैर शिक्षण कर्मचारियों की ओर प्रतिशोधी रवैया अपनाया हुआ है और उन्होंने उनकी याचिकाओं पर आंख मूंद ली है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुरक्षा कर्मियों ने कुलपति के दौरे के समय उनके कार्यालय का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया था।

सावरकर का सम्मान करते हैं: कांग्रेस

● लेकिन भाजपा बताए कि वह गांधी भक्त है या सावरकर की भक्त: कपिल सिब्बल

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग को लेकर हो रहे राजनीतिक घमासान के बीच कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह वीर सावरकर का सम्मान करती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वो गांधी के भक्त हैं या फिर सावरकर के भक्त हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी और गृह मंत्री अमित शाह असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 370 जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा,

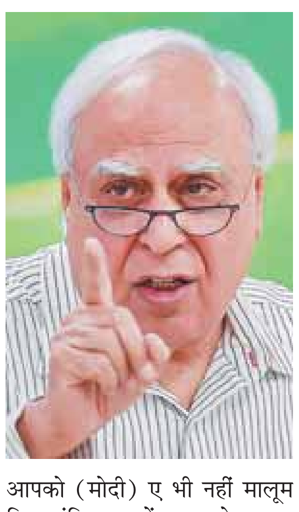

आपको (मोदी) ए भी नहीं मालूम कि संविधान में अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15 और अनुच्छेद 16 हैं कि शासन को किस नजरिए से प्रजा को देखना चाहिए। आपको ए नहीं मालूम है क्योंकि आजकल आप हर चीज सावरकर की आंखों से देखते हैं।

सिब्बल ने कहा, हम सबका सम्मान करते हैं, जिन्होंने भी इस देश की सुरक्षा की, चाहे वो सावरकर हों, चाहे कोई और हो, हम सबका सम्मान करते हैं। लेकिन आपको ए बताना पड़ेगा कि आप गांधी जी के भक्त हैं या सावरकर के भक्त हैं? "कुछ दिनों पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुंबई में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी ने सावरकर की याद में डाक टिकट जारी किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि हम सावरकर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उस विचारधारा के खिलाफ हैं, जिसके पक्ष में वह (सावरकर) खड़े थे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग की है। इसके बाद से ही इस मसले पर सियासी बहस छिड़ गई है। भाजपा का यह घोषणापत्र आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा था कि अगर सावरकर को भारत रत्न देने पर विचार होता है तो फिर इस देश को भगवान बचाए।

शाह ने राहुल को 370 बहाल करने की दी चुनौती

● राहुल के बयान पर केंद्रीय गृहमंत्री का पलटवार

एजेंसी। नवापुर (महाराष्ट्र)

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को यह घोषणा करने की चुनौती दी कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को बहाल करेगी। महाराष्ट्र के नंदूरबार जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने विशाल जनादेश से दूसरी बार सत्ता में आने के बाद पहला काम अनुच्छेद 370 को खत्म करने का किया है। यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। उन्होंने कहा, विशेष प्रावधानों की वजह से पाकिस्तान ने राज्य में

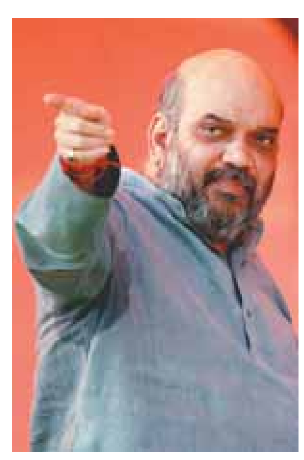

आतंकवाद को भड़काया, जिसमें 40 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। कश्मीर का विकास रूक गया। लेकिन कांग्रेस इन प्रावधानों को खत्म करने के लिए राजी नहीं थी। वह अपने वोट बैंक के लिए चिंतित थी और उसे राष्ट्र हित की कोई चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा, किसी भी प्रधानमंत्री ने फैसला लेने का साहस नहीं दिखाया। मोदी ने 56 इंच के सीने के साथ ऐसा किया। शाह ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि महाराष्ट्र का अनुच्छेद 370 से क्या वास्ता है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह घोषणा करें कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को लागू करेगी। अब भी विधानसभा चुनाव होने में एक दिन बचा हुआ है। देखिएगा लोग कैसा जवाब देंगे। क्या आप नहीं चाहते कि कश्मीर भारत का अखंड हिस्सा हो। शाह ने कहा कि नंदूरबार को मोदी सरकार की आदिवासी विकास नीति के तहत 115 जिलों में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, अगले पांच साल में नंदूरबार देश में अग्रणी आदिवासी जिला होगा और महाराष्ट्र नंबर वन राज्य होगा। शाह ने आदिवासी कल्याण के लिए राज्य सरकार और केंद्र द्वारा चलाए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए स्मारक निर्माण कराने का फैसला किया। इसी तरह एकलव्य मॉडल स्कूल शुरू किया गया है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आदिवासियों का इस्तेमाल केवल वोट के लिए किया और कभी उनके विकास के लिए काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 55 साल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

भारी बारिश के चलते शाह के हेलीकॉप्टर को आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा

मुंबई। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर को शनिवार को भारी बारिश के कारण नासिक के ओझर हवाईअड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वह महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन राज्य में थे। अधिकारी ने कहा कि हेलीकॉप्टर नासिक से 70 किलोमीटर दूर अहमदनगर जिले के अकोले के रास्ते में था, जहां शाह एक रैली को संबोधित करने वाले थे।उन्होंने बताया कि पायलट ने खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर को दोपहर दो बजकर पच्चीस मिनट पर ओझर हवाईअड्डे पर उतारने का फैसला किया। उन्होंने बताया, 40 मिनट के रुकने के बाद, वह दोपहर करीब तीन बजकर आठ मिनट बजे अहमदनगर के लिए रवाना हो गए। शाह ने इससे पहले उत्तर महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के नवापुर में एक रैली को संबोधित किया था। राज्य के कई हिस्सों में शनिवार सुबह से बारिश हो रही है।

राज्य को एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना मुख्य चुनावी मुद्दा: फडणवीस

● महाराष्ट्र को सूखा मुक्त बनाना प्राथमिकाता में शामिल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य को सूखा मुक्त और एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना विधानसभा चुनाव में उनके द्वारा जिक्र किए गए मुख्य चुनावी मुद्दे हैं। राज्य में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आज शाम चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। फडणवीस ने कुछ पत्रकारों से शनिवार को बातचीत करते हुए दावा किया कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 के ज्यादातर प्रावधानों को समाप्त करने का केंद्र का पांच अगस्त का फैसला भाजपा का मुख्य चुनावी मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, चूंकी इस अहम (अनुच्छेद-370) राष्ट्रीय मुद्दे पर कांग्रेस को बेनकाब किया इसलिए इसे प्रमुखता मिली। अनुच्छेद-370 हमारा मुख्य मुद्दा नहीं था। हमारा मुख्य एजेंडा महाराष्ट्र को सूखे से मुक्त करना और राज्य की अर्थव्यवस्था को एक खरब डॉलर का बनाना है।

फडणवीस ने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषणों में उन्होंने पांच साल में अपनी सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भाषण के आखिरी मिनटों में मैंने अनुच्छेद-370 का मुद्दा उठाया क्योंकि जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र भारत का हिस्सा है। हर कोई चाहता था कि अनुच्छेद-370 खत्म हो जबकि कांग्रेस-राकांपा ने इस कदम का विरोध किया। हमनें अपने भाषणों से केवल उन्हें बेनकाब किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भावनाएं राष्ट्रवाद के साथ है और भाजपा हमेशा राष्ट्रवाद और विकास के साथ चली है।

वीर सावरकर पर की गई पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, उनकी (मनमोहन सिंह) टिप्पणी (कांग्रेस नेता)राहुल गांधी के लोकसभा चुनाव में सावरकर को लेकर दिए बयान के विपरीत है। फडणवीस ने कहा कि मनमोहन सिंह का यह दावा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद-370 को रद्द करने के फैसले का समर्थन किया, गलत है। अर्थव्यवस्था के बारे में मनमोहन सिंह की टिप्पणी के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अर्थशास्त्री हो सकते हैं लेकिन उन्होंने राजनीतिक बयान दिया है। संप्रग शासन के चौथे और पांचवें साल के मुकाबले महाराष्ट्र में हमारी सरकार के पहले तीन साल में अधिक निवेश हुआ। फडणवीस ने कहा कि देश में स्थापित 25 फीसदी स्टार्टअप महाराष्ट्र में है। देश में सृजित कुल नौकरियों में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। सूक्ष्म, मझोले और छोटे उद्योगों में गत पांच में 59 लाख रोजगार सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ...देश आर्थिक सुस्ती का सामना कर रहा है, न कि आर्थिक मंदी का। उन्होंने कहा, यह अस्थाई दौर है। हमने कर व्यवस्था में बदलाव किया, हम दिवालिया संहिता लाए। हम सात फीसदी विकास दर होने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन इसके 5.8 प्रतिशत होने का अनुमान है।

हमने कांग्रेस और राकांपा को बेनकाब करने के लिए अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठाया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाने का मुद्दा उठाने से विपक्ष बचाव की मुद्रा में आ गया है। राकांपा प्रमुख शरद पवार सहित विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र चुनाव में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया है। फड़णवीस ने शुक्रवार रात यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा,"राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण है। हमारा ध्यान हमेशा विकास और राष्ट्रवाद पर रहा है। मेरे सभी भाषणों के दौरान मैंने पहले विकास के मुद्दों पर और फिर हमारे आगे आने वाले रास्ते पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर और महाराष्ट्र दोनों भारत के अंग हैं। कांग्रेस और राकांपा ने इस कदम (अनुच्छेद 370 हटाने) का समर्थन नहीं किया और हमें उन्हें बेनकाब करने की जरूरत थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र फडणवीस नागपुर में रोडशो के दौरा

पेज एक का शेष

सूरत से ...

और मुफ्ती नईम काजमी को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। फिलहाल हत्याकांड से जुड़े कई अनसुलझे सवाल भी मौजूद हैं जिनका कोई जवाब पुलिस के पास नहीं है। डीजीपी ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस को हत्या के बाद घटनास्थल से जांच के दौरान बरामद मिठाई के डिब्बे में मिली रसीद से अहम सुराग मिलने के बाद हत्याकांड के तार गुजरात से जुड़ गए थे। जिसके बाद उन्होंने शुक्रवार की रात ही गुजरात के डीजीपी से फोन पर बात की। रात में ही पुलिस की एक टीम गुजरात रवाना कर दी गयी। मिठाई का डिब्बा सूरत जिले की जिस दुकान से खरीदा गया था वहां आसपास की सीसीटीवी फुटेज की छानबीन से एक संदिग्ध व्यक्ति फैजान यूनुस भाई की पहचान की गयी। दोनों राज्यों की पुलिस के आपसी समन्वय एवं दोनों की संयुक्त टीम ने ज्वाइंट आपरेशन के दौरान फैजान (21) के अतिरिक्त दो अन्य संदिग्ध मौलाना मोहसिन शेख (24) एवं रशीद अहमद उर्फ खुर्शीद अहमद पठान (25) को हिरासत में लिया गया। मोहसिन शेख साड़ी की दुकान पर, फैजान जूते की दुकान पर काम करता है जबकि रशीद दर्जी का काम करता है। रशीद को कम्प्यूटर का भी ज्ञान है। इनसे हुई पूछताछ में यह स्पष्ट हो गया कि ये तीनों व्यक्ति कमलेश तिवारी की हत्या के षड्यंत्र में सम्मिलित रहे हैं। मौलाना मोहसिन शेख ने ही रशीद को कमलेश तिवारी का भड़काऊ बयान वाला वीडियो दिखाया था। इसके बाद ही मौलाना ने कहा था कि इसकी हत्या करनी है। डीजीपी ने बताया कि इन तीनों के अलावा जिन दो अन्य को हिरासत में लेकर छोड़ा गया है, उनमें एक रशीद का भाई और दूसरा गौरव तिवारी है। गौरव सूरत में ही रहता है। वह पिछले कुछ समय से कमलेश तिवारी के सम्पर्क में था और उसने हिन्दू समाज के लिए सूरत में काम करने को लेकर फोन किया था। उसने कहा था कि वह उसे अपनी पार्टी में शामिल कर ले और सूरत में उसे कोई पद दे दे। छोड़े गए दोनों युवकों पर भी नजर रखी जा रही है। डीजीपी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में एवं उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की विवेचना के आधार पर दो मुख्य अभियुक्त जो कि लखनऊ में इस घटना को कारित करने में सम्मिलित रहे हैं, उनके बारे में पुलिस ने जानकारी कर ली है। डीजीपी ने कहा कि हिरासत में लिए गए तीनों संदिग्धों से की गयी पूछताछ में इनका किसी आतंकवादी संगठन से संबंध नहीं पाया गया है। उल्लेखनीय है कि साल 2015 में उत्तर प्रदेश में सपा शासनकाल के दौरान तत्कालीन मंत्री मोहम्मद आजम खां की ओर से संघ को लेकर दिए गए बयान के जवाब में कमलेश तिवारी ने धर्म विशेष के पैगम्बर को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। जिसके बाद उस समुदाय के लोग आक्रोशित हो उठे थे। इसी दौरान बिजनौर के मुफ्ती नईम ने कमलेश का सिर कलम करने वाले को 51 लाख जबकि बिजनौर के ही मौलाना अनवारुल हक ने ऐसा करने वाले को डेढ़ करोड़ रुपए का ईनाम देने का ऐलान किया था। कमलेश की पत्नी ने शुक्रवार को हत्या के बाद इन दोनों को हत्या का षड्यंत्रकारी बताते हुए नाका कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इन दोनों से पूछताछ हो रही है। डीजीपी ने कहा कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लखनऊ, बिजनौर और सूरत को जोड़कर विवेचना हो रही है। एक सवाल के जवाब में डीजीपी कहा कि कमलेश तिवारी की सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरती गई थी। उनके सुरक्षा में खतरे को देखते हुए ही उन्हें गनर मुहैया कराया गया था। डीजीपी से पूछा गया कि कमलेश तिवारी की मां सीतापुर के एक भाजपा नेता पर हत्या का आरोप लगा रही है तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

दहशत पैदा...

दहशत पैदा करने की शरारत है। इसमें कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। तीन लोगों को गुजरात में और दो लोगों को उत्तर प्रदेश में हिरासत में लिया गया, शेष अन्य लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं। इस हत्याकांड की जांच स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम को दी गयी है।

उप्र में ...

बचाया जा रहा है, किस तरह से चिन्मयानंद को बचाया जा रहा है। इस जंगल राज में हम पुलिस पर कितना एतबार करें? उन्होंने कहा, जिसने भी तिवारी की हत्या की है, चाहे वो कट्टरपंथी हो, चाहे कोई और हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

हत्याओं से ...

हिस्सों से सेबों की ढुलाई के लिए छोटे वाहनों का इस्तेमाल करें लेकिन, छोटे वाहनों की संख्या कम होने के कारण इन मंडियों तक उपज पहुंचाना उनके लिए खासा कठिन साबित हो रहा है। उन्हें मुनाफा घटने के अलावा कश्मीर के बाहर के बाजारों में सही समय पर अपनी उपज की आपूर्ति नहीं कर पाने से भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सामान्य तौर पर एक ट्रक में 800 से 1000 पेटी सेब की ढुलाई की जाती है। ट्रांसपोर्टर भी मौके का फायदा उठाने से नहीं चूक रहे। पहले जहां प्रति पेटी ढुलाई के 80-90 रुपये लगते थे वहीं अब 135-140 रुपये वसूले जा रहे हैं। कश्मीर में प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रुपये मूल्य का 20 से 24 मीट्रिक टन सेब पैदा किया जाता है। शोपियां में सेब कारोबारियों और एक ट्रक चालक की हत्या की घटना ने ड्राइवरों समेत भारी तादाद में उन मजदूरों को भी आतंकित कर दिया है जो सेबों की पैकिंग, ढुलाई और पेटियों की उतराई जैसे काम करते हैं। यह सुनिश्चित करने की भरसक कोशिश की जा रही है कि राज्य के अंदरूनी इलाके में स्थित सेब पैदा करने वाले प्रमुख केंद्रों मसलन दक्षिण कश्मीर के सोपोर (एशिया में सेब की सबसे बड़ी मंडी), शोपियां, पुलवामा और अनंतनाग में सेब उत्पादक अपनी व्यावसायिक गतिविधियां सामान्य ढंग से जारी रख सकें। पिछल कुछ दिनों में आतंकियों के बारे में पहले के मुताबिक खुफिया सूचनाओं में वृद्धि हुई है जिसे सुरक्षा बलों के लिए एक सकारात्मक घटनाक्रम माना जा रहा है। इसके महत्व को समझाते अधिकारियों ने कहा कि पांच अगस्त से स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियां कानून व्यवस्था बनाए रखने पर फोकस किए हुए थीं क्योंकि उन्हें अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियां बढ़ने और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिली थी। मोबाइल सेवाओं पर प्रतिबंध के चलते भी खुफिया सूचनाओं की संख्या में कम से कम 70 फीसदी तक की गिरावट हो गई। सप्ताह के शुरू में मोबाइल सेवाओं को बहाल करने और किसी बड़े आंदोलन की आशंका के खत्म होने से स्थानीय पुलिस जो आतंकियों के बारे में सटीक सूचना मुहैया करती है, ने अपना आतंकवाद निरोधी ग्रिड दोबारा चालू कर दिया है। इसका नतीजा सेना द्वारा संवेदनशील इलाकों में छुपे हुए और एलओसी से घुसपैठ कर चुके 70 विदेशी आतंकियों को ढूंढकर ठिकाने लगाने के रूप में सामने आएगा। सेब कारोबारियों और ट्रक चालक की हत्याएं ऐसे समय की गईं जब स्थिति सामान्य होने लगी थी और जम्मू कश्मीर की जीवन रेखा कहलाने वाले सेब का कारोबार जोर पकड़ रहा था।

लट्ठमार होली ...

भावनाओं को भी समाविष्ट करने के लिए उनकी राय मांगी गई हैं। इसीलिए शासन की अपेक्षा के अनुरूप रिपोर्ट तैयार कर भेजी जा रही है। विदित हो कि बरसाना और नन्दगांव के हुरियार (होली खेलने वाले पुरुष) और हुरियारिनों (होली खेलने वाली महिलाएं) के मध्य पारम्परिक रूप से सदियों से होती आ रही लठामार होली को देखने के लिए दुनिया भर सैलानी यहां आते हैं।

घटी गधों...

घटनाएं मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में सामने आई हैं। अधिकारियों के अनुसार, आम तौर पर गधों का इस्तेमाल पूरी दुनिया में कृषि उत्पादों, निर्माण सामग्रियों की ढुलाई के लिए किया जाता है। आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर और भूमिहीन तबका ही ज्यादातर गधे पालते हैं क्योंकि यह उनकी आजीविका का साधन होने के साथ उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति बढ़ाने में अहम योगदान देता है। राजस्थान में पाए जाने वाले 70 फीसदी गधे ग्रे रंग के और शेष सफेद रंग के होते हैं जबकि गुजरात में दोनों रंग के गधे उपलब्ध हैं। लेह में 42 फीसदी गधे गहरे ग्रे, 42 फीसदी भूरे और 16 फीसदी काले रंग के होते हैं और हरियाणा में 90 फीसदी गधे ग्रे कोट रंग के पाए जाते हैं। बिहार में 54.11 फीसदी गधे ग्रे कोट रंग के, 36.11 फीसदी सफेद ग्रे और 5.56 फीसदी भूरे रंग के होते हैं।

नकल रोकने...

समाधान कॉलेज के प्रबंधक सतीश के दिमाग की उपज थी। हालांकि छात्रों के लिए इसे पहनना परेशानी भरा था लेकिन उन्हें इस 'नए नियम' को तोड़ने की अनुमति नहीं थी। बहरहाल पूर्व विश्वविद्यालय शिक्षा के उप निदेशक एससी पीरजादा कॉलेज का दौरा करने गए थे, जैसे ही उन्हें इस 'प्रयोग' के बारे में जानकारी मिली उन्होंने इसे तुरंत रोक दिया। पीरजादा ने कहा 'मैंने एक तस्वीर देखी थी जिसमें बच्चे सिर पर गत्ते का डिब्बा पहनकर परीक्षा दे रहे थे, जिसे कॉलेज के प्रबंधक ने अपने व्हाट्सएप अकाउंट पर पोस्ट किया था।' पीरजादा ने कहा 'जब मैं कॉलेज गया तो पाया कि अधिकांश छात्र अपने सिर पर गत्ते का डिब्बा पहने हुए हैं। मैंने प्रबंधक से इस बारे में जवाब तलब किया और मैं उस हैरत में पड़ गया जब सतीश ने मुझे बताया कि वह एक प्रयोग कर रहे थे क्योंकि उन्होंने बिहार के एक कॉलेज ऐसा ही होते देखा था।' उन्होंने कहा ' इस संबंध में एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।' कॉलेज प्रबंधन इस मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं हुआ।

सरकार चयन पर महासंघ को निर्देश जारी नहीं कर सकती: रिजीजू

●जरीन और मेरीकोम मामले को बेहतर तरीके से निपटाए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को स्पष्ट किया कि सरकार चयन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी लेकिन उन्होंने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को पारदर्शी होने की सलाह देते हुए कहा कि वह निकहत जरीन और एम सी मेरीकोम मामले को बेहतर तरीके से निपटाए। जरीन ने गुरुवार को रीजीजू को पत्र लिखकर चीन में अगले साल होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले मेरीकोम के खिलाफ ट्रायल मुकाबला आयोजित करने की मांग की थी।
बीएफआई ने कहा था कि मेरीकोम (51 किग्रा) के हाल में रूस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए वह छह बार की विश्व चैंपियन को चुनने का इरादा रखता है।
रिजीजू ने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के सम्मान समारोह के कार्यक्रम के मौके पर कहा, हमें एक चीज समझनी होगी, सरकार महासंघों को निर्देश नहीं दे सकती या फिर चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, अगर कहीं असमानता है और कुछ चीजें खेल के हितों के अनुसार नहीं हैं तो हम सलाह देते हैं। ओलंपिक चार्टर में स्पष्ट है कि सरकार को महासंघ के काम करने के तरीके और प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। रिजीजू ने कहा, हर किसी के पास अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ तरीके ढूंढने की स्वतंत्रता है और मंत्री के तौर पर हमें सकारात्मक जवाब देना होगा। इसलिए मैं महासंघ से पारदर्शी होने और देश के हित में फैसला करने के लिए कहूंगा। लेकिन हम इसकी बारिकियों में नहीं जाएंगे। प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संहिता के बारे में पूछने पर रिजीजू ने कहा, कल, मुझे सूचना मिली की कि अदालत ने कुछ निर्देश दिए हैं। मैंने खेल महासंघों से कहा, ऐसी परिस्थितियां मत बनाईए कि लोग अदालत का रूख करें। जैसे तीरंदाजी संघ की मान्यता रद्द है, जिम्नास्टिक महासंघ के साथ भी समस्या है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि खेल संस्थाओं को आईओसी से या फिर उनकी संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों से किसी समस्या का सामना करना पड़े। जब हम समस्या बनाते हैं तो फिर कोई तो हस्तक्षेप करेगा। खेल मामलों में अदालत को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए? रिजीजू ने कहा, जब महासंघ में गुटबाजी होती है, एक दूसरे के खिलाफ लड़ाईयां होती हैं और समानांतर चुनाव कराए जाते हैं तो ऐसी परिस्थितियों में अदालत हस्तक्षेप करेगी। इसलिए समस्याएं मत खड़ी कीजिए।

ट्रायल्स में जरीन से लड़ने से नहीं डरती: मेरीकोम

नई दिल्ली। छह बार की महिला विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एम सी मेरीकोम ने कहा कि वह ओलंपिक क्वालीफायर के लिए ट्रायल्स में निकहत जरीन से भिड़ने से नही डरती क्योंकि यह महज एक औपचारिकता भर होगी। जरीन ने चीन में अगले साल होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले मेरीकोम (51 किग्रा) के खिलाफ ट्रायल मुकाबला आयोजित करने की मांग की। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा था कि मेरीकोम (51 किग्रा) के हाल में रूस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए वह छह बार की विश्व चैंपियन को चुनने का इरादा रखता है। मेरीकोम ने यहां एक सम्मान समारोह के दौरान कहा, यह फैसला बीएफआई द्वारा लिया जा चुका है। मै नियम नही बदल सकती। मै सिर्फ प्रदर्शन कर सकती हूं। वो जो भी फैसला करेंगे, मै उसका पालन करूंगी। मै उससे (जरीन) से भिड़ने से नही डरती, मुझे ट्रायल्स से कोई परेशानी नही है। उन्होंने कहा, मैने सैफ खेलो के बाद से उसे कई बार हराया है लेकिन वह फिर भी मुझे चुनौती देती रहती है। मेरा मतलब है कि इसकी क्या जरूरत है? यह महज एक औपचारिकता है। बीएफआई भी जानता है कि ओलंपिक मे कौन पदक जीत सकता है। मेरीकोम ने कहा, लोग मुझसे ईर्ष्या करते है। उन्होने कहा, यह पहले भी मेरे साथ हो चुका है। रिंग मे प्रदर्शन करो, यही सही चीज है। बीएफआई हमें विदेशी दौरों पर भेजता है इसलिए स्वर्ण पदक के साथ लौटो और खुद को साबित करो। मेरीकोम ने कहा, मै उसके खिलाफ नही हूं। वह भविष्य मे अच्छी हो सकती है, उसे अनुभव लेना चाहिए और उच्च स्तर के लिए तैयारियो पर ध्यान लगाना चाहिए। मै पिछले 20 वर्षो से रिंग मे लड़ रही हूं। पुरूष टीम के चयन के लिए बीएफआई ने फैसला किया कि विश्व चैम्पियनशिप के पदकधारियों को सीधे पहले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भेजा जाएगा। वही महिला वर्ग मे बीएफआई ने पहले कहा था कि विश्व चैंपियनशिप मे स्वर्ण और रजत पदक विजेता मुक्केबाजो का ही फरवरी मे होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर के लिए सीधे चयन होगा। हालांकि बीएफआई ने अब जरीन की मांग पर अगले हफ्ते चयन समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है। मेरीकोम ने कहा कि चयन मानदंड मे पुरूष और महिला वर्गो मे नियम अलग अलग नही होने चाहिए। उन्होने कहा, मै इसकी परवाह नही करती। बीएफआई को फैसला करना चाहिए। इसमे लैगिक समानता होनी चाहिए, पुरूषो और महिला वर्गो के लिए अलग नियम नही हो सकते।

मुक्केबाजी में बिंद्रा को हस्तक्षेप नही करना चाहिए: मेरीकोम

नई दिल्ली। भारतीय स्टार महिला मुक्केबाज एम सी मेरीकोम ने शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के निकहत जरीन की मांग का समर्थन करने को लेकर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हे मुक्केबाजी मे हस्तक्षेप नही करना चाहिए। गुरूवार को बिंद्रा ने जरीन की छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज के खिलाफ ट्रायल कराने की मांग का समर्थन किया था लेकिन ओलंपिक कांस्य पदकधारी मेरीकोम को यह बात पसंद नही आई। मेरीकोम ने कहा, बिंद्रा ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके है लेकिन मैने भी विश्व चैम्पियनशिप मे कई स्वर्ण पदक जीते है। मुक्केबाजी मे हस्तक्षेप या दखल देना, उनका इससे कोई लेना देना नही है। मै निशानेबाजी के बारे मे बात नही करती इसलिए उनके लिए बेहतर यही होगा कि वह मुक्केबाजी पर चुप रहे। वह मुक्केबाजी के नियम नही जानते। साथ ही उन्होने कहा, वह मुक्केबाजी के बारे मे कुछ नही जानते। इसलिए बेहतर होगा कि चुप रहे। मुझे नही लगता कि अभिनव भी हर निशानेबाजी टूर्नामेंट से पहले ट्रायल्स के लिए जाते होंगे। बिंद्रा और जरीन दोनों अलग अलग क्षमताओं मे जेएसडब्ल्यू से जुड़े हुए है। बिंद्रा ने ट्वीट किया था, मेरीकोम का मै पूरा सम्मान करता हूं लेकिन खिलाड़ी को अपने कैरियर मे बार बार सबूत देने पड़ते है। यह सबूत कि हम आज भी कल की तरह खेल सकते है। कल से बेहतर और आने वाले कल से बेहतर। खेल मे बीता हुआ कल मायने नही रखता।

चयन में निरंतरता से सदस्यों को एक दूसरे को समझने में मदद मिली: रानी

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान रानी ने कहा कि ओलंपिक क्वालीफायर से पहले चयन में निरंतरता से उनकी टीम की सदस्यों को एक दूसरे को समझने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि आगामी एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में जब उनकी टीम खेलेगी तो घरेलू समर्थन उनके लिए मनोबल बढ़ाने वाला होगा। शुक्रवार को मुख्य कोच सोर्ड मारिन ने 18 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की जिसमें उन्होंने इस महीने के शुरू में इंग्लैंड के अभ्यास दौरे पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ियों को बरकरार रखा। रानी ने कहा, हमारा खिलाड़ियों का ग्रुप काफी समय से एक दूसरे के साथ खेल रहा है और इससे निश्चित रूप से सभी टीम सदस्यों को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली। हम एक दूसरे को मैदान के अंदर बाहर अच्छी तरह जानते हैं इसलिए मेरा मानना है कि इससे हमें काफी मदद मिली। हम यहां क्वालीफायर में अमेरिका से भिड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ होने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

डाक्टर से सलाह लेने फ्रांस जाएंगे अनवर

मुंबई। हृदय की तकलीफ से जूझ रहे प्रतिभावान युवा डिफेंडर अनवर अली आगे की चिकित्सा सलाह लेने के लिए फ्रांस जाएंगे। मुंबई सिटी एफसी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्लब के अधिकारी ने पीटीआई को बताया, उसका (अली) ख्याल रखा जाएगा और क्लब तथा अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। अली आईलीग में एआईएफएफ की डेवलपमेंटल टीम इंडियन एरोज की ओर से पिछले दो सत्र में 34 मैच खेले। वह मुंबई सिटी से ऋण पर इस टीम से जुड़े थे। वह 2017 में भारत में हुए अंडर 17 विश्व कप में भारत के तीनों ग्रुप मैचों में खेले थे।

चौरसिया संयुक्त 23वें और शुभंकर संयुक्त 41वें स्थान पर

रोम। भारतीय गोल्फर एसएसपी चौरसिया शनिवार को अमुंडी ओपन डि फ्रांस के तीसरे दिन 15 होल में एक ओवर के कार्ड से बीती रात संयुक्त 13वें स्थान से खिसककर संयुक्त 23वें स्थान पर पहुंच गए। चौरसिया ने 14वें होल में ही महज एक बोगी की। शुभंकर शर्मा ने एक अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 41वें स्थान पर चल रहे हैं, हालांकि अभी गोल्फर खेल रहे हैं। गगनजीत भुल्लर ने पहले दौर के बाद हैमस्ट्रिंग चोट के कारण हटने का फैसला किया था।

मरे 2017 रोलां गैरां के बाद पहले सेमीफाइनल में पहुंचे

एंटवर्प (बेल्जियम)। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे रोमानिया के मारियस कोपिल पर तीन सेट में मिली जीत के साथ 2017 फ्रेंच ओपन के बाद पहले सेमीफाइनल में पहुंचे। ब्रिटेन का 32 साल का खिलाड़ी साल के शुरू में कूल्हे की सर्जरी के बाद वापसी कर रहा है। उसने क्वालीफायर और 92वीं रैंकिंग के कोपिल को 6-3 6-7 6-4 से शिकस्त दी। अब उनकी विश्व रैंकिंग 243 है, उनका सामना फ्रांस के उगो हम्बर्ट से होगा जिन्होंने अर्जेंटीना के पांचवें वरीय गुइडो पेला को 5-7 6-4 6-4 से मात दी।

80 वर्ष के मनमोहन ने पानी में बिखेरा जलवा

●मास्टर्स नेशनल पुरुष व महिला एक्वेटिक चैंपियनशिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मेजबान यूपी के मनमोहन भार्गव ने 16वीं मास्टर्स नेशनल पुरुष व महिला एक्वेटिक चैंपियनशिप के पहले दिन तरणताल में सबको पछाड़ते हुए ग्रुप-80, 80 वर्ष से अधिक के आयु वर्ग में पुरूष 50 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक में 1.1.22 का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता।
भारतीय खेल प्राधिकरण क्षेत्रीय केंद्रए सरोजनीनगर के तरणताल में खेली जा रही प्रतियोगिता के पहले दिन 100 मीण्बटर फ्लाई महिला ग्रुप 30 में वान्या चंदेल ने यूपी को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इसी के साथ केडी सिंह बाबू स्टेडियम के तरणताल में खेले गए डाइविंग के मुकाबलों में महिला 3 मी,ग्रुप 25 में यूपी को गरिमा कपूर व पुरूष 3 मी, ग्रुप 25 में यूपी के लिए अभिषेक कुमार तिवारी ने स्वर्ण व अखिलेश प्रजापति ने रजत पदक जीता।
परिणाम-100 मी.फ्रीस्टाइल,पुरूष ग्रुप 35, में यूपी के राजेश कनौजिया ने रजत,50 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक, महिला ग्रुप 30- में यूपी की वान्या चंदेल ने रजत, 100 मी.बटर फ्लाई, पुरूष ग्रुप 35, में यूपी के विश्वेश्वर द्विवेदी ने रजत,100 मीण्बटर फ्लाई महिला ग्रुप 25द्ध में यूपी अंगिरा आर्या ने रजत, 200 मीण्व्यक्तिगत मिडले पुरूष ग्रुप 25 में यूपी के अनुराग शेनाय ने रजत,200 मीण्व्यक्तिगत मिडले महिला ग्रुप 30, में यूपी की नेहा चंदेल ने रजत, 100 मी.बटर फ्लाई ;पुरूष ग्रुप 30, में यूपी के सत्य प्रकाश यादव ने कांस्य, 100 मी.बटर फ्लाई महिला ग्रुप 25, में यूपी की मोहिनी निषाद ने कांस्य,200 मीण्व्यक्तिगत मिडले ;पुरूष ग्रुप 35द्ध में यूपी के धीरेंद्र यादव ने कांस्य,200 मीण्व्यक्तिगत मिडले महिला ग्रुप 60द्ध में यूपी की रंजना ने कांस्य, 100 मी.फ्रीस्टाइल, महिला ग्रुप 30द्ध यूपी की रिंकी निषाद ने कांस्य,50 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक ;पुरूष ग्रुप 40द्ध में यूपी के रवि शर्मा ने कांस्य,50 मीण्ब्रेस्ट स्ट्रोक ;पुरूष ग्रुप 35द्ध में यूपी के विकास अवस्थी ने कांस्य,50 मी.ब्रेस्ट स्ट्रोक ;पुरूष ग्रुप 30द्ध में यूपी के अनुभव मिश्रा ने कांस्य,50 मीण्ब्रेस्ट स्ट्रोक ;महिला ग्रुप 50द्ध में यूपी की अंजली जायसवाल ने कांस्य,100 मीण्बटर फ्लाई ;महिला ग्रुप 30द्ध में यूपी की नेहा चंदेल ने कांस्य

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बिक्री सूचना की उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध 4 जीनियस माइण्ड्स ओ.ए. नंबर 590/2018 तथा आई.ए. नंबर 512/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : बेन्ज़ 200 सीजीआई
रजि. नंबर : DL6CM0264
विनिर्माण वर्ष : 2011
सुरक्षित मूल्य - रू. 2,00,000/-
ईएमडी - रू. 20,000/-
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 30-10-2019 पूर्वा. 11.00 बजे
3. नीलामी स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर-17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. मैनेजर : श्री शंकर कपूर मोबाइल नंबर : 9650193259

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें। इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी। इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 30-10-2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा न्यायालय नीलामकार श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नयन कुमार**, पुत्र शशि कांत, पता- माकन नं. ए-3/36, दूसरी मंजिल,सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली ने **एफ आई आर नं. 283/13 धारा 420/467/468/ 471/120बी भा द स पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कहकर लौटा दिया गया है कि उक्त **नयन कुमार**, मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **नयन कुमार**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि जाती है दिल्ली के उक्त अभियुक्त **नयन कुमार, एफ आई आर नं. 283/13 धारा 420/467/468/471/120बी भा द स पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.11.2019** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रज्ञा गुप्ता
मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट
कमरा नं 21
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/452/N/19

दिल्ली परिवहन निगम
(रा0 रा0 क्षेत्र, दिल्ली सरकार)
आई0पी0 एस्टेट : नई दिल्ली-110002

दिल्ली परिवहन निगम / FCMS Project (Cluster Buses) में अनुबंध पर संवाहक पद (आरंभ में एक वर्ष व तत्पश्चात् दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) के साक्षात्कार हेतु सूचना:

दिल्ली परिवहन निगम/FCMS Project (Cluster Buses) में रोजगार निदेशालय द्वारा प्राप्त सूची के अनुसार अभियर्थियों को अल्पावधि अनुबंध आधार पर संवाहक पद (आरंभ में एक वर्ष व तत्पश्चात् दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) पर भर्ती हेतु साक्षात्कार के लिए निम्नलिखित तिथि व क्रम संख्या/विवरण अनुसार कार्मिक विभाग दिल्ली परिवहन निगम, आई0पी0 मुख्यालय, इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली-110002 में सभी जरूरी दस्तावेजों सहित (Employment Exchange ID, Valid Conductor License, Valid First Aid, ID proof, Disability Certificate (for PHP Candidates), All Educational Certficates with Original and Photocopy) प्रस्तुत हो।

रोजगार निदेशालय द्वारा प्रायोजित क्रम संख्या के आधार पर पंजीकृत अभियार्थयों का साक्षात्कार हेतु (अंतिम अवसर)	साक्षात्कार दिनांक (10:00 AM to 14:00 PM)
All candidates registered from 1991 to 2008 and also PHP candidates up to the year 2017 sponsored by DOE and अनुकंपा के आधार पर पंजीकृत अभियार्थियों के लिए क्रम संख्या 1765 तक (पूर्व सभी अनुपस्थित अभियार्थियों के लिए)	30.10.2019 (WED)
2009100078 to 2009370600	31.10.2019 (THU)
2009370601 to 2009463908	01.11.2019 (FRI)
2009463929 to 2009653032	04.11.2019 (MON)
2010100007 to 2010158185	05.11.2019 (TUE)
2010158189 to 2010204587	06.11.2019 (WED)
2010204588 to 2010215066	07.11.2019 (THU)
2010215071 to 2011102785	08.11.2019 (FRI)

अतः उपरोक्त सभी अभियार्थियों को निर्देश दिये जाते हैं कि वह निम्न लिखित निर्देशों का पालन करे।
(1) सभी अभियार्थियों से अनुरोध है कि उपरोक्त निर्धारित दिनाकं व समय पर इस कार्यालय में उपस्थित हों, अन्यथा यह समझा जायेगा कि उसे उपरोक्त संवाहक (अनुबधं) पर रोजगार की जरूरत नहीं है। अतः उसके आवदेन पर विचार नहीं किया जायगा और न ही भविष्य में इस पर विचार किया जायेगा।
(2) अभियर्थियों की आयु 18-35 वर्ष (इस विज्ञापन की तिथि को) से अधिक न हो। यदि कोई SC/ST/OBC से सम्बंधित है तो उनको भारत सरकार द्वारा जारी नियमानुसार छूट दी जायेगी।
(3) अभ्यर्थियों को परिसर के अंदर मोबाईल लाने, ब्लूटुथ, ईरफोन व अन्य कोई भी संचार उपकरण लाने की अनुमति नहीं है।
(4) सफल उम्मीदवारों को प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा और भविष्य में आवश्यकतानुसार वरीयता को ध्यान में रखते हुये उनको निगम की सेवाओं से समायोजित किया जायगा।
(5) दिल्ली परिवहन निगम से किसी भी कारणवश मैडिकल अनफिट/निकाले गए/ Terminated प्रत्याशियों के सख्त निर्देश है कि वह इस अवसर से शामिल न हो अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी।
(6) साक्षात्कार हेतु अभियर्थियों को कोई अलग सूचना नहीं भेजी जाएगी। उपरोक्त विवरण दिल्ली परिवहन निगम की वैबसाइट www.dtc.nic.in पर भी उपलब्ध है।

प्रबन्धक (कार्मिक)

सासा कटियार ने जीता टेनिस का खिताब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सासा कटियार ने शगुन कुमारी को हराकर आरएस सागर स्मारक टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-14 का खिताब जीत लिया है।
एसडीएस टेनिस अकादमी में खेले गए फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त सासा कटियार ने शीर्ष वरीयता प्राप्त शगुन कुमारी को 2-6, 6-1, 6-4 से हराया। अंडर-14 बालक के फाइनल में अर्जुन शर्मा ने माधव प्रकाश को 6-2, 6-4 से हराया। बालक अंडर-16 के खिताबी मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ यादव ने दूसरी वरीय खिलाड़ी अंशुमान सिंह को 6-2, 3-6, 6-2 से और बालिका वर्ग में शीर्ष वरीय यति सिंह ने तीसरी वरीयता खिलाड़ी शगुन कुमारी को आसानी से 6-1, 6-0 से हराकर खिताब जीता।

आसिफ ने चटकाए पांच विकेट

लखनऊ। आसिफ के पांच विकेट की मदद से आदर्श भारती क्रिकेट क्लब ने चंदन क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराकर फूलमती चौधरी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में पूरे अंक जुटाए। माइक्रोलिट जिमखाना में चंदन क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करके 18.1 ओवर में 59 रन बनाए। अमित साहू ने 19 और आयुष त्रिपाठी ने 13 रन बनाए। आसिफ ने पांच और विशाल मेहता ने दो विकेट लिए। जवाब में आदर्श भारती क्रिकेट क्लब ने 10.5 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 64 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की। मो. आजम ने नाबाद 38 रन बनाए। विश्वदीपक ने दो और आमित साहू ने एक विकेट लिए।
एनईआर स्टेडियम में खेले गए दूसरे लीग मैच में टीएस क्रिकेट क्लब ने वी. क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराया। वी. क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग करके 31 ओवर में 139 रन बनाए। जवाब में टीएस क्रिकेट क्लब ने 26.5 ओवर में चार विकेट पर 142 रन बनाकर छह विकेट से मैच जीत लिया।

अखिल इंफ्रा क्लब 15 रन से जीता

लखनऊ। अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने आल इंडिया स्पोर्ट्स गैलेक्सी ट्राफी में एलडीए कोचिंग सेंटर को 15 रन से पराजित किया। जयपुरिया ग्राउंड में अखिल इंफ्रा ने पहले बैटिंग करके 40 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 223 रन बनाए। अभिनव दीक्षित ने नाबाद 65, मो. सैफ ने 31, सुभांश कुमार ने 34 और अमित चोपड़ा ने 22 रन बनाए। तेजस्व राज ने चार विकेट चटकाए। जवाब में एलडीए कोचिंग सेंटर की टीम 40 ओवर में नौ विकेट पर 208 रन बना सकी। हिमांशु असनोरा ने 90, आलोक सिंह ने 50 और राहुल रावत ने 37 रन बनाए। मो. सैफ ने चार, धर्मेन्द्र यादव और संदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बिक्री सूचना की उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध अंकुश पुंडीर ओ.ए. नंबर 552/2018 तथा आई.ए. नंबर 1059/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : टोयोटा इन्नोवा जीएक्स 7 सीटर
रजि. नंबर : UP16BN4019
विनिर्माण वर्ष : 2017
सुरक्षित मूल्य - रू. 10,80,000/-
ईएमडी - रू. 1,08,000/-
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 08 नवम्बर, 2019
3. नीलामी स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर-17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. मैनेजर : श्री शंकर कपूर मोबाइल नंबर : 9650193259

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें। इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी। इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 08 नवम्बर, 2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा न्यायालय नीलामकार श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण
II, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बिक्री सूचना की उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध ओमिड इंजीनियरिंग प्रा. लि. ओ.ए. नंबर 955/2018 तथा आई.ए. नंबर 198/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : बेन्ज़ एस 350सी
रजि. नंबर : DL9CX1000
विनिर्माण वर्ष : 2010
सुरक्षित मूल्य - रू. 8,40,000/-
ईएमडी - रू. 84,000/-
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 30-10-2019 पूर्वा. 11.00 बजे
3. नीलामी स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर-17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन की पीछे, गुड़गांव
4. मैनेजर : श्री शंकर कपूर मोबाइल नंबर : 9650193259

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें। इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी। इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 30-10-2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा न्यायालय नीलामकार श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

रोहित ने फिर चलाया बल्ला, सैकड़ा जड़ा

● श्रृंखला के तीसरे शतक से भारत के तीन विकेट पर 224 रन

एजेंसी। रांची

रोहित शर्मा ने टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए यहां श्रृंखला का तीसरा शतक जड़ा जिससे भारत ने खराब मौसम से प्रभावित तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर 224 रन बनाए।

रोहित खेल रहे हैं 117 रन पर

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद कागिसो रबादा (54 रन पर दो विकेट) और एनरिच नोर्टजे (50 रन पर एक विकेट) ने 15.3 ओवर में मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 39 रन कर दिया। रोहित (164 गेंद में नाबाद 117) और अजिंक्य रहाणे (135 गेंद में नाबाद 83) ने इसके बाद चौथे विकेट के लिए 185 रन की अटूट साझेदारी करके भारत की पारी को संवारा। अंतिम सत्र में हालांकि खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण सिर्फ छह ओवर का खेल हो पाया। अब तक अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़ने वाले रोहित सुनील गावस्कर के बाद किसी श्रृंखला में दो से अधिक शतक जड़ने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बने। गावस्कर ने 1970 में यह उपलब्धि हासिल की थी। रोहित ने डेन पीट पर छक्के के साथ अपना छठा और श्रृंखला का तीसरा शतक पूरा किया। सुबह के सत्र में जब रबादा तूफानी गेंदबाजी कर रहे थे तब इस सलामी बल्लेबाज ने सतर्कता बरती और फिर आकर्षक शाट खेले। उन्होंने पहले 23 रन 55 गेंद में बनाने के बाद अगले 75 रन 78 गेंद पर बनाए। रहाणे ने भी रोहित का शानदार साथ निभाते हुए सिर्फ 70 गेंद में 21वां अर्धशतक पूरा किया जो भारत में उनका सबसे तेज अर्धशतक है। सेनुरान मुथुस्वामी की जगह टीम में जगह बनाने वाले पीट को रोहित ने विशेष रूप से निशाना बनाया जिससे इस आफ स्पिनर ने छह ओवर में 43 रन लुटाए। चोटिल केशव महाराज की जगह टीम में शामिल किए गए बाएं हाथ के स्पिनर जार्ज लिंडे ने हालांकि एक छोर से कसी हुई गेंदबाजी की। रोहित और रहाणे के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहले स्पैल में दो विकेट चटकाने वाले रबादा दूसरे स्पैल में काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 30 रन खर्च कर दिए। रोहित को हालांकि शुरुआत में गेंदबाजों ने परेशान किया। वह सात रन के निजी स्कोर पर पगबाधा के फैसले के खिलाफ डीआरएस लेकर नाबाद रहने में सफल रहे। वह इसके बाद रन आउट से भी बचे जब जुबैर हमजा प्वाइंट से थ्रो पर विकेट गिराने में नाकाम रहे। भारतीय सलामी बल्लेबाजों को शुरुआत में ही असमान उछाल का सामना करना पड़ा जिसका रबादा और लुंगी एनगिडी ने पूरा फायदा उठाते हुए मेहमान टीम को गेंदबाजी में श्रृंखला की अब तक की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। रबादा ने अपने पहले स्पैल में सात ओवर में चार मेडन फेंकते हुए 15 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने पहले घंटे में ही सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (10) और चेतेश्वर पुजारा (00) को पवेलियन भेजा। रबादा ने अपने तीसरे ही ओवर में अग्रवाल को आउटस्विंगर पर तीसरी स्लिप में डीन एल्गर के हाथों कैच कराया। रबादा ने अपने पांचवें ओवर में पुजारा को पगबाधा किया। मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने पगबाधा की उनकी अपील ठुकरा दी थी लेकिन डीआरएस का सहारा लेने पर फैसला दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में गया। नोर्टजे ने इसके बाद कोहली को पगबाधा करके अपने करियर का पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। कोहली ने अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का सहारा लिया लेकिन अंपायर काल आने के कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। पुणे में दूसरे टेस्ट में नाबाद दोहरा शतक जड़ने वाले कोहली ने 12 रन बनाए। रोहित और रहाणे ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने लंच तक दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को और सफलता हासिल नहीं करने दी और भारत का स्कोर तीन विकेट पर 71 रन तक पहुंचाया। इससे पहले 30 साल के बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम टेस्ट क्रिकेट में भारत का पदार्पण करने वाले 296वें खिलाड़ी बने। चोटिल कुलदीप यादव की जगह टीम में शामिल किए जाने के 24 घंटे से भी कम समय में नदीम को टेस्ट पदार्पण का मौका मिला। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी 0-3 के क्लीनस्वीप से बचने की कवायद के तहत टीम में पांच बदलाव किए जिसमें चोटिल होने के कारण केशव महाराज और ऐडन मार्कराम टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। टीम में एनगिडी, हमजा, हेनरिक क्लासेन, लिंडे और पीट को जगह मिली जबकि महाराज और मार्कराम के अलावा वर्नन फिलेंडर, थ्यूनिस डि ब्रून और मुथुस्वामी बाहर रहे।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी: मयंक अग्रवाल का एल्गर बो रबादा 10, रोहित शर्मा खेल रहे हैं 117, चेतेश्वर पुजारा पगबाधा बो रबादा 00, विराट कोहली पगबाधा बो नोर्टजे 12, अजिंक्य रहाणे खेल रहे हैं 83, **अतिरिक्त:** 02, **कुल:** 58 ओवर में तीन विकेट पर: 224 रन, **विकेट पतन:** 1-12, 2-16, 3-39, **गेंदबाजी:** रबादा 14-5-54-2, एनगिडी 11-4-36-0, नोर्टजे 16-3-50-1, लिंडे 11-1-40-0, पीट 6-0-43-0

दूसरे दिन बारिश की भविष्यवाणी

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले जा रहे तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को भी बारिश का खलल पड़ सकता है। स्थानीय मौसम विभाग ने शनिवार को यह भविष्यवाणी की। खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण शनिवार को पहले दिन भी 58 ओवर का ही खेल हो पाया जिससे भारत ने तीन विकेट पर 224 रन बनाए। रांची में भारतीय मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया, रांची में कुछ जगहों पर आंधी और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। सोमवार के बाद से ऐसा होने की संभावना कम है। लगभग पूरे दिन आज बादल छाए रहे और सूरज आंख मिचौली खेलता रहा। रोहित शर्मा ने दूसरे सत्र में 45वें ओवर में डेन पीट पर छक्के के साथ जब अपना छठा शतक पूरा किया तो कुछ देर के लिए बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने इसके लिए मध्य प्रदेश के पूर्वी-मध्य क्षेत्र और आसपास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

रबादा ने दो खिलाड़ियों का आउट किया

बिजली गिरने से पूर्व फुटबालर की मौत, दो खिलाड़ी घायल

धनबाद (झारखंड)। पूर्व संतोष ट्राफी खिलाड़ी अभिजीत गांगुली की बिरसा मुंडा स्टेडियम में दैनिक अभ्यास सत्र के दौरान बिजली गिरने से मौत हो गई जबकि दो अन्य फुटबालर घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। 53 साल के गांगुली धनबाद रेलवे डिविजन के फुटबाल कोच है, वह स्टेडियम में लड़कों और लड़कियों को कोचिंग दे रहे थे जब सुबह साढ़े सात बजे के करीब बारिश शुरू हो गई और उन पर व दो अन्य खिलाड़ियों पर बिजली गिर गई। मौजूदा राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि लाल हेम्ब्राम और चंदन टुडू इससे उबर गए जबकि गांगुली बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। गांगुली के परिवार में एक बेटा, पत्नी और मां है, उन्होंने 1993 में संतोष ट्राफी राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप में बिहार टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

यूनिस ने आस्ट्रेलिया दौरे से पहले गेंदबाजों का विशेष शिविर लगाया

कराची। पाकिस्तानी गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने आस्ट्रेलियाई दौरे के लिए विकेट चटकाने वाले गेंदबाज ढूंढने की मुहिम के अंतर्गत दो स्पिनरों सहित 15 गेंदबाजों को विशेष शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह उल हक तथा यूनिस दोनों ने जोर दिया कि आस्ट्रेलिया में आगामी टी20 और टेस्ट श्रृंखला के लिए उनके पास विकेट लेने वाले गेंदबाज हों। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय चयन समिति ने कायदे आजम ट्राफी और मौजूदा राष्ट्रीय टी20 कप में अच्छा कर रहे 15 गेंदबाजों को हफ्ते के अंत में लगने वाले शिविर के लिए आमंत्रित किया। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास और शाहीन शाह अफरीदी को भी बुलाया गया है।

सरफराज के पास सम्मानजनक तरीके से पद छोड़ने का मौका था: सूत्र

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बर्खास्त किए गए सरफराज अहमद को सभी तीनों प्रारूपों में कप्तानी छोड़कर सम्मानजनक तरीके से जाने की सलाह दी थी लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस सुझाव को ठुकरा दिया। विश्वसनीय

सूत्रों के अनुसार सरफराज जब बोर्ड के सीईओ वसीम खान से शुक्रवार को मिले तो उन्हें पद छोड़ने को कहा गया। वह 2017 से तीनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम के कप्तान थे। पीसीबी सूत्र ने कहा, सरफराज ने ऐसा करने से साफ तौर पर मना कर दिया और वसीम से कहा कि बोर्ड अगर चाहता है तो उन्हें बर्खास्त कर सकता है लेकिन वह स्वयं पद नही छोड़ेंगे। सूत्र ने साथ ही कहा कि सरफराज आस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान की टी20 और टेस्ट टीम का भी हिस्सा नही होंगे क्योंकि कोच-मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक ने अब विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मौका देने का फैसला किया है।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से कोहली को मिल सकता है आराम

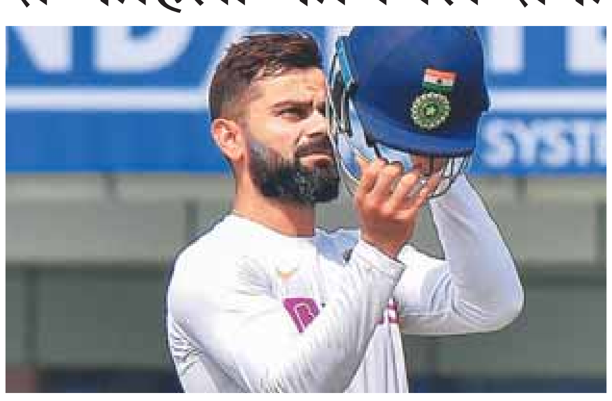

● तीन नवंबर से शुरू हो रही तीन टी20 मैचों की श्रृंखला

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान विराट कोहली को बांग्लादेश के खिलाफ यहां तीन नवंबर से शुरू हो रही तीन टी20 मैचों की श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है।
पिछले साल अक्टूबर से कोहली ने अधिकांश मैचों में हिस्सा लिया और इस दौरान वह भारत के 56 में से 48 मैचों में खेले। बांग्लादेश श्रृंखला के लिए टीम का चयन 24 अक्टूबर को किया जाएगा। चयन समिति के करीबी एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए संभावना है कि विराट को आराम दिया जा सकता है। सूत्र ने कहा, यह इस पर भी निर्भर करेगा कि कप्तान स्वयं कैसा महसूस करते हैं। वह अपने शरीर को सर्वश्रेष्ठ तरीके से समझता है और अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं भी चयनकर्ताओं से आराम की मांग कर सकता है। दिल्ली में पहले टी20 के बाद राजकोट और नागपुर में दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः सात और 10 नवंबर को खेला जाएगा।दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 14 नवंबर से इंदौर में शुरू होगी जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। दूसरा और अंतिम टेस्ट कोलकाता में 22 नवंबर से खेला जाएगा। भारत दिसंबर में तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा।

रहाने 83 रन बनाकर खेल रहे

नोर्टजे को अच्छी शुरुआत के बाद भारत को वापसी करने देने का मलाल

एजेंसी। रांची

● हमने निश्चित तौर पर बेहतर प्रदर्शन किया

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्टजे को मलाल है कि यहां तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन शनिवार को भारत का स्कोर तीन विकेट पर 39 रन करने बाद उनकी टीम ने मेजबान टीम को वापसी करने दी। श्रृंखला में क्लीनस्वीप से बचने की कवायद में जुटे दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने तीन विकेट जल्दी चटकाकर अच्छी शुरुआत की लेकिन रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे ने 185 रन की अटूट साझेदारी करके 58 ओवर में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 224 रन तक पहुंचा दिया। इसके बाद खराब मौसम के कारण दिन का खेल रद्द करना पड़ा। नोर्टजे ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, पिछले टेस्ट की तरह हमने निश्चित तौर पर बेहतर प्रदर्शन किया। हमने बस थोड़े बेहतर तरीके से मैच को नियंत्रित करने की कोशिश की। दुर्भाग्य से हम एक और विकेट हासिल नहीं कर पाए। उनके चार विकेट हासिल करना अच्छा रहता। उन्होंने कहा, एक या दो ओवर में हम हावी थे, बाद हमें हमने दोबारा वापसी की। शायद बीच में हम राह भटक गए लेकिन कुल मिलाकर सभी ने काफी अच्छा प्रयास किया। नोर्टजे ने कहा, कुल मिलाकर गेंदबाजों का प्रयास काफी अच्छा रहा। सुबह थोड़ी मदद मिल रही थी, इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने का प्रयास किया लेकिन एक या दो ओवर हमारे पक्ष में नहीं रहे। कागिसो रबादा ने 14 ओवर में 54 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि नोर्टजे ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को पवेलियन भेजा। नोर्टजे ने कहा, मैं विकेट की उम्मीद कर रहा था और उसे आउट करना अविश्वसनीय था लेकिन सब योजना को लागू करने का प्रयास किया। मैंने जितना अधिक संभव हो उतना दबाव डालने की कोशिश की और अंततः विकेट मिला। रबादा के प्रयास पर उन्होंने कहा, उसने काफी अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगता है कि लुंगी एनगिडी ने उसका अच्छा साथ दिया। शुरुआती साझेदारी अच्छी थी इसलिए उन्हें पूरा श्रेय जाता है। नोर्टजे इस बात से भी सहमत नहीं हैं कि उनके गेंदबाजों को एसजी गेंद से गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही है।

काश आप तब बोर्ड अध्यक्ष होते, जब यो-यो टेस्ट काफी प्रचलित था : युवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने शनिवार को सौरव गांगुली को भारतीय कप्तान से बीसीसीआई अध्यक्ष पद तक का सफर तय करने के लिए बधाई दी और मजाक में कहा कि उनके लिए अच्छा होता अगर वह तब बोर्ड की कमान संभालते जब यो-यो टेस्ट की काफी मांग थी। युवराज ने इस साल जून में संन्यास की घोषणा करते हुए खुलासा किया कि बीसीसीआई ने उन्हें यो-यो टेस्ट में विफल होने की हालत में विदाई मैच का वादा किया था लेकिन वह इस परीक्षण को पास करने में सफल रहे जिससे उन्हें यह विदाई मैच नहीं मिला। युवराज ने ट्वीट किया, जितना महान व्यक्ति, उतना ही शानदार सफर। भारतीय कप्तान से बीसीसीआई अध्यक्ष पद तक। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर का प्रशासक बनना शानदार होगा जिससे अन्य को भी खिलाड़ियों के हिसाब से प्रबंधन समझने का मौका मिलेगा। काश आप तब अध्यक्ष होते जब यो-यो टेस्ट की मांग थी। गुडलक दादा।

सिंगापुर ने विश्व टी20 क्वालीफायर में स्काटलैंड को हराया

दुबई। स्काटलैंड की टीम 2020 ट्वेंटी20 विश्व कप के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के पहले दिन सिंगापुर के खिलाफ उलटफेर का शिकार हो गई। दुनिया की 12वें नंबर की टीम स्काटलैंड को 169 रन का लक्ष्य दिया गया था लेकिन टीम को दो रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि अंतिम ओवर में उसे सिर्फ आठ रन की दरकार थी। दुनिया की 21वें नंबर की टीम सिंगापुर ने सुरेंद्र चंद्रमोहन की 51 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। स्काटलैंड की टीम इसके जवाब में तीन विकेट पर 123 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन सेलाडोर विजयकुमार (16 रन पर तीन विकेट), सिद्धांत सिंह (27 रन पर दो विकेट) और अमजद महबूब (36 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 166 रन ही बना सकी। स्काटलैंड की ओर से जार्ज मुन्से ने 46 जबकि कैलम मैकलियोड ने 44 रन की पारी खेली। अमजद के अंतिम ओवर में तीन विकेट गिरने से हालांकि स्काटलैंड की टीम पांच रन ही बना सकी।

रोहित की सफलता का राज है उनकी मनः स्थिति : राठौड़

एजेंसी। रांची

● टेस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर चमक रहे

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने शनिवार को रोहित शर्मा की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही श्रृंखला में टेस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर सफलता का श्रेय उनकी मनः स्थिति को दिया। रोहित ने शानदार लय जारी रखते हुए श्रृंखला में तीसरा शतक जड़ा जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम मैच के शुरूआती दिन खराब शुरूआत के बावजूद तीन विकेट पर 224 रन बना लिए। राठौड़ ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, वह इतना अनुभवी खिलाड़ी है। मुझे नहीं लगता कि आपको उसकी तकनीक में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। सिर्फ एकमात्र तालमेल, मेरे ख्याल से उसे सिर्फ खेल की योजना बनाना था। रोहित अभी 117 रन बनाकर खेल रहे हैं और अजिंक्य रहाणे (नाबाद 83) के साथ नाबाद 185 रन की भागीदारी निभा चुके हैं। राठौड़ ने कहा, मेरा हमेशा मानना है कि वह किसी भी प्रारूप के लिए बहुत बढ़िया खिलाड़ी है। उसे पारी का आगाज कराना बहुत अच्छा फैसला था। उन्होंने कहा, उस जैसा अनुभवी खिलाड़ी अगर शीर्ष क्रम में खेलता है तो इससे भारतीय टीम में सब कुछ बदल जाएगा, यहां तक कि जब आप दौरे पर होंगे तब भी। भारत ने 39 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जो भारत की श्रृंखला में सबसे खराब शुरूआत थी। इसके बारे में बात करते हुए राठौड़ ने कहा, शुरू में थोड़ी सी नमी थी और विकेट से मदद मिल रही थी। उन्होंने भी सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की लेकिन हमारा इन झटकों से उबरना शानदार रहा। दोनों ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और लंच के बाद विकेट थोड़ा आसान हो गया। रोहित जब सात रन पर थे तो उन्हें पगबाधा आउट दिया गया था लेकिन रिव्यू के बाद वह बच गए। टेस्ट में आपको इस तरह के कठिन स्पैल खेलने होते हैं। मुझे लगता है कि वह इस श्रृंखला में अच्छा कर रहा है। एक बार वह जम जाता है तो वह शानदार खिलाड़ी है और हम सभी जानते हैं कि वह गेंदबाजों को रौंद सकता है।

विजय हजारे नाकआउट में दिल्ली का सामना गुजरात से

● आज होगा मुकाबला
● अनुभवी धवन पर बड़ी पारी खेलने का दबाव

एजेंसी। बेंगलुरु

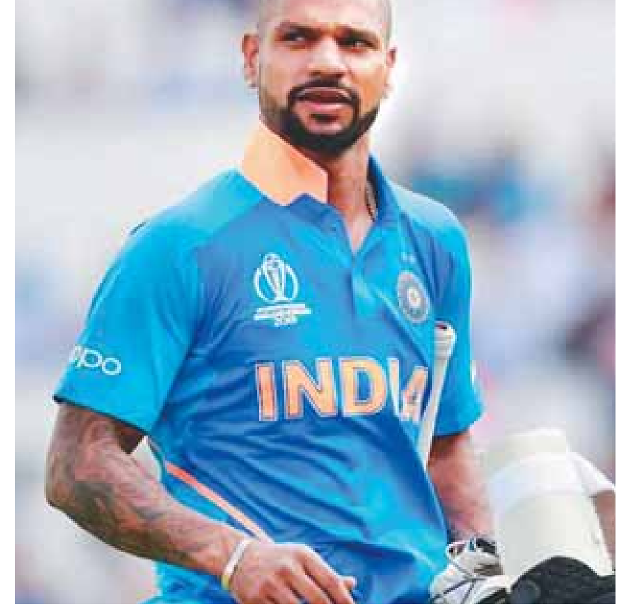

लंबे लीग चरण के बाद आठ टीमें रविवार से यहां विजय हजारे ट्राफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के नाकआउट चरण में हिस्सा लेंगी जिसमें दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। दिल्ली को उम्मीद होगी कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन बड़ी पारी खेलने और युवा बल्लेबाज क्रम को एकजुट करने में सफल रहेंगे। पार्थिव पटेल और प्रियांक पांचाल जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी वाले विरोधी टीम के बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ दिल्ली की नजरें तेज गेंदबाज नवदीप सैनी पर टिकी होंगी। गत चैंपियन मुंबई के लिए हालांकि खिताब बचाना आसान नहीं होगा। मुंबई का सामना 21 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ से होगा जबकि ग्रुप सी में अपने सभी मैच जीतने वाला तमिलनाडु इसी दिन पंजाब के खिलाफ उतरेगा। मुंबई की टीम भाग्यशाली रही कि खराब मौसम के कारण दो मैच रद्द होने के बावजूद अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। छत्तीसगढ़ ने लीग चरण के बड़े स्कोर वाले मैच में मुंबई को हराया था और श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम हार का बदला चुकता करने को बेताब होगी। सभी की नजरें मुंबई के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (382 रन) पर टिकी होंगी जिन्होंने मुंबई के अंतिम लीग मैच में दोहरा शतक जड़ा और यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ को स्टार खिलाड़ी अमनदीप खरे और गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दिनेश कार्तिक की अगुआई वाली तमिलनाडु की टीम के पास अभिनव मुकुंद (513 रन), मुरली विजय, बाबा अपराजित (470 रन) और विजय शंकर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। कप्तान भी अच्छी लय में हैं और लीग चरण में 135.79 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बना चुके हैं। युवा बल्लेबाज एम शाहरूख खान ने भी अपनी बड़े शाट खेलने की क्षमता दिखाई है और कप्तान के साथ कुछ उपयोगी साझेदारियां कर चुके हैं। ग्रुप सी में अपने सभी नौ मैच जीतने वाले तमिलनाडु की राह पंजाब के खिलाफ आसान नहीं होगी जिसका गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। जयपुर में शानदार प्रदर्शन के बाद तमिलनाडु को बेंगलुरु में बिलकुल अलग हालात का सामना करना होगा जहां बारिश ने बड़ी भूमिका निभाई है। तमिलनाडु के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन और के विग्नेश जैसे गेंदबाज हैं जिन्हें अनमोलप्रीत सिंह (नौ मैचों में 462 रन) और गुरकीरत सिंह मान जैसे बल्लेबाजों की चुनौती का सामना करना पड़ा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में मनीष पांडे की अगुआई वाले कर्नाटक का सामना क्वार्टर फाइनल में पुडुचेरी की नई नवेली टीम से होगा। आठ मैच में 505 रन बनाने वाले पांडे और सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल अच्छी लय में है। टीम हालांकि पुडुचेरी को हल्के में नहीं लेगी जिसके पास कर्नाटक के पूर्व स्टार खिलाड़ी विनय कुमार हैं।

नाकआउट कार्यक्रम इस प्रकार है: 20 अक्टूबर : कर्नाटक बनाम पुडुचेरी और दिल्ली बनाम गुजरात, 21 अक्टूबर : तमिलनाडु बनाम पंजाब, छत्तीसगढ़ बनाम मुंबई

क्विक न्यूज

नेपाल में हत्या के आरोप में एक भारतीय गिरफ्तार

भैरवा। नेपाल के रूपानदेही जिले में पिछले महीने हुई एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में एक भारतीय को गिरफ्तार किया गया है। हिमालयन टाईम्स ने रूपानदेही जिला पुलिस कार्यालय के हवाले से खबर दी है कि नेपाली नागरिक महेंद्र प्रसाद कुर्मी की हत्या के सिलसिले में 16 अक्टूबर को मनीष हरिजन (40) को गिरफ्तार किया गया जो उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के माचरी गांव का रहने वाला है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी हरिजन ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस अधीक्षक हेम कुमार थापा ने कहा, हमने मुख्य निशानेबाज को गिरफ्तार किया है लेकिन मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन अन्य आरोपी अभी फरार है।

आत्मसमर्पण नहीं करने पर भारतीय मूल के व्यक्ति की कैद की अवधि बढ़ी

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को सजा काटने के लिए आत्मसमर्पण करने में विफल रहने पर नौ महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई गई है। अमेरिकी अटॉर्नी एमग्रेगोर स्कॉट ने कहा कि लॉस एंजिलिस के 34 वर्षीय दमनप्रीत सिंह को पिछले हफ्ते अमेरिकी जिला न्यायाधीश गारलैंड बेल ने सजा सुनाई थी। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक पिछले साल सितंबर में सिंह को रिश्वत लेने की साजिश करने, पहचान में धोखाधड़ी और कंप्यूटर तक अनधिकृत पहुंच के मामले में दो साल कैद की सजा सुनाई गई थी। उसे इस साल जनवरी से शुरू हो रही सजा के लिए आत्मसमर्पण करने को कहा गया था। हालांकि सिंह ने आत्मसमर्पण करने की बजाए हिरासत से बाहर रहने की कोशिश की।

एफएटीएफ की कार्रवाई योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि वह वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की कार्रवाई योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने यह बयान तब दिया है जब आतंकवाद को मुहैया कराए जाने वाले धन की निगरानी करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था एफएटीएफ ने शुक्रवार को उसे चेतावनी दी कि यदि उसने आतंकवाद को मिल रहे धन को अगले साल फरवरी तक नियंत्रित नहीं किया तो उसे काली सूची में डाल दिया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे को उठाने पर भारत ने की पाकिस्तान की खिंचाई

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के एक मंच पर उठाने पर पाकिस्तान को फटकार लगाते हुए कहा कि देश अपने विकृत एजेंडे को चलाने के लिए खाली बयानबाजी करता है और लगातार आरोप गढ़ने में लगा रहता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन में मंत्री दीपक मिश्रा ने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजदूत मलीहा लोधी के एक बयान की प्रतिक्रिया में थी, जिन्होंने पिछले सप्ताह विश्व निकाय के एक मंच पर बोलते हुए जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर फिर से राग अलापा था। लोधी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को रद्द करने के भारत के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे के समाधान के बिना संयुक्त राष्ट्र का अनौपनिवेशीकरण को खत्म करने का एजेंडा अधूरा रहेगा। मिश्रा ने बुधवार को कहा, मंच पर जानबूझकर विषय से भटकाने की कोशिश की जा रही है और अनुचित टिप्पणियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा, वह अपने विकृत एजेंडे को चलाने के लिए खाली बयानबाजी करते रहते हैं और घटिया तथा बेबुनियाद आरोपों को फैलाने में लगे रहते हैं। मिश्रा ने समिति को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से, 80 से अधिक पूर्व उपनिवेशों ने स्वतंत्रता प्राप्त की है और संयुक्त राष्ट्र के परिवार में शामिल हुए हैं।

सुरक्षा परिषद को आईसीजे से ज्यादा से ज्यादा मदद लेनी चाहिए

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अंतरराष्ट्रीय विवादों के न्यायिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए किसी अन्य माध्यम को चुनने की बजाए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) से ज्यादा से ज्यादा मदद लेनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के प्रथम सचिवा कानूनी सलाहकार वाई. उमाशंकर ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक अंग, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, राष्ट्रों के बीच विवाद पर निर्णय कर अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाता है। उमाशंकर ने कहा, देश शांतिपूर्ण तरीके से अपने विवाद सुलझाने के लिए बाध्य हैं जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर का एक मूलभूत सिद्धांत है।

चार्टर का अनुच्छेद 33 इस कर्तव्य को और मजबूत करता है और वे जरिए उपलब्ध कराता है जो विवाद में शामिल पक्ष स्वतंत्र रूप से चुन सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर महासभा की छठे समिति सत्र में उमाशंकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के छठे चैप्टर के तहत सुरक्षा परिषद को न्यायिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए अन्य कोई विकल्प चुनने की बजाए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख बार-बार करना चाहिए।

लंदन के डाउनिंग स्ट्रीट के पास शनिवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनके शीर्ष सलाहकार डोमिनिक कमिंग्स का पुतला

अफगानिस्तान की मस्जिद में विस्फोट में मारे गए 66 लोगों को दफनाया गया

एजेंसी। काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान की एक मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए बम विस्फोट में मारे गए 66 लोगों को दफना दिया गया है। अंत्एष्टि में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। नांगरहार प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता अताउल्ला खोज्ञानी ने कहा कि जोडारी गांव स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए बम विस्फोट में 36 लोग घायल भी हुए हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि मस्जिद पर आत्मघाती हमला हुआ या किसी अन्य प्रकार का हमला। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या 66 है। उन्होंने कहा कि 10 घायलों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

हस्कीमीना जिले के आसपास के ग्रामीणों ने कहा कि मस्जिद में बम विस्फोट के समय सौ से अधिक नमाजी थे। गुलाब शिनवारी नाम के एक ग्रामीण ने कहा कि जब वह अन्य स्थानीय लोगों के साथ विस्फोट स्थल पर पहुंचा तो उन्हें दिल दहला देने वाला दृश्य दिखा। हमले की अभी किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन तालिबान और इस्लामिक स्टेट समूह दोनों ही पूर्वी अफगानिस्तान, खासकर नांगरहार प्रांत में सक्रिय हैं। वहीं, तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान जारी करके नांगरहार में हमले की निंदा की और इसे एक गंभीर अपराध बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमले की कड़ी निंदा की है और कहा है कि हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। एमनेस्टी इंटरनेशनल के दक्षिण एशिया के उप निदेशक उमर वारैक ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन, नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने जैसी चीजों की कोई अनदेखी नहीं कर सकता। यह हिंसा ऐसे समय हुई है, जब संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में युद्ध में रिकार्ड संख्या में अफगान नागरिक मारे जा रहे हैं।

बिलावल भुट्टो ने पूरे पाकिस्तान में सरकार विरोधी प्रदर्शन करने की घोषणा की

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के विपक्षी नेता बिलावल भुट्टो-जरदारी ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री इमरान खान पर इस्तीफा देने का दबाव बनाने और देश में वास्तविक लोकतंत्र बहाल करने के लिए उनकी पार्टी देश में व्यापक स्तर पर सरकार विरोधी प्रदर्शन करेगी।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि सरकार से लोगों का विश्वास उठ चुका है क्योंकि उसने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने पार्टी की एक रैली में अपने संबोधन में कहा, हमारी मांग देश में फिर से लोकतंत्र बहाल करने की है।

बिलावल ने कहा, हम यह कृत्रिम लोकतंत्र स्वीकार नहीं करते हैं...लोगों के लोकतांत्रिक और सामाजिक आर्थिक अधिकार बहाल किए जाएं...और इसके लिए इमरान खान को इस्तीफा देना होगा।

उन्होंने कहा, हमारा सरकार विरोधी आंदोलन कराची से शुरू हो चुका है। बिलावल ने प्रधानमंत्री पर कश्मीर मुद्दे से समझौता करने का आरोप लगाया।

तुलसी गबार्ड ने हिलेरी क्लिटंन को युद्ध भड़काने वाली रानी करार दिया

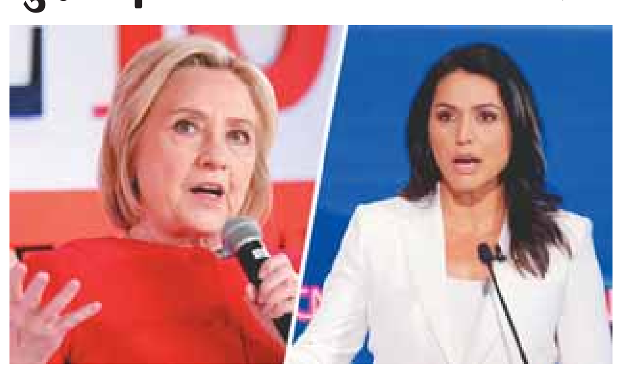

एजेंसी। वाशिंगटन

डेमोक्रेट सांसद तुलसी गबार्ड ने शुक्रवार को पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन को युद्ध भड़काने वाली रानी करार दिया। क्लिंटन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रूस तीसरे पक्ष के उम्मीदवार के रूप में गबार्ड को तैयार कर रहा है।

गबार्ड ने पिछले साल खुद को राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दौड़ में शामिल करने का निर्णय लिया था और हिंदू होने की वजह से वह भारतीय-अमेरिकी लोगों की पसंदीदा उम्मीदवार हैं। क्लिंटन ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार के दौरान गबार्ड पर आरोप लगाया था कि रूस उनकी मदद कर रहा है, ताकि वह राष्ट्रपति चुनाव में तीसरे पक्ष के उम्मीदवार के रूप में उभर सकें। पूर्व विदेश मंत्री ने जाहिर तौर पर गबार्ड का हवाला देते हुए कहा, मैं कोई भविष्यवाणी नहीं कर रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि उनकी नजर (रूस की) ऐसे व्यक्ति पर है जो फिलहाल डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों में प्राइमरी दौड़ में हैं और रूस उनकी मदद कर रहा है।

हिलेरी क्लिंटन के ईमेल जांच मामले में 38 व्यक्ति नियम उल्लंघन के दोषी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के निजी ईमेल इस्तेमाल मामले की जांच पूरी कर ली है और पाया है कि 38 लोगों ने नियमों का उल्लंघन किया। इन लोगों को अनुशासनात्मक कार्वाई का सामना करना पड़ सकता है।

श्रीलंका एफएटीएफ की संदिग्ध सूची से बाहर

कोलंबो। आंतकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन एफएटीएफ ने श्रीलंका को संदिग्ध सूची से बाहर कर दिया है। मीडिया में आई खबर में यह बात कही गई है।

कोलंबो गजट समाचार पत्र की खबर के अनुसार श्रीलंका अब वित्तीय कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) की वैश्विक धन-शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण (एएमएला सीएफटी) अनुपालन की जारी प्रक्रिया के तहत निगरानी में नहीं होगा। खबर के अनुसार एफएटीएफ ने शुक्रवार को पेरिस में संपन्न हुई अपनी पांच दिवसीय बैठक के बाद कहा कि श्रीलंका ने रणनीतिक एएमएलासीएफटी कमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पेरिस स्थित संगठन एफएटीएफ ने अक्टूबर 2016 में घोषणा की थी कि श्रीलंका आतंकी वित्तपोषण को लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय सहयोग समीक्षा समूह (आईसीआरजी) की निगरानी में होगा, जो श्रीलंका में एएमएलासीएफटी की प्रभावशीलता का आकलन करेगा। श्रीलंका को अक्टूबर 2017 में संदिग्ध सूची (ग्रे लिस्ट) में शामिल किया गया था।

भारत-अमेरिका का रक्षा कारोबार इस साल 18 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद : पेंटागन

एजेंसी। वाशिंगटन

भारत-अमेरिका रक्षा तकनीक एवं कारोबार नवोन्मेष (डीटीटीआई) की अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली सामूहिक बैठक से पहले शनिवर को पेंटागन ने कहा कि इस साल के अंत तक दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय रक्षा कारोबार 18 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रक्षा खरीद एवं प्रमाणन उपमंत्री एलेन एम लॉर्ड ने कहा कि दोनों देश की सेनाओं के बीच संबंध एवं सहयोग को आगे बढ़ाते हुए अमेरिका भारत के साथ अपनी साझेदारी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पेंटागन में संवाददाताओं से कहा, द्विपक्षीय रक्षा कारोबार जो कि 2008 में शुरुआत शून्य पर था, उसके इस साल के अंत तक 18 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना है। लॉर्ड यहां अगले सप्ताह होने वाली डीटीटीआई की बैठक की सह अध्यक्षता करेंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल भारत को इंडिया स्ट्रैटजिक ट्रेड अथॉरिटी टियर। का दर्जा दिया था। जो कि भारत को नाटो सहयोगी जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जितने ही अधिकार देता है।

स्पेन के बार्सिलोना में पुलिस के साथ संघर्ष के दौरान पत्थर फेंकते हुए कैटेलोनिया के स्वतंत्रता-समर्थक प्रदर्शनकारी

तुर्की ने कुर्द बलों पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया

इस्तांबुल। तुर्की ने शनिवार को कुर्द बलों पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। सीमा के पास के सुरक्षित क्षेत्र से पीछे हटने की स्थिति में तुर्की सीरिया में अभियान रोकने को राजी हुआ था।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तुर्की के सशस्त्र बल समझौते से बंधे हैं। इसके बावजूद, आतंकियों ने पिछले 36 घंटे में 14 हमले किए। मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी-पूर्वी सीरिया के सीमाई शहर रास अल ऐन से 12 हमले किए गए। इसके अलावा ताल अबयाद और तल तम्र क्षेत्र से भी हमले किए गए। हमले में हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तुर्की पांच दिनों के लिए सीरिया में अपना अभियान रोकने पर राजी हुआ था लेकिन राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शुक्रवार को चेताया था कि कुर्द बल सुरक्षित क्षेत्र से नहीं हटे तो सीरिया में उनके खिलाफ तुर्की फिर से अपना अभियान शुरू करेगा।

साइबेरिया में बांध टूटने से सोने की खदान में 15 लोगों की मौत

एजेंसी। मॉस्को

साइबेरिया के क्रासनोयार्स्क क्षेत्र में शनिवार को एक बांध टूटने की वजह से सोने की एक खदान में 15 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जन भर से ज्यादा लापता है। रूस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में सीबा नदी पर बना बांध शनिवार तड़के टूट गया जिससे श्रमिकों के कई कैबिन पानी में डूब गए। इनमें श्रमिक रह रहे थे। जांच अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्रीय गवर्नर एलेक्जेंडर उस ने टीवी पर एक टिप्पणी में कहा कि करीब 80 लोग क्रासनोयार्स्क के दक्षिणी क्षेत्र में अस्थाई बस्ती में रह रहे थे। अस्थाई बस्ती में रहने वाले लोगों की संख्या लगभग 180 है। आपातकाल मंत्रालय ने बताया कि 270 लोग तलाश और बचाव अभियान में जुटे हुए हैं।

कोविंद ने भारत में यकृत प्रतिरोपण कराने वाले शिशुओं के परिजनों से बातचीत की

एजेंसी। मनीला

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने फिलीपीन में उन शिशुओं के माता-पिता से शनिवार को बातचीत की जिनका भारत में सफल यकृत प्रतिरोपण किया गया। उन्होंने दक्षिणपूर्व एशिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के संवाद पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पिछले 28 महीनों में फिलीपीन के 35 शिशुओं का भारत में सफल यकृत प्रतिरोपण किया गया। यह फिलीपीन-भारत बाल चिकित्सा यकृत प्रतिरोपण कार्यक्रम के तहत हुआ। पांच दिन के आधिकारिक दौरे पर बृहस्पतिवार को फिलीपीन आए राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, भारतीय चिकित्सा संस्थान फिलीपीन के चिकित्सा संस्थानों के साथ यह देखने के लिए काम कर रहे हैं कि इसी तरह के प्रतिरोपण की सफलता दर फिलीपन में भी हो और यहां कीमत कम की जा सके। कोविंद ने कहा कि वह खुश हैं कि फिलीपीन के साथ भारत के मिल कर काम करने से लोगों की समस्याएं एवं जीवनदाई परियोजनाएं उसके दायरे में आई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने एक ट्वीट में कहा कि राष्ट्रपति ने यकृत प्रतिरोपण के लिए फिलीपीनी शिशुओं की सर्जरी की कहानियां सुनी। उन्होंने ट्वीट किया, राष्ट्रपति ने बाइलरी आर्ट्रेसिया के इलाज के लिए भारतीय चिकित्सकों द्वारा मैक्स और अपोलो अस्पताल में फिलिपीन के शिशुओं के यकृत प्रतिरोपण किए जाने की कहानियां सुनी। फिक्की की फिलीपीन इकाई गरीब मरीजों के उपचार के लिए मदद उपलब्ध करा रही है।

मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक फिलीपीन में यकृत प्रतिरोपण जैसे विशिष्ट उपचार की लागत बहुत ज्यादा है जिसके चलते मरीजों को सस्ते इलाज के लिए भारत जैसे देशों की तरफ देखना पड़ता है।

हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद चिली के राष्ट्रपति पिनेरा ने आपातकाल की घोषणा की

एजेंसी। सैंटियागो

चिली के राष्ट्रपति ने सैंटियागो में आपातकाल की घोषणा कर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। मेट्रो के किराए में वृद्धि को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है।

राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा ने कहा, मैंने आपातकाल की घोषणा कर दी है और हमारे देश के आपातकालीन कानून के प्रावधानों के अनुसार, मेजर जनरल जेवियर इटुरियागा डेल कैंपो को राष्ट्रीय रक्षा प्रमुख नियुक्त किया है। शुक्रवार को, प्रदर्शनकारियों की शहर के कई हिस्सों में दंगा पुलिस के साथ झड़प हुई और कई स्टेशनों पर हमलों के बाद मेट्रो सेवा को बंद कर दिया गया।शहर में कई जगहों पर हुई हिंसा के दौरान करीब 16 बसों को आग लगा दी गई और एक दर्जन मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

राष्ट्रपति ने आधी रात को आपालकाल लगाने की घोषणा की। पिनेरा ने एक बयान में कहा, आपातकाल लगाने का मकसद बहुत सरल लेकिन बहुत गंभीर है : सैंटियागो के निवासियों के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना। आपातकाल शुरुआती तौर पर 15 दिनों के लिए लगाया गया है और इस दौरान गतिविधियों और सभा करने पर प्रतिबंध रहेगा। आपातकाल के कारण, नेशनल फुटबॉल एसोसिएशन ने इस सप्ताहांत के मैचों को रद्द कर दिया है।

जनरल इटुरियागा ने कहा कि सेना 70 लाख आबादी वाले शहर के संकटग्रस्त स्थलों पर गश्त करेगी, लेकिन वर्तमान में कर्फ्यू नहीं लगाएगी। उन्होंने कहा, हम अभी किसी भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिबंधित नहीं करने जा रहे हैं।

पिनेरा ने अव्यवस्था फैलाने को लेकर प्रदर्शनकारियों की निंदा की।उन्होंने एक रेडियो साक्षात्कार में कहा, हर चीज को क्षति पहुंचाने की यह इच्छा कोई विरोध नहीं, बल्कि अपराध है। गुरुवार को, मेट्रो स्टेशनों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 133 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

जी7 सम्मेलन का आयोजन ट्रंप के रिजॉर्ट में होने से रोकने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे डेमोक्रेट्स

वाशिंगटन। फ्लोरिडा स्थित अपने गोल्फ रिजॉर्ट में अगले जी7 शिखर सम्मलेन का आयोजन करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया देने वाले डेमोक्रेट्स सांसदों ने उनकी इस योजना को रोकने के लिए शुक्रवार को एक प्रस्ताव पेश किया।

सांसदों ने कहा, ट्रंप्स हीस्ट अंडरमाइन्स द जी-7 (ठग) एक्ट उस कदम के लिए सभी संघीय वित्तपोषण को बंद कर देगा जिसके तहत सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को अगले साल जून में ट्रंप के मियामी स्थित नेशनल डोराल गोल्फ क्लब में एकत्र करने की घोषणा की गई है। इस प्रस्ताव के चलते व्हाइट हाउस को सभी संबंधित दस्तावेजों को भी खंगालना होगा जो यह दिखाते हों कि प्रशासनिक अधिकारी डोराल (गोल्फ क्लब) में सम्मेलन के आयोजन के फैसले तक कैसे पहुंचे। सदन की गृह सुरक्षा संबंधी समिति के प्रमुख बेनी थॉम्पसन ने एक बयान में कहा, यह आशंका है कि ट्रंप प्रशासन जी7 सम्मेलन के आयोजन का फैसला लेकर राष्ट्रपति की जेब भरने के लिए संविधान को दरकिनार कर देगा। डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा में ट्रंप की निंदा के प्रस्ताव के रूप में यह आसानी से पारित हो सकता है।

उत्तरी सीरिया में संघर्ष विराम का पहला दिन सकारात्मक रहाः पोम्पिओ

एजेंसी। ब्रसेल्स

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तरी सीरिया में तुर्की और कुर्द लड़ाकों के बीच की लड़ाई में तय किए गए पांच दिन के संघर्षविराम में पहला दिन सकारात्मक रहा।

उन्होंने ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में हुई बैठक के बाद कहा, आज कुछ गतिविधि हुई, लेकिन हमने सकारात्मकता भी देखी। हालांकि उत्तरी सीरिया में अब भी अलग-अलग स्थानों पर छिट-पुट संघर्ष जारी है लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री का कहना है कि संघर्षविराम शुरू हो चुका है। अमेरिका के अनुरोध पर तुर्की ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की थी। दरअसल कुर्द सीमा से लगे क्षेत्र में कुर्द बलों को 32 किलोमीटर पीछे जाने को कहा गया है। संघर्षविराम की यह समय सीमा मंगलवार रात तक है। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शुक्रवार को चेताया कि कुर्द बल सुरक्षित क्षेत्र से नहीं हटे तो सीरिया में उनके खिलाफ तुर्की फिर से अपना अभियान शुरू करेगा।

सीरिया से सैनिकों को हटाने का ट्रंप का फैसला रणनीतिक गलतीः मैकोनेल

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटर मिच मैककोनेल ने सीरिया से सैनिकों को वापस बुलाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की शुक्रवार को आलोचना करते हुए इसे एक रणनीतिक गलती बताया। मैककोनेल ने कहा कि ट्रंप के इस कदम से अमेरिका के शत्रुओं को मदद मिलेगी तथा उसके सहयोगी दलों को नुकसान होगा। अमेरिकी कांग्रेस में शीर्ष रिपब्लिकन मैककोनेल ने लिखा, हमने देखा कि तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के पीछे हटने के बाद इराक में इस्लामिक स्टेट फूला फला।

पायनियर
रविवार, 20 अक्टूबर, 2019

एजेण्डा

कमजोरी एक ऐसी चीज़ है जिसे हम स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। हम इसे लोगों के खिलाफ बनाए रखते हैं, जब तक कि उसका अनुभव नहीं करते, और तब हम इसके प्रति और दयावान हो जाते हैं।
- ओलिविया वाइल्ड

नया ट्रैफिक कानून - एक अच्छी पहल

मोटर वाहन अधिनियम में हालिया संशोधनों से ट्रैफिक नियम अधिक सख्त हो गए हैं, और वे उल्लंघन की स्थिति में भारी चालान कर रहे हैं। बढ़ा हुआ जुर्मानों ने किस प्रकार परिणामों में भारी बदलाव लाया है, इस पर विस्तृत जानकारी देती है मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

गड्ढों व खुले मेनहोल वाली बदतर रख रखाव वाली सड़कें, एक ट्रैफिक सिगनल जिसकी लाल बत्ती हमेशा जलती रहती है, जेब्रा क्रासिंग पर भारी मात्रों में वाहनों का कब्जा, अपनी मर्जी मुताबिक कहीं से कभी भी सड़क पार करते पैदल यात्री और एक खाली ट्रैफिक पुलिस स्टैंड, भारत में रोज आने-जाने वाले राहगीरों के लिए यह रोजमर्रा का नजारा है। इस समूची उथल पुथल के बीच नये चालान नियम किसी के वरदान बनकर आते हैं तो किसी के लिए अभिशाप।

नये नियमों के तहत, जुर्माना कई गुना बढ़ा दिया गया है। सामान्य उल्लंघनों पर, पहले जुर्माना 100 रूपए था जो अब पांच सौ रूपए है। बगैर लाइसेंस गाड़ी चलाने पर जुर्माना था 500 रूपए जो अब बढ़ा कर 5000 रूपए कर दिया गया है, सीट बेल्ट न लगाने पर जहां 100 रूपए देने पड़ते थे, अब 1000 देने पड़ते हैं, तेजगति से वाहन चलाने पर जो जुर्माना 400 रूपए था वो अब बढ़कर 1000 व उससे भी अधिक हो गया है। यह बेतहाशा वृद्धि दिखाती है कि हमारे देश ने उन ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है जिन्हें पहले नजरंदाज कर दिया जाता था। नए नियम निश्चित रूप से ट्रैफिक हालात को सुधार रहे हैं, अगर तत्काल बदल नहीं रहे तो बेहतर अवश्य बना रहे हैं।

श्री रवीन्द्र कुमार वशिष्ठ, ट्रैफिक इंचार्ज, नोएडा कहते हैं कि अधिनियम में संशोधनों ने भारी नतीजे सामने लाए हैं। वह कहते हैं, ''ट्रैफिक हालात नोएडा में सुधरे हैं। अब, लोग जेब्रा क्रासिंग पर खड़े होने में झिझकते हैं, वे सीट बेल्ट पहनते हैं और कभी भी लाल बत्ती क्रास नहीं करते हैं भले ही कोई पुलिस वाला सड़क पर खड़ा हो या नहीं। ''

वह बताते हैं कि यमुना एक्सप्रेस वे समेत, नोएडा में लगभग हर कहीं सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जब से जुर्माना बढ़ाया गया है, लोगों ने चालान से बचने के अनेक बहानों के साथ निकलना शुरू कर दिया है, लेकिन वशिष्ठ कहते हैं कि कानून तो कानून है और इससे कोई छुटकारा नहीं है।

वह बताते हैं, '' हमें लोग विभिन्न प्रकार के बहाने बनाते मिलते हैं, उदाहरण के लिए कुछ कहते हैं कि हम तो हमेशा पेपर अपने साथ रखते हैं आज भूल गए सर, या हमारे घर में कोई बीमार है इस बार छोड़ दो सर। लेकिन कानून तो कानून है और इससे कोई भी बच नहीं सकता है। यदि कोई नियम उल्लंघन का दोषी है तो हमें कानून का पालन करना पड़ता है और उसे सजा देनी पड़ती है।''

चालान से बचने का बहाना बनाता व्यक्ति, (नीचे) ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेल्मेट पहले दो बाइक सवारों को रोका था
फोटो : रंजन दिमरी

सेफ रोड फाऊंडेशन के संस्थापक, मोहम्मद इमरान, जिन्होंने सड़कों व संकेतों पर अनेक शोधकार्य किए हैं, कहते हैं कि जुर्माना बढ़ाने का सरकार का कदम प्रशंसनीय है लेकिन और भी काफी कुछ है जो सरकार को करना चाहिए।

इमरान कहते हैं, ''कुछ लोगों का मानना है कि सड़कों की स्थिति को दिमाग में रखते हुए, जुर्माना बढ़ाना एक अच्छा विचार नहीं है। लेकिन मेरा अलग मानना है। वे सारी मौतें, जो सड़कों पर होती हैं, केवल 3000 मौतें ही बुरी हालत के कारण होती हैं जबकि लगभग एक लाख मौतें सड़क दुर्घटना का परिणाम हैं। जिसका कारण ड्राइवरों का प्रशिक्षित न होना है।

हममें से कई लोगों ने अपने घर के लोगों से गाड़ी चलाना सीखा है, कुछ ने इसे अपने आप सीखा है जबकि कुछ ही लोग होंगे जो ड्राइविंग स्कूल गए होंगे। इसीलिए हम केवल ड्राइविग की मूल बातें जानते हैं जबकि यह नहीं जानते कि उचित ड्राइविंग होती क्या है। हममें से कई लोग विभिन्न संकतों का अर्थ तक नहीं समझते हैं। अनेक ड्राइविंग स्कूलों के पास तो प्रशिक्षित ड्राइवर तक नहीं होते हैं। वे बस यही करना सिखाते हैं कि क्लच, एक्सीलेटर, गीयर और ब्रेक को कैसे लगाएं। बस इतना ही। वे खुद संकेतों के बारे में नहीं जानते हैं। यहां आवश्यकता है ड्राइवरों के प्रशिक्षण की और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता फैलाने की। ड्राइविंग स्कूल कर्मचारियों के लिए उचित प्रशिक्षण कोर्स होने चाहिए। सरकार को उन ड्राइविंग स्कूलों पर निगरानी रखनी चाहिए जो 20-25 दिनों के भीर ड्राइविंग सिखाने का दावा करते हैं और हर गली नुक्कड़ पर नजर आते हैं। कई लोगों को तो जेब्रा क्रासिंग के उद्देश्य तक का पता नहीं होता है। यह सब लोगों को सिखाया जाना चाहिए और तभी इन चालानों से कोई बदलाव आ सकता है।''

ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने में ढिलाई भी एक चिंता का विषय है। बकौल इमरान, ''भारत में, कोई भी ड्राइविंग लाइंसेस पा सकता है। न कोई सख्त नियम हैं और न ही उचित परीक्षाएं ली जाती हैं। यह भी एक कारण बन जाता है कि क्यों सड़कों पर इतने अधिक अप्रशिक्षित वाहन चालक हैं। '' वह बताते हैं कि ई-चालान प्रणाली अपेक्षित परिणाम लेकर नहीं आएगी।

''जुर्माना ठोंकने या चालान करने का उद्देश्य है कि लोगों को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से रोका जाए और जिससे दुर्घटनाओं पर रोक लगे। लेकिन, ये ई-चालान सिर्फ लोगों पर जुर्माना लगाने तथा पैसा कमाने का काम ही करते हैं। अगर कोई व्यक्ति, बगैर यह ध्यान दिए, तेज गति से गाड़ी चला रहा है कि कैमरे उसकी फोटो ले लेंगे और उसे मैसेज के जरिए ई-चालान भेज देंगे। लेकिन दुर्भाग्यवश, यदि उसकी दुर्घटना हो जाती है तो चालान जारी करने का उद्देश्य को बेकार हो जाता है। बेहतर तरीका यहां यह है कि प्रत्यक्ष चालान जारी किया जाए।

पुलिस को उल्लंघनकर्ताओं को रोकना चाहिए और उसे चालान की प्रति देनी चाहिए।

भारत में, कोई भी ड्राइविंग लाइंसेस पा सकता है। न कोई सख्त नियम हैं और न ही उचित परीक्षाएं ली जाती हैं। यह भी एक कारण बन जाता है कि क्यों सड़कों पर इतने अधिक अप्रशिक्षित वाहन चालक हैं।
- मोहम्मद इमरान, संस्थापक सेफ रोड फाऊंडेशन

इससे लोगों में अहसास जागृत होगा कि उन्हें निर्धारित गतिसीमा में गाड़ी चलानी चाहिए वर्ना उन पर जुर्माना लग सकता है।''

नए ट्रैफिक नियमों को असरकारी बनाने के लिए, लोगों की मानसिकता को बदलना पड़ेगा। इमरान कहते हैं, ''कई लोग जानते हैं कि उन्हें हेलमेट पहनना चाहिए लेकिन वे विभिन्न कारणों से नहीं पहनते हैं, मसलन यहीं पास में तो जा रहे हैं, कोई पुलिस वाला नहीं होगा या यह कि उन्हें हेलमेट में असुविधा महसूस होती है। यही बात सीटबेल्ट लगाने के संदर्भ में है। इसे बदलना होगा। हमें अनुशासित होना होगा। इसे जमीनी स्तर पर करना पड़ेगा। माता पिता व स्कूलों को अपने बच्चों को हेलमेट पहनने तथा सड़क सुरक्षा उपायों की महत्ता को सिखाना चाहिए। अनेक छात्र बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाकर स्कूल जाते हैं और जब आप इस मामले को स्कूल स्टाफ के पास लेकर जाते हैं तो वे यही कहते हैं कि उन्हें केवल उसी की चिंता है जो स्कूल परिसरों के भीतर हो रहा है। कहा जाता है कि स्कूल के बाहर बच्चा कैसे आ रहा है, ये हमारी चिंता का विषय नहीं है। इस सोच का बदलना पड़ेगा। हममें से हर एक को जिम्मेदारी उठानी होगी और तभी कोई कानून सफल हो सकता है।''

वकील पूजा सरीन का मानना है कि ऐसे भारी जुर्माने कुछ भी भला नहीं करेंगे सिवाय इसके कि वे आम आदमी के लिए अभिशाप बन जाएंगे जो पहले से अनेक करों व कर्जों के बोझ से दबा हुआ है। सरीन सवाल उठाती हैं, ''सरकार को पहले गड्ढों से मुक्त बेहतर व सुरक्षित सड़कें बनाने पर ध्यान देना चाहिए तथा वर्तमान प्रणाली को सुधारना चाहिए। ऐसी बुरी सड़कों की स्थिति में, जुर्माना बढ़ाना और कुछ नहीं, आम आदमी पर बोझ लादना है। यह एक घातक हमले के रूप में लगता है।

>> पेज 3

क्या नियम तोड़ना उचित है ?

15 हजार की स्कूटर पर 23 हजार का चालान

दिल्लीवासी दिनेश मदन पर विभिन्न ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 23 हजार का जुर्माना ठोंका गया। मदन को गुरुग्राम में हेल्मेट न पहनने के कारण रोका गया। पुलिस ने उन्हें अपने कागज दिखाने के लिए कहा, जो न दिखा पाने पर उन्हें विभिन्न नियमोल्लंघन के लिए भारी जुर्माना अदा करने के लिए कहा गया और उनके वाहन को जब्त कर लिया गया। मदन को कागजात दिखाने के लिए दस मिनट दिए गए, जिसमें वह उन्हें नहीं दिखा पाय क्योंकि वह दिल्ली वासी था और उसे गुरुग्राम में रोका गया।

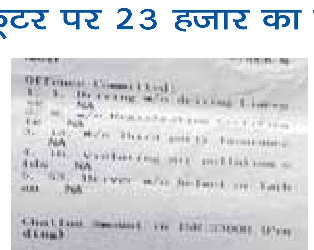

23 हजार रूपए चालान की रसीद

उन पर 5000 रूप बगैर लाइसेंस गाड़ी चलाने पर, 5000 रूपए पंजीकरण दस्तावेज अपने साथ न रखने पर, 2000 बगैर बीमा कराए गाड़ी चलाने पर, 10000 प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने पर, तथा 1000 रूपए हेल्मेट के बिना गाड़ी चलाने का जुर्माना ठोंका गया। इन सभी ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का कुल जुर्माना 23000 रूपए था। उन्होंने जब्त वाहन को सरेंडर का फैसला किया क्योंकि उनका कहना था कि उनके पुराने खरीदे गए स्कूटर की कीमत केवल 15000 है।

अब, कार के लिए हेल्मेट

एक और विचित्र घटना में , अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के पीयूष वार्ष्णेय को चौपहिया वाहन चलाने के दौरान हेल्मेट न पहनने पर पांच सौ रूपए का ई-चालान भेजा गया । वार्ष्णेय का कहना है कि प्रेषित चालान स्पष्ट रूप से उनकी कार का नंबर तथा किए गए जुर्माने के कारण का उल्लेख करता है। घटना के विरोध में, वार्ष्णेय ने अब अपनी कार चलाते समय हेल्मेट पहनना शुरू कर दिया है। वह कहते हैं कि ऐसी घटनाएं आम आदमी के लिए एक बदतर उदाहरण पेश करने जा रही हैं क्योंकि वे ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से नहीं लेंगे।

हेल्मेट पहनकर कार चलाते हुए पीयूष वार्ष्णेय

अलीगढ़ पुलिस ने कहा है कि यदि चालान गलत पाया जाता है और जांच संख्या गलत है तो वह स्थिति को सुधार लेंगे और उसे तत्काल रद्द कर देंगे।

हालांकि, ये मामले व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में संदेह के बीज बोने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसी गलतियां न केवल पुलिस की छवि को दागदार करती है बल्कि तमाम सवाल खड़े करने का मौका भी देती हैं।

ट्रक ड्राइवर पर 1.41 लाख का जुर्माना

5 सितंबर, 2019 को राजस्थान के एक ट्रक ड्राइवर पर नए मोटर वाहन अधिनियम 2019 के तहत ओवरलोडिंग व पंजीकरण प्रमाणपत्र तथा पर्मिट नियम के उल्लंघन पर दिल्ली में 1.41 लाख का जुर्माना ठोंका गया।

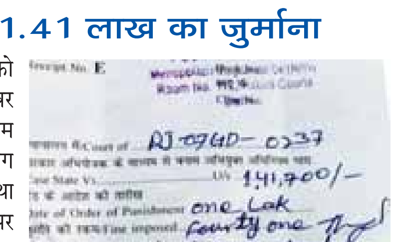

1.41 लाख रूपए चालान की रसीद

ट्रक मालिक , हरमन राम भांभू, जो बिकानेर के रहने वाले हैं, ने कहा कि उनका ड्राइवर एक ग्राहक को सिल्लिका मिट्टी पहुंचाने दिल्ली गया था जब उस पर जुर्माना लगाया गया और ट्रक को दिल्ली पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया। पैसा इंतजाम करने में उन्हें पांच दिन लगे तभी वाहन को छुड़ा पाया गया। भांभू ने कहा कि पुलिस ने पहले एक टन ओवरलोड पर 20000 और फिर प्रत्येक अतिरिक्त टन पर 2000 का जुर्माना लगाते हुए जुर्माना राशि को 48000 रूपए बना दिया। पंजीकरण कागजात एवं पर्मिट उल्लंघन पर 10000 जुर्माना लगा। इससे राशि 70800 हो गयी। ट्रक मालिक पर उतनी ही राशि का अतिरिक्त जुर्माना लगाते हुए कुल जुर्माना धनराशि 1.41 लाख कर दी गयी। उससे पहले 3 सितंबर, को उड़ीसा के एक ट्रक ड्राइवर पर 86500 रूपए का जुर्माना लगाया गया।

यह राशिफल पाठक का अधिकार है कि वो पीछे लौटे, आगे जाए या पगडंडी पर भी जाए

- साशा ग्राहम

स्वस्थ खुराक से घट सकता है अवसाद का जोखिम

एक अध्ययन के अनुसार फल, सब्जियां, मछली व मीट से भरपूर स्वस्थ खुराक खाने से अवसाद का खतरा कम हो सकता है। प्लोस वन पत्रिका में प्रकाशित शोध ने पाया कि अवसादगसित युवकों की खुराक, जो आम तौर पर अस्वास्थ्यकर है, ने उल्लेखनीय ढंग से अवसाद के कम होते लक्षण दिखाए हैं जब उन्हें तीन सप्ताह तक स्वस्थ खुराक का सेवन किया। आस्ट्रेलिया में मेक्युअरी युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं व सहकर्मियों ने 17

से 35 आयुवर्ग के 76 विश्वविद्यालय छात्रों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने बेतरतीब ढंग से भागीदारों को ''नियमित खुराक'' तथा ''परिवर्तित खुराक'' के दो समूहों में विभाजित किया। परिवर्तित खुराक समूह को अपनी खुराक सुधारने संबंधी संक्षिप्त निर्देश दिए गए साथ ही साथ एक स्वस्थ खाद्य उपहार तथा भावी सब्जियों के मद में साठ डॉलर दिए गए।

प्रत्येक समूह सदस्य को फोन काल के जरिए दो उत्तरवर्ती चेकइन्स भी प्राप्त हुए। नियमित खुराक समूह को खुराक संबंधी कोई निर्देश नहीं दिए गए, उन्हें बस तीन सप्ताह बाद आने के लिए कहा गया। प्रयोग से पहले और बाद में, शोधकर्ताओं ने भागीदारों में अवसाद, बैचेनी व कुल मिलाकर मन:स्थिति, तथा विभिन्न शिक्षण व तार्किक कार्यों पर उनके प्रदर्शन अंकों का आंकलन किया। तीन सप्ताहों के समापन पर, परिवर्तित खुराक समूह ने सफलतापूर्वक एक स्वस्थ खुराक कायम रखी थी और मूड में विशिष्ट सुधार प्रदर्शित किया जिसमें अवसाद के अंक सामान्य दायरे में प्रवेश कर गए थे। जबकि नियमित खुराक समूह का अवसाद स्कोर लगभग पूर्वावस्था में बना रहा था। इस छोटे सेंपल में शोधकर्ताओं ने पाया कि इन भागीदरो में से केवल 21 फीसदी ने स्वस्थ खुराक पूरी तरह कायम रखी। इसके कारण उनकी मन:स्थिति में सुधार बरकरार रहा ।

ध्यानाकर्षण से अच्छा महसूस होता है

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि लेकिन कुछ ही लोग ध्यानाकर्षण को बेहतर संभालते हैं। व्यक्ति को हमेशा इस बारे में सजग रहना चाहिए कि वह कौन है जो ध्यान हासिल कर रहा है

यह कोई आश्चर्य नहीं कि ध्यानाकर्षण की सर्वाधिक मांग है। कुछ लोग ध्यान अर्जित करने के लिए पागलपन की हद तक चले जाते हैं। पुराने जमाने में, राजा कुछ लोगों को अपना गुणगान करने के लिए रखा करते थे। उनके आगमन आदि की जोरशोर से घोषणा की जाती थी। आज भी कुछ लोग अपने इर्दगिर्द चापलूसों को रख लेते हैं। इसमें उनका पैसा खर्च होता है लेकिन उन्हें लगता है कि यह धन का उचित खर्च है।

हम अपने अच्छे या बुरे, कर्मों के कारण ध्यानाकर्षण प्राप्त करते हैं। यह आलेख इस संबंध में है कि सही ढंग से ध्यानाकर्षण कैसे हासिल करें। यह वो ध्यानाकर्षण नहीं है जो एक आतंकवादी संगठन का मुखिया हासिल करता है। अच्छे कर्म भी दो प्रकार के होते हैं– एक अपने पूर्वजन्मों में हमारे कर्मो का फल होता हे, और दूसरा वर्तमान में हमारे द्वारा किए जा रहे कर्मों का प्रतिफल होता है। कुछ लोगों में दोनों होते हैं। लता मंगेशकर का उदाहरण इसमें उल्लेखनीय है। उनके पिता एक उत्कृष्ट संगीतकार थे। उन्होंने लता को बचपन से प्रशिक्षित किया, साथ ही अपनी अन्य दोनों बेटियों –आशा और उषा– को भी प्र्रशिक्षित किया। लता गंभीर थी, उन्हें अभ्यास पर अभ्यास किया। उन्होंने गायन में करियर के लिए अपना जीवन समर्पित करने का फैसला किया। उन्होंने विवाह तक नहीं किया। परिणाम क्या है? उन्हें गायन कोकिला का खिताब हासिल है। उन्होंने अनेक भाषाओं सभी प्रकार के गाने गाए हैं।

इसके विपरीत उदाहरण एक महिला का है जो एक गरीब परिवार में जन्मी थी। उसमें गाने की थोड़ी प्रतिभा थी जो अनेकों में होती है। फिर भी, वह अपने रहने की जगह के करीब रेलवे प्लेटफार्म पर गाने की अपनी योग्यता का उपयोग करती थी। लोग उसे खाने के लिए कुछ दे देते थे और कुछ उसे भीख के रूप में पैसे दे देते थे। यह क्रम कई साल तक जारी रहा जब तक कि एक भली आत्मा ने उसका एक वीडियो नहीं बना दिया और उसे सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट नहीं कर दिया। जल्द ही उस पर ध्यान दिया गया और उसे पापुलर रीयलिटी शो में आमंत्रित किया गया जहां उसे एक प्रसिद्ध संगीत निर्देशक के लिए गाने का अवसर प्रस्तावित हुआ, सालों के गायन ने उसकी प्रतिभा को स्वीकार लिया था। कई लोग अपने पूर्वजन्म में अच्छे कर्मों के कारण सौभाग्यशाली जन्मते हैं। यह उन्हें अच्छे परिवारों, अच्छे चेहरों, त्वरित बुद्धि आदि में शानदार जन्म का हकदार बनाता है। लेकिन हर कोई उनको सदुपयोग नहीं करता है जैसा कि लता मंगेशकर ने किया। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति एक बड़े साम्राज्य के मुकुट का उत्तराधिकारी, राजकुमार के रूप में जन्म लेता है। उसके पास दो विकल्प होते हैं। एक, वह एक योग्य राजा बनने के लिए अपनी पढ़ाई व प्रशिक्षण पर ध्यान दे सकता है या वह तानाशाह बनने का फैसला कर सकता है। चुनाव उसका है। उसे दोनों रूपों में ध्यानाकर्षण हासिल होगा। विश्वस्तरीय ध्यानाकर्षण हासिल करने का एक शास्त्रीय उदाहरण हैं न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री। मस्जिद में एकत्रित लोगों पर नफरती हमला होने के तत्काल बाद, उन्होंने अत्यंत सख्त शस्त्रनियंत्रक कानून पारित किया। लोगों का ध्यान गया और अन्य देशों में वही कदम उठाने के लिए उनका मिसाल दी गयी।

प्रारब्ध या पूर्वजन्म के कर्म उसी स्तर पर फैसला करें जिस स्तर पर व्यक्ति इस जीवन में मौजूद होगा। एक शाही परिवार का बच्चा सूची में बहुत ऊंचा है। उसके दरबारी उसकी तुलना में बहुत नीचे होंगे। यद्यपि ध्यानाकर्षण अच्छी बात है लेकिन बहुत कम लोग इसे संभाल पाते हैं। कई लोग अपनी चुनी राह से भटक जाते हैं। फिर व्यक्ति को हमेशा इस बारे में सजग रहना चाहिए कि वह कौन है जो लोगों का ध्यानाकर्षण हासिल कर रहा है। लड़कियों को बचपन से इस महत्वपूर्ण पहलू के बारे में सिखाया जाता है। लड़कों को भी बहुत सावधानी से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, इस मामले में अजनबी लोग सर्वोत्तम व्यक्ति नहीं होते हैं। केवल भले लोगों का ही स्वागत किया जाना चाहिए। आम तौर पर, हम गलत कारणों से ध्यानाकर्षण प्राप्त करते हैं।

समझदार लोग ध्यानाकर्षण के लिए नहीं पगलाते हैं। क्योंकि ज्यादातर अहंकार इसे संचालित करता है। व्यक्ति हमेशा दूसरों के आगे खुद को साबित करने की कोशिश कर रहा है। करीबी व प्रियजन ध्यानाकर्षण पाने के सर्वोत्तम व्यक्ति हैं। लेकिन उसके लिए हमें उन पर ध्यान देना पड़ेगा। एक स्थान है जहां ध्यानाकर्षण का सर्वाधिक स्वागत होता है। यदि आपने पहले से अनुमान नहीं लगाया है तो वह ईश्वर है। व्यक्ति जबरदस्त लाभ प्राप्त होगा यदि वह ऐसा कर लेता है। हालांकि, यह आसान काम नहीं है, लेकिन यह बहुत कठिन काम भी नहीं है, जैसा कि अनेक लोगों को लग सकता है। यहीं पर हमारा कल्याण है, दूसरों का ध्यानाकर्षण प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छाएं पूर्ण न करके। सृष्टि विधान इस मामले में आत्मसक्षम होने के लिए है। हमारी सर्वोत्तम सेवा होती है यदि हमारे पास हमारे सर्वोत्तम मित्र में रूप में ईश्वर होता है।

48 प्रतिशत अधिक सड़क-सुरक्षा देगी-मोतियाबिन्द सर्जरी

दृष्टि सुधार के लिए मोतियाबिंद सर्जरी की क्षमता सर्वज्ञात है और नया अध्ययन बताता है कि यह सड़क पर लोगों को 48 फीसदी अधिक सुरक्षित बना सकती है। मोतियाबिन्द बुढ़ापे का सामान्य दुष्परिणाम है। ये सालों के दौरान धीरे धीरे होता है, जब आखों के भीतर का साफ लेंस धुंधला पड़ जाता है। मोतियाबिन्द सर्जरी से धुंधले लेंस को एक कृत्रिम लेंस से बदल दिया जाता है। युनिवर्सिटी

आफ वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के अध्ययन लेखक जोनाथन एनजी ने कहा, ''ये नतीजे, बुजुर्ग वाहन चालकों में आत्मनिर्भरता व निरंतर गतिशीलता व सुरक्षा कायम करने के लिए, समय पर मोतियाबिन्द सर्जरी की महत्ता को रेखांकित करते हैं।'' अमेरिकन ऐकेडमी आफ ओफ्थाल्मोलाजी की 123वीं सालाना बैठक में प्रस्तुत जानकारियों के लिए शोध टीम ने मोतियाबिन्द सर्जरी कराने से पहले, 44 मरीजों के ड्राइविंग प्रदर्शन का परीक्षण किया। मरीजों को उनकी पहली सर्जरी के बाद ड्राइविंग सिमुलेटर पर रखा गया और दूसरी नेत्र सर्जरी के बाद दुबारा। ड्राइविंग सिमुलेटर ने विभिन्न प्रकार के पहलुओं का आंकलन किया मसलन समायोजित गतिसीमा, ट्रेफिक सघनता, बेलगाम आवाजाहियां व पैदल मार्ग आवागमन। पहली सर्जरी के बाद लगभग बचने या टकराने की दर में 35 फीसदी की कमी आई, दूसरी सर्जरी के बाद यह संख्या 48 फीसदी पर आ गयी। अध्ययन लेखक ने कहा कि दृष्टि स्पष्टता भी एक महत्वपूर्ण संकेतक है। उन्नत विपरीत संवेदनशीलता तथा बेहतर रात्रि दृष्टि सड़क पर वाहन चालकों की सुरक्षा में वृद्धि करती है।

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

शुरुआत से बच्चे के आचरण पर रखें नजर

अपने जिद्दी बेटे को लेकर चिंतित एक पिता ने एक दिन आकर सवाल किया: '' उसके भाग्य में क्या लिखा है? वह कब समझदारी से व्यवहार करेगा? वह अपने बुजुर्गों की बिलकुल परवाह नहीं करता और उसमें समझदारी की कोई भावना नहीं है। यदि उसका मौजूदा रवैया जारी रहा, तो मुझे डर है कि वह अकेला पड़ सकता है। अगर कभी मैं उसे अपने तरीके सुधारने के लिए समझाने की कोशिश करता हूं तो वह चिल्ला पड़ता है और मैं अपमानित महसूस करता हूं। कृपया कोई उपचारक उपाय बताएं जो उसे बदलने में सहायता कर सके।''

आपके लिए उसे किसी भी रूप में समझाने में अब बहुत देर हो चुकी है। अगर आप उसके बचपन के दौरान उसे गढ़ने को लेकर सजग रहते, उसकी प्रवृत्तियों पर नजर रखते, और तदानुसार संभावित बदलाव करते, तो इससे प्रभाव पड़ गया होता। इसके अलावा अपने जीवन में उलझे रहने के कारण, आपने कभी भी उस दौर की परवाह नहीं की। जिस चीज ने और नुकसान पहुंचाया, वो था तुच्छ घरेलू वातावरण, जिसने उसके मन व मनोजगत पर निराशाजनक प्रभाव डाला है। इसलिए, भावनात्मक संबंध, स्वाभाविक तौर पर पिता और पुत्र के बीच बनना था, कभी भी स्थापित नहीं हो पाया और जो है वो उसी का स्वाभाविक खामियाजा है। वह अब बड़ा हो गया है, अपनी खुद की कमाई से अपनी मर्जी से जीवन जीता है।

मान लिया, आपके बेटे में दृष्टिकोणगत समस्याएं हैं। ये समस्याएं उसकी सोच में मौजूद हैं, और इसलिए, वही इच्छित बदलाव ला सकता है। इस संदर्भ में मैं उसकी सहायता कर सकता हूं, बशर्ते आप उसे कौंसिलिंग के लिए यहां लेकर आएं। बुजुर्ग ने स्वीकार किया, '' वह मेरी नहीं सुनता और इसलिए, उसे यहां लेकर आना कठिन है। मुझे बताएं, अगर मैं उसके लिए कुछ कर सकता हूं।'' आप किसी भी प्रकार से अपने बेटे के मानसिक जगत में दखल नहीं सकते हैं, न ही कोई पंडित, किसी आस्था आधारित पूजा के माध्यम से, दे सकता है। अगर आपका बेटा सजगतापूर्वक खुद को नहीं बदलता है, तो शिक्षणकारी सबक, जिनसे होकर वह गुजरेगा, उसे अपने में बदलाव लाने के लिए मजबूर करेंगे। लेकिन आपके लिए भी एक सबक है। कर्म का सिद्धांत किसी को नहीं बख्शता है। यदि आपने अपने वाजिब कर्तव्यों को नजरंदाज किया है जब आपका बेटा एक बच्चा था और उस समय आपने उसमें संस्कार डालने की परवाह नहीं की, तो आपको उसका खामियाजा तो भुगतना ही पड़ेगा।

याद रखें, ज्योतिष सुनिश्चित तौर पर जीवन का भावी क्रम परिभाषित नहीं करता है। यह मौजूदा जीवन के दौरान विभिन्न कार्यों से प्रभावित होता है, जिसमें वो परिवेशगत हालात शामिल होते हैं जिनसे व्यक्ति का सामना होता है। आपका बेटा अपने समूचे बाल्यकाल से परिवार में घटती अप्रत्याशित घटनाओं का साक्षी था जिन्होंने उसमें अपने बुजुर्गों के प्रति उचित सम्मान व प्रेम की भावना जागृत नहीं होने दी।

आइए अब उसके व्यक्तित्व संबंधी समस्याओं के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते है। अड़ियल राहु कन्या लग्नराशि पर काबिज है। लग्न स्वामी बुध छठें घर में अस्थायी निवासी है, जो उसके लिए शुभ नहीं लगता है। बुध की स्थिति यूरेनस के विपरीत है। यह सबकुछ एक साथ दर्शाता है कि वह स्वच्छंद है, जो तयशुदा सामाजिक नियमों की बिलकुल भी परवाह नहीं करता। वह अड़ियल व पूर्वाग्रही दिखता है जो स्वकेन्द्रित प्रवृत्तियों का शिकार है। वह अकसर अनुत्पादक कार्यों में अपनी ऊर्जा का दुरुपयोग कर सकता है। वह ''केवल मैं ही सही व्यक्ति हूं'' वाली सोच से संचालित रहेगा, मानो बाकी सभी लोग मूर्ख हों। वह दूसरों को कमतर समझ सकता है। वह अपनी खुद की विशेष शर्तों पर जीना चाह सकता है और अगर चीजें अपेक्षित स्तरों पर आगे नहीं बढ़तीं तो प्रतिक्रिया भी कर सकता है।

सूर्य का शनि के साथ समन्वय, पूर्वजन्म से चली आ रही, उसके सख्त रवैय्ये से जाहिर होती, नकारात्मक सोच का संकेत करता है। उसने उसमें पहचान के संकट की भावना पैदा की है, जो उसे, अगर आवश्यक हो तो हर मामले में खुद को साबित करने हेतु, बवाल करने के लिए उकसाती है।

यह आवेग की भावना का संकेतक है जो शायद उसे समय पर पहल नहीं लेने देती, और इसलिए वह अकसर हाथ में आए अवसर खो बैठता है। साथ ही, यह पिता से अलगाव की भावना का संकेतक है। सूर्य का मंगल के समन्वय में होना, मगर वीनस के प्रति दुर्बल भाव में रहना, भावनात्मक असंतुलन व आत्ममोहग्रसित प्रवृत्तियों का उल्लेख करता है। वह मामूली बातों को अनावश्यक तूल दे सकता है और गुस्से में चिल्ला सकता है।

मन संकेतक चन्द्रमा की स्थिति यूरेनस व वरुण के प्रति पतनशील अवस्था में है। यह सबसे पहले, उसके चिड़चिड़े स्वभाव तथा विद्रोही प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार है। दूसरा, वह, जमीनी सच्चाइयों से परे, आत्ममोह ग्रसित अवधारणों का शिकार हो सकता है और अगर कोई कभी सलाह भी दे तो पुनर्विचार के लिए बिलकुल भी तैयार नहीं होगा। उसमें पलायनकारी प्रवृत्तियां हैं, जो प्रथम दृष्टया सच्चाई को स्वीकार नहीं सकता,बल्कि अपनी खुद की सोच को अहमियत देना पसंद करेगा जब तक कि पूरी तरह खारिज नहीं कर दिया जाता। इतना ही काफी नहीं है, मंगल और शनि का मेल उसे गुस्सैल, विद्वेषकारी व दूसरों के पति शंकालु बनाता है। सबसे महत्वपूर्ण है यूरेनस और वरुण का मेल जो उसे बेचैन, अराजक व भ्रमित बनाता है। इसी का नतीजा सबके सामने हैं। मुझे उम्मीद है माता पिता अपने बच्चे का ध्यान रखेंगे और उसे समय पर राह पर ले आएंगे।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

इस सप्ताह आप अपने स्वास्थ्य में पूर्ण बदलाव देखेंगे। गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों को अपनी जांच में सुधार से संबंधित अप्रत्याशित बदलाव मिलेंगे। अनुशासित व संयमित जीवनशेली हमेशा स्वागतयोग्य है। मीठे व तले भोजन की अपने शौक पर नजर रखें। करियर मोर्चे पर, अपने धन कमाने के स्रोत के प्रति सजग रहें। त्वरित सफलता के लिए अनुचित सौदे करने से कानूनी कार्रवाई में फंस सकते हैं।

शुभ अंक: 33 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

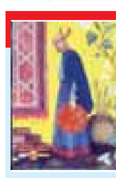

आपको इस सप्ताह अपनी सेहत पर ध्यान देने की जरूरत है। अपने पारिवारिक डाक्टर व अपने स्थानीय क्षेत्र से बाहर के उपचारों पर विचार करें। आपको सचमुच अवकाश या परिवेश में बदलाव की आवश्यकता है। अपने सपनों पर ध्यान दें। आपको ऐसे आध्यात्मिक उत्तर मिलने वाले हैं जो आपकी काफी सहायता करेंगे। करियर मोर्चे पर, नए अवसरों पर आपका ध्यान जाएगा। नए सौदे, परियोजनाओं पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरुवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

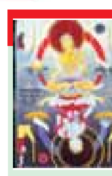

मेडिकल जांच या परिणाम को लेकर थोड़ा भ्रम हो सकता है। अंतिम निर्णय लेने से पहले सलाह ले लें। किसी स्वास्थ्य बदलाव के धीरे धीरे घटित होने के आसार हैं। और यह आपके भले के लिए है। पेशेवर रूप से, आप अपनी योग्यता व बुद्धिमानी से कोई भी स्थिति में जीत हासिल कर सकते हैं। आपकी तार्किक एवं विश्लेषणकारी योग्यताएं किन्हीं भी कठिनाइयों का काबू पाने में सहायता करेंगी। संबंधों में विवाद उत्पन्न हो सकता है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** मंगलवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आपके स्वास्थ्य में बदलाव अपरिहार्य है। आप आध्यात्मिक उत्तर तलाशेंगे जिन्होंने कुछ समय से आपको उलझाए रखा है। इस सप्ताह आप उच्च ऊर्जा व आत्मविश्वास महसूस करेंगे। अवकाश तथा प्राकृतिक वादियों में समय बिताने की योजना के संकेतक हैं। अप्रत्याशित के लिए तैयार रहें। करियर स्तर पर, आप नौकरी बदलने के लिए स्वयं प्रयास कर रहे होंगे। कला क्षेत्र के लोग अपने करियर को बुलंदी देने वाली परियोजना में साझीदार होंगे।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

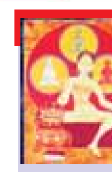

अच्छी सेहत के लिए आराम व शांत रहें। मसालेदार व बाजारू खाद्यों से दूर रहें। इस सप्ताह, आप किसी खास अपरिहार्य कारकों के कारण तनाव अनुभव करेंगे। अपने प्रति उदार रहें। शांत रहें व क्रोध व आक्रामकता से दूर रहें। अपनी परेशानी को अपने भीतर दबाए रखने के बजाय उसे व्यक्त करें। पेशेवर तौर पर, आप लंबे समय बाद स्थिरता हासिल करेंगे। नौकरी बदलने के इच्छुक जनों को चाहिए कि वर्तमान कंपनी से खुद को दूर रखें।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सरसों **शुभ दिन:** शनिवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

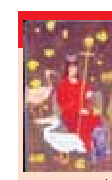

अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखें। खयाल व संवेदना के साथ अपना खयाल रखें। बीमार लोगों को डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए और उस पर भरोसा करना चाहिए। स्वास्थ्य मामलों से निपटने में कोई बुजुर्ग आपकी सहायता करेंगे व आपको फिटनेस योजना लागू करने के लिए प्रेरित करेंगे। अपने लक्ष्य हासिल के लिए दृढ़ हों। लोग आपकी क्षमताएं सीमित करने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किसी भी विरोध के लिए तैयार रहें।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग :** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। इस सप्ताह ऐसे अवसर होंगे जब परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ होंगी। युवाओं को पैतृक संपत्ति, धन या अमूल्य सलाह के रूप में उपहार मिल सकते हैं। करियर मोर्चे पर, आप दूरदर्शिता व मानसिक स्पष्टता अच्छे नतीजे प्रदान करेंगे। आप पदोन्नति प्राप्त करने वाले हैं। अपने लक्ष्य हासिल करने व काम करने का यह अच्छा समय है। प्रेम संबंध में गहराई आएगी और ये विवाह में बदल सकते हैं।

शुभ अंक: 23 **शुभ रंग :** हरा **शुभ दिन:** रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

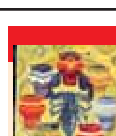

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हर चीज अपने ठिकाने पर होगी। आप सही जगह पर हैं, सही काम कर रहे हैं। आप अपना मनचाहा हासिल करेंगे। सप्ताह में ऐसी शुरुआतें हैं जो स्वाभाविक तौर पर अपने क्रम में उभरती हैं। अपनी क्षमताओं को संतुलित करने के लिए, गरिष्ठ भोजन व अति निद्रा से बचें। इस सप्ताह करियर शायद बहुत संतोषप्रद न हो। आप अपने कार्य वातावरण में असहज महसूस करेंगे।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

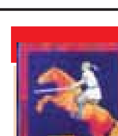

स्वस्थ रहने के प्रति काम करने में आपके धैर्य व कड़ी मेहनत को प्रतिफल मिलेगा। आपका आत्मविश्वास चुंबक की तरह लोगों को आपसे जोड़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर चिंतित व्यक्तियों को आराम करने की सलाह है। चीजें उतनी बुरी नहीं हैं जितना कि आप डरते हैं। अंतर्निहित आध्यात्मिक क्षमता आपके स्वास्थ्य को बनाए रखेगी। करियर स्तर पर अच्छे समाचार मिलने की संभावना है। परियोजना में सफलता के संकेतक हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

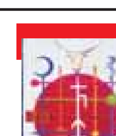

अपने नकारात्मक पक्ष का मुकाबला करें। अपने भयों, सीमाओं व हानिकारक जुड़ावों को जानने का यह अच्छा समय है। आप बुरी लतों का पुन:शिकार हो सकते हैं और अपने चिंताओं को भूलने के लिए भौतिक सुखों में लिप्त हो सकते हैं। इन सबसे परहेज रखना सुनिश्चित करें। करियर स्तर पर, परियोजना की शुरुआत के संकेतक है। यह समय है जब आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है।

शुभ अंक : 11 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

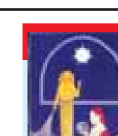

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने तनाव स्तर को नियंत्रित करने की जरूरत है। समस्याओं से दूर भागने के बजाय उनका मुकाबला करें। आध्यात्मिक उपचार की इच्छुक पर्याप्त आराम करना सुनिश्चित करें। लालसाओं या किसी प्रकार की लतों से दूर रहें। आप सकारात्मक रूप से व्यस्त होते जाएंगे। आपमें से कुछ लोगों को ऐसे पद मिल सकते हैं जहां आप अपने अधिकार लागू कर सकते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

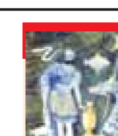

स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकती है। जांच परिणामों के प्रतीक्षारत लोग शांत रहें। चीजें उतनी बुरी नहीं हैं जितना कि आपको डर है। आध्यात्मिक क्षमता आपका मार्गदर्शन करेगी। गहन आनंद व प्रेमपूर्ण जीवन से जुड़ें। प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास करें। करियर मोर्चे पर, काम या तो कठिन या खयाली हो सकता है व आप गतिरोध महसूस कर सकते हैं। आपको ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहिए जो आपके लिए अस्वास्थ्यकर है।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** बुधवार

आध्यात्मिक पथ सरलतया अपना जीवन जीने की यात्रा है। हर कोई आध्यात्मिक पथ पर है, अधिकांश लोग इसे जानते ही नहीं हैं
- मेरियन विलियमसन

क्षमाशीलता की ताकत

स्वामी मुकुंदानंद का कहना है कि आत्म-सशक्तीकरण एवं आत्मोन्नति के लिए क्षमाशीलता एक अत्यावश्यक औजार है। यह असीम आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ने का पहला अत्यावश्यक कदम भी है

अपने जीवन के किसी मुकाम पर, हम सभी ने गलती, शर्मिन्दगी या छल महसूस किया है। परिणामस्वरूप, हमने उदासी, दुख, क्रोध या आहत अनुभव किया है.... असलियत में, यह अनुमानित है कि नब्बे फीसदी लोग अपने जीवन में किसी न किसी पड़ाव पर किसी न किसी प्रकार का भावनात्मक सदमा महसूस करते हैं। इसलिए, यदि ऐसे लोग हैं जो दुखी थे तो हमें ऐसा व्यक्ति क्यों नहीं बनना चाहिए जो क्षमा करे? खास तौर पर, अगर दोषी यादोषियों की ओर से गलत करने पर कोई पछतावा, कोई क्षमा भाव या गलत करने की कोई भावना न हो?

इसका उत्तर देने के लिए, हमें क्षमा कर देना चाहिए क्योंकि यह हम दूसरों के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए कर रहे होंगे ।

क्या है क्षमाशीलता?

क्षमाशीलता का अर्थ अलग अलग लोगों के लिए अलग अलग है। सारत:, इसका अर्थ क्रोध, असंतोष, आहत भावनाओं या पापी या पापियों के प्रति प्रतिशोध की भावना का त्याग करना है। घटना या कर्म जो हमें दुख दे, शायद वो हमेशा हमारे साथ रहे, लेकिन दुख अपनी पकड़ खो देता है, दुष्ट में अब हमें और प्रभावित करने की शक्ति नहीं होती है, क्षमाशीलता हमें अपने जीवन के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। हम उन भावनाओं में अपने विचार व ऊर्जा को लगाना बंद कर देते हैं और उन्हें अधिक सकारात्मक, रचनात्मक, उत्पादक एवं प्रगतिशील विकल्पों के लिए प्रस्तुत कर देते हैं।

क्षमाशीलता को परिभाषित करने में, हमें याद रखना चाहिए कि क्या क्षमाशीलता नहीं है। क्षमाशीलता कोई बहाना, भूलना, नकार देना या खुद को पुन: दुखी होने के लिए कमजोर बना लेना नहीं है।

यह उससे उभर कर आना है, उसे सबक तथा आगे बढ़ने के रूप में देखना है। क्षमाशीलता आत्म-सशक्तीकरण एवं आत्मोन्नति का एक अत्यावश्यक औजार है। सदियों से सभी धर्मो के संतों ने क्षमाशीलता को आध्यात्मिक पथ पर अत्यावश्यक सर्वोच्च गुण के रूप में व्याख्यायित किया है।

आप कैसे और क्यों क्षमा करते हैं?

मन का अपना स्थान होता है और अपने आपमें, नर्क को स्वर्ग, और स्वर्ग को नर्क बना सकता है। - जॉन मिल्टन

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़ने के लिए क्षमा करना अत्यावश्यक है। हमें समझना होगा कि हम कहां से आ रहे हैं। हम एक भौतिक दायरे में रहते हैं। यह अशुद्ध आत्माओं से भरा है, उनमें से कई अनेकों जन्मों से ईश्वरीय चेतना से अंजान रही हैं। ऐसे लोग, यदि वे स्वार्थी ढंग से आचरण करते हैं तो उनमें हमें दुख देने की शक्ति नहीं होनी चाहिए। हमें लोगों से जुड़ी अपनी अपेक्षाओं को समायोजित करना चाहिए केवल तभी हम किसी अन्य व्यक्ति की दुखकारी कर्म या आचरण से हम पर पड़ने वाले प्रभाव की गहराई को सीमित कर सकते हैं। जब हम अपने परिप्रेक्ष्य को समायोजित करते हैं तो दूसरों के प्रति हमारी अपेक्षाएं घट जाती हैं, और दुख भी कम या विलुप्त हो जाता है।

हमें याद रखना होगा कि हम दूसरों को समर्थन के रूप में क्षमा नहीं करते हैं, हम स्वयं को समर्थन के रूप में क्षमा करते हैं। हम अपनी भलाई के लिए क्षमा करते हैं, न कि उस व्यक्ति के लिए जिसमें हमें दुख दिया है। क्षमाशीलता एक वैयक्तिक उपहार है जो हम स्वयं को देते हैं।

शोध हमें दिखाता है कि क्षमाशीलता एक प्रतिक्रिया है जो हमारी सांस्कृतिक, संज्ञानात्मक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक मान्यता व आचार हैं। क्षमाशीलता एक सकारात्मक एवं प्रगतिशील पथ प्रदान कर सकती है जो उस गलत कार्य या अन्याय की घटनाओं व हालात के विश्लेषण व सहज चिंतन से उपजा है।

क्षमाशीलता को दया के रूप में देखा जा सकता है जो उदारता, करुणा एवं परानुभूति जाहिर करती है, जो किसी आध्यात्मिक यात्रा में शक्ति का भावनात्मक स्तंभ हैं।

क्षमाशीलता राहत देती है तथा मानसिक, भावनात्मक तथा कुछ मामलों में शारीरिक बेचैनी को बाहर निकालती है और वैयक्तिक पुनर्स्थापना, पुन:प्रगति व कल्याण की ओर ले जाती है। जब हम क्षमा कर पाते हैं तो हम अधिक उदारमना, वस्तुगत, करुणामय हो जाते हैं, आघात से उबरने में सक्षम होते हैं और खुशहाली व पुन: आध्यात्मिक प्रगति में संलिप्त हो जाते हैं। हम गलत कार्य या अन्याय या दुष्ट कार्य की तनावपूर्ण प्रतिक्रिया को कम करने की भावनात्मक एकाग्रता वाली रणनीति के रूप में क्षमाशीलता का उपयोग कर सकते हैं। जब हम स्वयं को क्षमा करने तक ला पाते हैं, हमारा नजरिया व व्यक्ति के प्रति कार्रवाई जो कष्ट का कारण रही है, बदल जाती है और हम अधिक सकारात्मक, उदार, दयालु व अधिक शिष्ट हो जाते हैं। हम घटना या दुखकारी स्थिति के प्रति कम प्रतिक्रियावादी व आंकलनवादी बनते हैं और नतीजतन, कम नकारात्मक, कम क्रोधित तथा कम आक्रामक बन जाते हैं।

क्षमाशीलता को दया के रूप में देखा जा सकता है जो उदारता, करुणा एवं परानुभूति जाहिर करती है, जो किसी आध्यात्मिक यात्रा में शक्ति का भावनात्मक स्तंभ हैं।

क्या होगा, यदि हम क्षमा न करें ?

18वीं सदी के कवि हनोह मोर ने लिखा था- ''क्षमाशीलता हृदय की अर्थव्यवस्था है... क्षमाशीलता क्रोध के व्यय, घृणा की लागत, व आत्माओं की बर्बादी से बचाती है।''

आइए उन दुष्परिणामें पर विचार करें। जब हम क्षमा नहीं करते हैं, तो हम असंतोष पालते हैं। असंतोष को पालना अपने मन में विषाक्त कचरा भरने जैसा है। हम किसी बाहरी को आने व अपने घर में कूड़ा फेंकने देंगे , लेकिन हम अपने साथ यही कर रहे हैं जब हम गलत को याद करते रहते हैं और निरंतर असंतुष्ट रहते हैं।

हमें अक्षमाशीलता को महज क्षमाशीलता की अनुपस्थिति के रूप में नहीं समझना चाहिए, यह लंबित, नकारात्मक भावनाओं, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं व क्रोध, दुख, अनास्था एवं अविश्वास का एक जटिल सम्मिश्रण है। अक्षमाशीलता की जटिल लंबित नकारात्मक मानसिक प्रक्रिया एक तनावपूर्ण प्रतिक्रिया को जन्म दे सकती है और अनचाही व असंतोष, कड़वाहट, घृणा, क्रोध, अविश्वास और कभी कभी भय आदि की हानिकारक भावनाओं को बनाए रख सकती है।

अक्षमाशीलता चेतना में एक तनावपूर्ण अवस्था है और इसीलिए हमारे वैयक्तिक स्वास्थ्य पर रोगी चेतनाएं सहती हैं। उम्र भर के क्रोध, असंतोष, निराशा व दुख के प्रभाव हमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर पहुंचा जा सकते हैं जिसमें बेचैनी, अवसाद, उच्च रक्तचाप तथा हार्ट अटैक का खतरा ही नहीं अनेक अन्य रोग शामिल हो सकते हैं।

यदि क्षमाशीलता लंबी खिंच जाती है और नकारात्मक भावनाएं बनी रहती हैं तो नकारात्मक भावनाएं हमारे शारीरिक व मानसिक अस्तित्व को विषाक्त कर देती है। लगातार बना रहने वाला क्रोध, असंतोष एवं प्रतिहिंसा विष को स्वयं पचाने के समान है। '' यह जहर पीने और दूसरे व्यक्ति के मरने की अपेक्षा करने जैसा है।''

क्षमाशीलता, अक्षमाशीलता की विरोधी के रूप में, हमारे वैयक्तिक मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली नकारात्मक भावनाओं के प्रभावों का शमन कर सकती है। क्षमाशीलता भूल जाना या मान्यता देना या हार मानना या स्वीकार कर लेना नहीं है। बल्कि यह नकारात्मक विचारों, भावनाओं व आचरणों को सकारात्मक, उदार, सौम्य प्रतिक्रियाओं के साथ बदलते हुए गलत करने वाले को जिम्मेदार बनाने की एक प्रक्रिया है। यह आध्यात्मिक पथ पर निरंतरता के साथ आगे बढ़ रही एक अत्यावश्यक प्रक्रिया है। ईश्वर के लिए दिव्य प्रेम प्राप्ति के लिए हमें उस सारी नकारात्मकता को खारिज करने तथा उस पर लगाम लगाने में सक्षम होना होगा जो अक्षमाशीलता लाती है। यह कभी कभी कठिन व श्रमसाध्य प्रक्रिया हो जाती है, लेकिन यही है जो हम अपने लिए करते हैं। यह पापी या गलत करने वाले नहीं बदलती है, यह हमें बेहतरी के लिए बदलती है।

''जो हमें मारती नहीं है, हमें मजबूत बनाती है।'' क्षमा करने में सक्षम होने से यही होता है कि यह हमारे फैसलों को मजबूती देती है, जीवन को देखने का हमारा नजरिया ऊंचा करती है, और एक हमें मुक्त करती है जिससे कि हम एक उच्चतर आध्यात्मिक यात्रा पर जाने के लिए प्रेरित हों। क्षमाशीलता हमें अपने बाह्य हालातों से स्वतंत्र करती है, कोई अंतर नहीं पड़ता कि कोई क्या करता है, यह हमें अपनी भावनाओं के चयन का अवसर देती है। जब तक हम क्षमा नहीं करते, हम हालात से बंधे होते हैं। जैसे ही हम क्षमा करते हैं हम मुक्त हो जाते हैं और यह मन को साधने की प्रक्रिया के साथ आगे की ओर बढ़ने का पहला कदम है। यह परम आध्यात्मिक यात्रा में जाने का पहला अत्यावश्यक कदम है।

- लेखक योगी, आध्यात्मिक शिक्षक एवं जेके योग के संस्थापक हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

उन्माद की दुनिया

हम जिस प्रकार की दुनिया में रह रहे हैं ,उसके बारे में इन दिनों अंग्रेजी का एक आम आदिवर्णिक शब्द वूका यानी वी यू सी एबार बार दिमाग में घूम रहा है। वी यानी वोलेटाइल यानी अस्थिरता, अनसर्टेन यानी अनिश्चितता, कांप्लेक्स यानी जटिल एवं एंबीगुअस यानी अस्पष्ट। चाहे कुछ भी हो जाए इसे ऐतिहासिक विचार तलाशने से जोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि दुनिया हमेशा ऐसी रहती आई है। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए अस्थिरता पर जोर निश्चित रूप से काफी महत्व रखता है। हालांकि अनिश्चितता, जटिलता व अस्पष्टता हमेशा से थे, मगर अस्थिरता का स्तर इतना प्रबल नहीं था। सचमुच एक विध्वंस का युग। उन्माद बढ़ना इसकी तार्किक परिणति है। यह उन्माद ही है जो इस दुनिया की सेहत पर सुनाया जा रहा है। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य यहां तक कि वित्तीय स्वास्थ्य। असलियत में, वे भी परस्पर जुड़े हैं। उन्माद आत्ममुग्धता का कारण बनता है और आत्ममुग्धताएं विश्व वंचित समाज में उभर रही हैं क्योंकि लोग एक दूसरे के साथ नकाब और खंजर का खेल खेल रहे हैं। ऐसा क्यों है इसका पता लगाना कठिन नहीं है। जब हर व्यक्ति एक संभावित प्रतिस्पर्धी हो तो इसी की संभावना बन सकती है। एक गहन प्रतिस्पर्धी सामाजिक दायरे की मूल खामी यह पूर्वानुमान है कि आप दूसरों को कुचल कर ही जीत हासिल कर सकते हैं। इसीलिए, हर व्यक्ति का ध्यान दूसरों पर है। दूसरे क्या कर रहे हैं, दूसरे क्या सोच रहे हैं, दूसरे क्या सोच रहे हैं? ऐसी स्थिति में जब कोई घर से खतरा महसूस करता है तो शांति पहला शिकार होती है। और यही है जिसने इंसानों में एक प्रकार का मानसिक असंतुलन बढ़ा दिया है। देखिए क्या हो रहा है। गुस्सा, अवसाद, घृणा, हिंसा और हर प्रकार की बुराइयां बढ़ रही हैं। लगता है मानो दुनिया अवमानना के कगार पर है। एक तनावग्रस्त दुनिया, एक सदमाग्रस्त दुनिया और साथ ही एक नाटकीय दुनिया। नाटकीय इसलिए कि हर चेहर पर एक नकाब है। मानवजाति खुद के साथ शर्त लगाने की कोशिश कर रही है। मानसिक स्वास्थ्य इसी कारण एक वैश्विक मसला बन गया है। भारत में और भी ज्यादा, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अवसादग्रसित मामलों की संख्या में सबसे आगे हैं। विडंबना यह है कि यह वंचना के कारण नहीं है। सर्वे बताते हैं कि लगभग पचास फीसदी पेशेवर, अमीर व धनाढ्य लोग तनाव से पीड़ित हैं। टकराव कहां पर है? तनाव व बेचैनी, फिर अनिवार्यतया वंचितों को ही प्रभावित नहीं कर रहे हैं। बल्कि, वे भ्रष्टों को ज्यादा प्रभावित कर रहे हैं। मन की यह भ्रष्टता इच्छाओं से दबी हुई है।

परिणाम किसी चीज की अनवरत इच्छा है। जैसा कि बुद्ध ने कहा था, जब कोई तलाशता है तो जो होता है वो केवल उसकी आंखें केवल वही देखती है, जो वह तलाशता है और वह कुछ भी पाने में सक्षम नहीं होता है, कुछ भी नहीं मिलता... क्योंकि वह हमेशा उस वस्तु के बारे में सोचता है जो वह खोज रहा है, क्योंकि उसका एक लक्ष्य है क्योंकि वह अपने लक्ष्य में डूबा हुआ है, ,खोजना यानी लक्ष्य रखना। लेकिन पाने का अर्थ है मुक्त होना, खुल जाना और कोई लक्ष्य न होना। यह लक्ष्य संबंधी पागलपन ही है जो मन पर सवार हो जाती है, जो हमेशा अस्थिर बनाती है। जरा चिंतित हूं, कि दुनिया में मानसिक रोग बढ़ रहे हैं जिनसे सामाजिक बेचैनी बढ़ रही है। आत्महत्याएं बढ़ रही हैं, तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, अमरीका जैसे समृद्ध समाजों में बंदूकधारियों की संख्या का अंधाधुंध बढ़ना आम बात हो रही है- हम कहां जा रहे हैं? चेताना कठिन, लेकिन निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है। इसका उत्तर यह महसूस करने में है कि, ''अंत में, केवल तीन बातें महत्व रखती हैं: आप कितना अधिक प्रेम किया, कितनी सौम्यता से आप जीए और कितने गरिमामय ढंग से आपने उन चीजों का परित्याग किया, जो आपके लिए बेमानी थीं।''

योग व बुद्धिमानी

जैकलीन तारा हेरोन का कहना है कि योग हमें उन स्वाभाविक सीमाओं के प्रति जागृत कर सकता है जिन्हें शायद हमने अपने भीतर निर्मित कर लिया हो, इससे हम अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं

मेरा हमेशा कहना है कि भारत से सबसे महान व सबसे मूल्यवान आयात है योग। दुनिया के प्रत्येक शहर में, छोटे नगरों व गांवों में, पर्वतीय ठिकानों तथा आरामदेह रिजॉर्ट्स में, आप जीवन और जीने के अत्यावश्यक तत्व के रूप में योग का जीन पाएंगे।

योग ऊर्जा, ताजगी, समन्वय, आंतरिक शांति, तनावमुक्ति, दबावमुक्ति, राहत व एकाग्रता जैसे शब्दों का पर्यायवाची बन गया है। यह एक विधा के लिए अनेक दावों सा प्रतीत होता है, फिर भी, विभिन्न मुद्राओं में शरीर की सचेत गति द्वारा रचित, योग का आंतरिक आयाम, हजारों नहीं तो सैंकड़ों सालों के शोध तथा ज्ञान की पुकार एवं कष्ट से मुक्ति की खोज से हासिल की गयी एक शक्तिशाली अखंड क्रिया है। शारीरिक काया में अपनी मानवता व अपनी उपस्थिति के प्रति जागृत होना।

सालों के दौरान निश्चित रूप से हुआ कि हमारी विविधतापूर्ण संस्कृतियां व समाज विकसित हुए हैं, योग अभ्यास के लिए लोगों की शुरुआती प्रेरणा भिन्न हो सकती है, लेकिन यह मानव काया एवं मन को एक ही जगह पर ले जाएगी। प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न गुणों व गहनता का अनुभव करेगा कि योग कैसे लाभकारी हो सकता है, आपको बदल सकता है, फिर भी एक तत्व सबसे लिए सत्य व अटल है- यह बुद्धिमान होने का अनुभव है। योग का अभ्यास एक गतिविधि में तन व मन की सजग एकता में बसा है जो एक उन्नत जागरुकता व संवेदनशीलता लाती है कि आप कैसे असलियत में अपने मन की अवस्था को महसूस करते हैं।

योग आसनों या मुद्राओं का यदि विशिष्ट श्वांसकारी तकनीकों के साथ अभ्यास किया जाता है तो यह आक्सीजन के संचार तथा शारीरिक तंत्र में प्राण ऊर्जा को प्रभावित करता है, रक्त व लसीका तंत्र स्वाभाविक विषाक्त-मुक्ति का कारण बनता है। रक्त में बायोकेमिकल बदलावों के जरिए दिमाग व सेंट्रल नर्वस सिस्टम को नयी ऊर्जा मिलती है जब श्वांस उन हिस्सों में प्रवाहित होती है जो शायद तनाव या दुरुपयोग के कारण बाधित हो गए हों। यह बायोकेमिकल समायोजन आपकी अपनी आंतरिक फार्मेसी, इंडोक्राइम सिस्टम, द्वारा उत्पन्न होता है, जिसमें सात प्रमुख ग्रंथियां होती हैं, जो इंडोक्राइन क्रिया के बहुआयामी क्षेत्र है।

शरीर व मन का मूड व क्षमता आपकी इंडोक्राइन ग्रंथियों के प्रभाव से गहरे जुड़े हैं, क्योंकि ये ग्रंथियां रक्त प्रवाह में सीधे न्यूरो केमिकल व हार्मोन्स का स्राव करती है। यह स्रावण फिर आपके मन को प्रभावित करते हुए आपके शरीर में प्रवाहित होता है। योग अभ्यास इंडोक्राइन तथा नर्वस सिस्टम में बदलावों को परस्पर जोड़कर, शरीर के आंतरिक वातावरण, यानी आपके शारीरिक तंत्र को सुसंगत करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सेरेब्रल एवं सजग स्तर पर संपर्क निर्मित करता है जो फिर आपका मनो-शारीरिक तत्र बन जाता है। तन और मन के बीच संबंध अधिक सजग हो जाता है, स्वयं में अधिक जागृत और इसीलिए अधिक सकारात्मक। आप स्वाभाविक ढंग से अधिक समझदार तथा स्वयं में, यानी अपने संबंधों एवं अन्य गतिविधियों- सभी प्रकार की रचनात्मकता एवं काम के रूप में- दोनों में क्षण की वास्तविकता के संपर्क में आ जाते हैं। सकारात्मक ऊर्जा एकाग्रता, जागरुकता एवं कुछ इस तरह से व्यवहारिक गतिविधि की एकता का प्रतिफल है कि ऊर्जा का कुल उपयोग होता है और इसीलिए प्रजनन का। यह जेन माइंड या मन को खंगालने के लिए तैयार मन के रूप में विख्यात है। मानव चेतना तथा उसकी समस्त आलिंगनकारी क्षमता का अनुभव।

हम कह सकते हैं कि तनाव होता है जब हम गैरसमझदार होते हैं। जब हम एकाग्रहीन या नकारात्मक होते हैं, तो यह स्थिति व्यक्ति की एकाग्रता को खंडित करके उसके शरीर की महत्वपूर्ण ऊर्जा खत्म कर देती है। योग हमारे भीतर सभी पक्षों की एकता का एक अवसर निर्मित करता है और इसीलिए मन व बुद्धि को स्वीकार्यता की प्रक्रिया में भागीदार बनने का अवसर देता है ताकि बदलाव व रूपांतरण की गुंजाइश बन सके। यह समझदार होना है।

इंसानों के रूप में, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में रचनाशीलता की हमारी क्षमता असीम होती नजर आती है, लेकिन अचेतन अनुकूलन के जरिए तन-मन में जीववैज्ञानिक छवि शांति, खुशहाली, अच्छे स्वास्थ्य, व बेहतरी के लिए हमारी क्षमता को सीमित कर सकते हैं। योग हमें उन स्वाभाविक सीमाओं के प्रति जागृत कर सकता है जिन्हें शायद हमने अपने भीतर निर्मित कर लिया हो, इससे हम अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं।

- हेरोन एक लेखक, स्वास्थ्य पेशेवर, योग अभ्यासकर्ता व द इंपीरियल स्पा एंड सेलून के निर्देशक है

पेज एक का शेष

नया ट्रैफिक कानून - एक अच्छी पहल

कभी कभी जुर्माना वाहन की असली कीमत से भी ज्यादा होता है, ऐसे में कोई कैसे उम्मीद कर सकता है कि लोग ऐसे भारी जुर्माने भरने की स्थिति में होंगे?''

योगेश, जो 12 से अधिक सालों से प्राइवेट कैब चालक हैं, और दिल्ली एनसीआर में हर कहीं गाड़ी चलाते हैं, कहते हैं कि जब से नया मोटर वाहन अधिनियम 1 सितंबर, 2019 से लागू किया गया है, ट्रैफिक नियंत्रण में आया नजर आता है।

योगेश कहते हैं, ''लोग अब गाड़ी चलाते समय अधिक सजग हो गये हैं। अन्य कैब ड्राइवर भी पैसेंजर उतारने के लिए बीच सड़क में गाड़ी रोकने से पहले दो बार सोचते हैं। ट्रैफिक के मुक्त प्रवाह में बाधा डालने का जुर्माना अब पांच सौ की पेनल्टी पर जा सकता है जो कि पहले केवल पचास रूपए मात्र था। इसने उस अनावश्यक जाम में कमी लाई है जो अक्सर व्यस्त सड़कों पर लग जाता है। ये सख्त नियम निश्चित रूप से ट्रैफिक की सहज गति को सुनिश्चित करेंगे जिनसे सड़कों पर मारपीट या दुर्घटनाओं के खतरे दूर होंगे।'' कुछ दिन पहले योगेश पर निर्धारित गति से तेज गाड़ी चलाने पर 2000 रूपए का जुर्माना लगा था।

योगेश कहते हैं, ''मैं 53 किमी प्रति घंटे की गति से गाड़ी चला रहा था, जबकि उस क्षेत्र में गतिसीमा 50 किमी प्रति घंटा थी। मेरे नाम चालान जारी हुआ और मैंने इसे चुकाया। मैं मामले को ऊपर ले जा सकता था और इस पर बहस कर सकता था लेकिन मैंने इसे भरने का फैसला किया ताकि मैं आज से अधिक जिम्मेदारी के साथ गाड़ी चला सकूं। मैं जुर्माने में वृद्धि से संतुष्ट हूं क्योंकि इसने सकारात्मक परिणाम दिए हैं और लोगों ने इन ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है।''

नए ट्रैफिक नियमों के कारण, लोगों ने उस इलाके में हेल्मेट पहनना भी शुरू कर दिया है जहां पहले कभी किसी हेल्मेट नहीं पहना था।

बकौल योगेश, ''मयूर विहार फेस 3, दिलशाद गार्डन व अन्य ऐसे इलाकों में कुछ ही लोग हेल्मेट पहना करते थे लेकिन आज लगभग साठ फीसदी लोगों ने हेल्मेट पहनना शुरू कर दिया है।'' योगेश रेखांकित करते हैं कि ट्रैफिक जाम का मुख्य कारण ई-रिक्शाचालक और ऐसे ड्राइवर हैं जो ऑनलाइन कैब बुकिंग एप्स से संबंधित हैं।

''ये लोग लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं। ई रिक्शा चालक बेखौफ होते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उनके वाहन के साथ कुछ नहीं हो सकता है और वे ऐसे गाड़ी चलाते हैं मानो सड़क उन्हीं की है। इससे आने जाने वालों के लिए अनेक समस्याएं होती हैं। ऑनलाइन कैब बुकिंग एप ड्राइव भी सड़कों पर भारी अराजकता पैदा करते हैं क्योंकि वे पूरी तरह नक शों पर निर्भर होते हैं। जैसे ही उनकी डिवाइस काम करना बंद करती है वे बीच सड़क पर रुक जाते हैं और फैसला करते हैं कि अब आगे किस रास्ते पर जाएं।''

इमरान का मानना है कि एक सरकार को ऐसे गैरजिम्मेदार ड्राइवरों का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए और उन्हें उचित ड्राइविंग परीक्षा के बाद ही दूसरा ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना चाहिए। ड्राइवर का पेशेवरपन का आंकलन करने के लिए प्रत्येक छह का कार्यक्रम होना चाहिए और फेल होने पर लाइंसेस को रद्द किया जाना चाहिए। सड़क सुरक्षा उपायों पर समयबद्ध प्रशिक्षण भी ड्राइवरों को दिया जाना चाहिए। इस तरह ट्रैफिक घटेगा और सड़कें अप्रशिक्षित ड्राइवरों से छुटकारा मिल सकता है। एक अन्य कैब ड्राइवर, हरी ओम कहते हैं कि नए ट्रैफिक नियम कैब ड्राइवरों के लए खास किस्म की समस्याओं का कारण बन रहे हैं क्योंकि कोई भी उचित उतारने की जगह या स्टैंड नहीं होता है जहां वे यात्रियों को उतार सकें।

''अधिकांश स्थानों में, कोई भी उचित कैब स्टेंडिंग प्वाइंट्स नहीं हैं, साथ ही न यात्री सटीक स्थान पर उतारने का आग्रह करते हैं। वे बीस -तीस कदम तक पैदल नहीं चलना चाहते। ऐसी स्थितियों में कैब ड्राइवर मजबूर हो जाते हैं और उन्हें जहां यात्री उतरने के लिए कहता है, ऐसे अनुचित स्थानों पर गाड़ी रोकनी पड़ती है। अब यह हमें पांच सौ रूपए के चालान की ओर ले जा रहा है जिसे अदा करना कठिन है क्योंकि हम बमुश्किल रोजाना दो हजार से ढाई हजार कमा रहे हैं। इसलिए सरकार को पहले हमें उचित ढांचा प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए और तभी ऐसे भारी जुर्माने हम पर थोपने चाहिए।''

सिमोन एक अदभुत फैशन डिजायनर है वो मेरे बचपन की प्रिय दोस्त भी है। मैं फैशन के क्षेत्र में उसकी उपलब्धियों को इंज्वाय करना और उसकी मदद करना चाहता हूं। उसके साथ मेरे बचपन की तमाम यादें जुड़ी हुई हैं।

- रणवीर सिंह

‘जीवन के अनुभव किसी से ले नहीं सकते, ये जीने से ही मिलते हैं’

80 के दशक के किसी भी युवा के लिए अभिनेत्री, निर्देशिका और चित्रकार से लेकर फोटोग्राफर आदि के रूप में दीप्ति नवल के सिनेमाई योगदान को विस्मृत करना कठिन हैं। पायनियर संवाददाता सायमी सत्तार की एक रिपोर्ट-

बातचीत में उनके सह-अभिनेताओं का उल्लेख करते ही उनका खुल कर हंसना दिखाता है कि आज भी दीप्ति में वही जीवंतता है, जबकि दिल्ली और मुंबई के बीच की फोन लाइन में कुछ खराबी भी थी। लेकिन 1981 की फिल्म चश्मे बुद्दूर में चरित्र मिस चमको के रूप में उनकी एक सामान्य लड़की की भूमिका की सभी ने दिल खोलकर प्रशंसा की थी। उनकी मुस्कुराहट और सद्व्यवहार के सभी कायल थे। वो अभिनेत्री, पेंटर और फोटोग्राफी कला में भी सिद्धहस्त थीं। अभी हाल ही में उन्हें एक वेब सीरीज़ मेड इन हेवन में देखा गया था। वो बताती हैं, ‘अपने वास्तविक जीवन में मैं सामान्य लड़की नहीं थी। मैंने तो न्यूयॉर्क से कला स्नातक उत्तीर्ण करके लौटी थी। मैं तो एंडी वॉरहॉल के पास ब्रॉडवे और म्यूजियम ऑफआर्ट्स में थियेटर किया करती थी। मेरी शांत छवि तो सिनेमा ने बनाई थी क्योंकि उस समय ऐसी ही भूमिकाओं की मांग रहा करती थी। उस समय ऐसा कुछ भी नहीं लिखा जाता था जिसमें महिला को सशक्त रूप में प्रस्तुत किया जा सके। मैं अपने अभिनय जीवन में ऐसा कोई चरित्र नहीं किया था जो मेरे तत्कालीन व्यक्तित्व के अनुरूप हो।'

अभी हाल ही में उन्हें जियो मैमी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में एक्सीलेंस इन सिनेमा अवार्ड प्रदान किया गया था। वो इस बात से सहमत हैं कि उस समय की समानांतर सिनेमा में काम करने वाली अभिनेत्रियों को अच्छी और बुरी भूमिकाओं के अनुसार बांट कर नहीं देखा जाता था। जबकि वाणिज्यिक सिनेमा ऐसी मानसिकता से ग्रस्त था। उन्होंने बताया, ‘ 'हमें अपने चरित्र के साथ नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता थी। मेरी पहली ही फिल्म एक बार फिर में तो मेरी भूमिका कुछ हद तक नकारात्मक ही थी। वो उसमें कल्पना नाम की एक लड़की बनी थीं जिसका विवाह एक अभिनेता से हुआ था लेकिन जो एक संघर्षशील पेंटर से प्यार कर बैठती है। वो बताते हैं, 'मेरे चरित्र को इसका भान था कि वो क्या कर रही है वो ये भी सोचती है कि जो वो कर रही है क्या वो सही है और क्या उसका एक विवाह के होते हुए भी अपने प्रेमी के साथ रहना नैतिक दृष्टि से उचित है। उन दिनों ऐसी भूमिका को नकारात्मक ही समझा जाता था। लेकिन हममें-शबाना, स्मिता और मुझमें से किसी को भी ऐसे रोल करने से शिकायत नहीं थी। वो अच्छा दौर था और आपने मुझे इसकी याद दिलाकर अच्छा किया। अपनी ऐसी स्मृतियों के बीच जाना उन्हें भी अच्छा लग रहा था। वो बताने लगती हैं, ‘हम आपस में एक दूसरे के रोल पर बात किया करते थे। उस समय के निर्देशक बासु भट्टाचार्य और ऋषिकेश मुखर्जी तथा अन्य भी अपने काम में माहिर थे।'

उस समय की बात हो और फारुक़ शेख की बात न हो, क्या ऐसा हो सकता है। फारुख के साथ उन्होंने 1981 और 1982 की फिल्मों-कथा और साथ-साथ तथा चश्मे बुद्दूर की थीं।

दीप्ति बताने लगती हैं, ‘वो बहुत ही हंसमुख सह-अभिनेता थे उनका मजाक करने की सामर्थ्य अद्भुत थी। लेकिन वो मुझे विषय बनाकर ही लोगों को हंसाया करते थे। वो संवेदनशील थे और मुझे सदा ही प्रेरित करते रहते थे, साथ ही वो आपकी कमियों और शक्तिशाली बातों को भी बताया करते थे। वो प्राय: कहा करते थे, ‘डिप्स (वो मुझे इसी नाम से पुकारा करते थे) तुममें कुछ बात तो है, तुम्हें अपना काम गंभीरता से लेना चाहिये।' फारुख के उल्लेख से तो जैसे उनकी स्मृतियों का बांध ही टूट गया हो। वो बताने लगती हैं, ‘फिल्म अंगूर में संजीव कुमार थे और कथा में मेरे साथ नसीररुद्दीन शाह थे। मुझे फिल्म में मेरी स्थिति काफी सटीक लगी थी क्योंकि मुझे उस समय के दो महान अभिनेताओं के साथ काम करने को मिल रहा था। ये बहुत ही शानदार अनुभव था।

वर्ष 2013 में चश्मे बुद्दूर का रीमेक जारी किया गया था लेकिन कहना होगा कि फिल्म जरा भी स्तरीय नहीं बनी थी। उन्होंने जारी रखा, ‘यद्यपि मैंने इसे प्रोत्साहित किया था क्योंकि इसे मेरे मित्र डेविड धवन ने बनाया था लेकिन मैं इसे पूरा देख ही नहीं सकी। मैं मूल फिल्म के प्रभाव को बिसराना नहीं चाहती थी।'

इससे पहले तक कंटेंट को समानांतर स्थान दिया जाता था लेकिन आज ये मुख्यधारा बन चुकी है। ये पूछने पर कि क्या नवल को लगता है कि आज का समय फिल्मों के लिए अच्छा दौर साबित हो सकता है? उनका कहना था, ‘निश्चित रूप से, आज आपको इन विषयों के लिए अच्छी संख्या में दर्शक मिल रहे हैं। हम भी अपने समय में काफी कुछ करना चाहते थे लेकिन हमारे सामने यही सवाल आ खड़ा होता था कि क्या ये बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी? लेकिन इसके बाद भी उस समय की फिल्मों में काफी कुछ दिखाया जाता था। आज जब हम इन विषयों को देखते हैं और जिस प्रकार से फिल्में बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन करती हैं, हम भी सोचते हैं कि काश हमें भी लाखों लोगों ने देखा होता, लेकिन तब हमें हजारों दर्शक मिलना भी कठिन होता था। मैं भी ऐसे विषयों पर प्रयोगों का हिस्सा बनना चाहती हूं जिसमें दर्शक भी हों और विषय की रोचकता भी। धवल फिल्म दो पैसे की धूप, चार आने की बारिश में मनीषा कोइराला को निर्देशित कर चुकी हैं। वो आजकल तीन विषयों पर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया, ‘देखती हूं कि किस विचार पर धन की व्यवस्था हो सकती है।'

अभिनेत्री के रूप में उन्होंने हाल ही में आई फिल्म एनएच10 में सरपंच की भूमिका करके सबको चौंका दिया था जिसने अपनी ही बेटी को अन्यत्र विवाह करने पर मरवा दिया था। इसमें वो ऐसी महिला बनी थी जो सशक्त तो थी लेकिन उसकी मानसिकता पिछड़ी थी।

सामान्य रूप से उन्हें अभिनेत्री ही माना जाता रहा है जबकि एक तथ्य ये भी है कि वो एक सफल लेखिका और पेंटर के साथ ही फोटोग्राफर भी हैं। उनका कहना है कि उनके खून में ही ऐसा बनना लिखा था क्योंकि उनकी मां एक सफल पेंटर थीं और पिता लेखक, ‘बचपन में मेरे पिता पुस्तकें पढ़ने को कहा करते थे जबकि मेरी मां डाइनिंग टेबल पर बैठकर मुझे चित्रकारी के गुर सिखाया करती थीं। ये मुझे विरासत में मिले थे और मुझपर ही निर्भर था कि मैं इन्हें कैसे आगे बढ़ाती।

इन चीजों का उनके जीवन में बहुत महत्व था, ‘ये मेरे जीवन के अनुभव हैं। ये तभी हो सकते हैं जब आप इन्हें जीते हों। आप इन्हें किसी से ग्रहण नहीं कर सकते। ये आपके भीतर ही होती हैं। मैं सदैव से ही स्वयं को कुछ रचनात्मक करते देखा करती थी। लेखन और पेंटिंग मेरे स्कूल के दिनों की ही आदतें हैं। हां, फोटोग्राफी मुझे कॉलेज में अध्ययन के पश्चात आई।'

उन्होंने बताया कि ये सभी बातें उनके जीवन में समानांतर चलती रही हैं, ‘जहांगीर आर्ट गैलरी में आयोजन के दौरान मुझसे कई बार लोग पूछा करते थे कि क्या आपने अभिनय करना छोड़ दिया है। मैंने किसी एक चीज के लिए दूसरी को छोड़ने के बारे में कभी नहीं सोचा।'

उनके लिए सभी तरह की कलाएं एक दूसरे से जुड़ी होती हैं, ‘मुझे याद है कि मैं एक फिल्म ‘मैं जिंदा हूं' में सुधीर मिश्रा के साथ शूटिंग कर रही थी। फिल्म को करते करते मुझे लगा कि मैं अपने ही जीवन के किसी हिस्से को जैसे जी रही हूं। फिल्म के चरमोत्कर्ष में मैं एक मानसिक शरणालय पहुंच जाती हूं और मुझे लगता है जैसे मैं अपने पिता से बात कर रही हूं। लेकिन चरित्र के लिए ये वास्तविकता थी। मैंने घर जाकर इस दृश्य को पेंटिंग द्वारा कैनवस पर उतारा जिसमें मैं अपनी दुनिया में खोई बैठी हूं और अपने पिता से बात कर रही हूं जो बहुत समय पहले गुजर चुके थे।' ये बताते बताते वो हमे एक और काम ब्लैक विंड के बारे में बताने लगती हैं जो पहले एक पेंटिंग थी लेकिन बाद में वो कविता बनीं, ‘ये भी मेरा एक सघन अनुभव था। इसमें मैंने बड़ी उग्रता से अपने विचार लिखे और फिर बाद में उसकी पेंटिंग बनाई। फिर मुझे लगा कि इससे वांछित संदेश नहीं मिला तो फिर मैंने अंत में उसपर एक कविता लिखी।'

इसी प्रकार वो एक मानसिक अस्पताल गईं ताकि एक स्क्रिप्ट के लिए वो कुछ गृहकार्य कर सकें। ऐसा वो अपने एक चरित्र एक अभिनेत्री के लिए कर रही थीं जिसे एक मानसिक रूप से बीमार चरित्र करना था। उन्होंने बताया, ‘इससे वापस आकर मैंने मानसिक रूप से विक्षिप्त महिलाओं पर 24 कविताएं लिखीं। यदि आप मेरे काम से परिचित हैं तो आप इन्हें समझ सकती हैं। अभी न सही तो कुछ साल बाद।'

लेखन और कला के प्रति अपने जुड़ाव के कारण ही वो प्रखर लेखिका अमृताप्रीतम के काफी निकट थीं। उन्होंने शेखर सुमन के स्टेज शो ‘एक मुलाकात' में उनका चरित्र भी निभाया था। सुमन इसमें साहिर लुधियानवी बने थे। वो बताने लगती हैं, ‘मैं उनका बहुत सम्मान करती थी। उनका काम मुझे बहुत प्रिय था क्योंकि वो समय से आगे चलती थीं। पंजाबी काव्य में वो अकेली महिला कवि थीं। वैसे पंजाबी कवियों में सूफी का ही जोर होता था। लेकिन उन्होंने महिलाओं के अनुभवों को बेबाकी से लिखा। वैसे तो इसमें कुछ सनसनीखेज नहीं था लेकिन जिस तरह से उन्होने बिंदास लिखा था वही उनके लेखन की विशेषता थी। वो गहन चिंतक थीं। मैं उन्हें निकट से जानती थी और उनके साहित्य को पसंद करती थी। मैं जब भी दिल्ली जाती थी हर बार उनसे मिलने जाया करती थी वो हमेशा अपने बिस्तर पर आराम करते मिलती थीं। वो सिगरेट पीते हुए जीवन के बारे में अपने अनुभव साझा करती थीं। उस नाटक में मैंने उनका अभिनय पूरी शिद्दत से किया था। लोगों ने देखा तो कहे बिना नहीं रह सके, ‘आपने तो अमृता जी को जिंदा कर दिया' मेरे लिए ये सबसे अच्छे शब्द थे।'

नवल का मानना है कि प्रीतम और इमरोज़ के बीच प्रेम था और वो उन्हें पसंद करती थीं, ‘नाटक में उन्होंने साहिर के साथ उनका संबंध दिखाया था जो दोनों ही प्रतिभावान लेखकों के लिए काफी रोचक था। उनकी भावनाएं समान थीं यही कारण था कि वे एक दूसरे के प्रति काफी समय तक आकर्षित रहे।' बिलकुल वैसा ही ,जैसा कि हमारा मिस नवल के प्रति है।

माधुरी दीक्षित ने जेम सेलेक्शंस को भारत के सर्वश्रेष्ठ रत्न ब्रांड के रूप में किया सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के प्रीमियर रत्न और आभूषण ब्रांड जेम सेलेक्शंस को भारत का सर्वश्रेष्ठ रत्न ब्रांड के रूप में वैश्विक उत्कृष्टता पुरस्कारों के पहले और साथ ही दूसरे संस्करण से सम्मानित किया गया। ब्रांड को दुनिया भर में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और व्यापक ग्राहक आधार के लिए सम्मानित किया गया। जेम और डायमंड्स उद्योग में पारदर्शिता और गुणवत्ता के लिए मापदंड के रूप में खुद को स्थापित करने की अपनी विरासत के कारण, जूरी ने जेम सेलेक्शंस को भारत में सर्वश्रेष्ठ जेमस्टोन्स ब्रांड के रूप में चुना। यह कार्यक्रम 12 अक्टूबर, 2019 को ग्रैंड हयात, मुंबई में आयोजित ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स का दूसरा संस्करण था, जबकि पहला आयोजन 7 अक्टूबर, 2018 को फोर पॉइंट्स बाइ शेरेटन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

इस अवसर की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री माधुरी दीक्षित थीं। जबकि सेलेब्रिटी अतिथि गौहर खान, ग्रेसी सिंह, क्रिस्टेल डिसूजा और नकुल मेहता ने विभिन्न प्रमुख हस्तियों के साथ इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स के पहले संस्करण में, रवीना टंडन इस अवसर की मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर बोलते हुए, माधुरी दीक्षित ने कहा, ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स व्यवसायों, उद्यमियों और संगठनों को उनकी रचनात्मकता, नवाचार और गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने और पहचान देने के लिए एक मंच के रूप में बनाया गया है और यह इस तरह की पहल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

खन्ना जेम्स के बारे में : खन्ना जेम्स प्रा. लिमिटेड रत्न व्यवसाय में अग्रणी है और 100 प्रतिशत वास्तविक रत्न बेचने वाली एकमात्र फर्म है। 20 जनवरी 1997 को शुरू की गई, यह भारत की एकमात्र कंपनी है जो एक उपयुक्त सरकारी लैब सर्टिफिकेट के साथ रत्न बेचती है, चाहे वह ऑनलाइन मोड में हो या ऑफलाइन मोड में। खन्ना जेम्स खुदरा बिक्री, थोक वितरण, और रत्न, हीरे, आभूषण, हस्तशिल्प, रुद्राक्ष और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्यात में संलग्न है। खन्ना जेम्स का ध्येय गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित करना और रत्न, हीरे और आभूषण उद्योग में सबसे कड़ी कंपनी के रूप में उभरना है।

लीवर सिरोसिस बीमारी से जूझ रहे हैं अमिताभ बच्चन, इस तरह गला देती है शरीर को...

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं। हालत ज्यादा बिगड़ने के बाद अमिताभ बच्चन को मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमिताभ बच्चन यहां पिछले तीन दिनों से भर्ती हैं। अमिताभ बच्चन

की बीमारी नई नहीं है, अमिताभ लंबे समय से लीवर सिरोसिस से जूझ रहे हैं। अमिताभ बच्चन को फिल्म के शूट के दौरान चोट भी लगी थी जिसका दर्द आज भी कई बार उठ जाता है, लेकिन इस बार अमिताभ को चोट से नहीं बल्कि लीवर सिरोसिस से प्रोबलम हुई है। लीवर सिरोसिस के कारण अमिताभ बच्चन का केवल 25 प्रतिशत लीवर ही काम कर रहा है। लीवर सिरोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसमें लीवर की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। लीवर सिरोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से शरीर पूरी तरह से काम नहीं करता और धीरे-धीरे कमजोरी आने लगती है। भूख लगना कम हो जाती है साथ ही थकावट भी होती है खाना डायजेशन में भी काफी प्रोबलम होती है। इस बीमारी के पीछे आजकल का लाइफस्टाल जुड़ा हुआ है। इसके अलावा अल्कोहल, हेपेटाइटिस बी और सी इसके अलावा भी कई अन्य कारण होते हैं। इस बीमारी की वजह से शरीर में कमजोरी लगती है, भूख लगनी कम हो जाती है, स्किन का रंग हल्का पीला पड़ने लगता है, पीलिया हो जाता है, खुजली, मोटापा और त्वचा का रंग नीला भी पड़ सकता है।

63 साल के हुए सनी देओल, करीबी दोस्त के लिए छोड़ दी थी आठ फिल्में

बॉलीवुड में अपने एक्शन और दमदार डायलाग्स के लिए मशहूर सनी देओल आज अपना 63वां जन्मदिन मना रहे हैं। बड़े पर्दे पर हमेशा गुस्से में दिखने वाले सनी देओल असल जीवन में बेहद सौम्य हैं। उनके करीबी दोस्त और निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी एक किस्सा साझा करते हुए बताते हैं कि सनी ने उनकी वजह से आठ फिल्मों को ना बोल दिया था। सनी के जन्मदिन के मौके पर उनके जीवन से जुड़े ऐसे ही कुछ रोचक किस्से और यादें साझा कर रहे हैं उनके करीबी।

चंद्रप्रकाश द्विवेदी, सनी के करीबी दोस्त व निर्देशक

फिल्म तो मैंने उनके साथ एक ही बनाई, पर उनसे मेरा ऐसा रिश्ता है कि उन्होंने मेरी वजह से आठ फिल्में छोड़ दी हैं। इन आठों मौकों पर उन्होंने मुझसे पूछा कि, भई! क्या तुम करना चाहते हो? हर बार मैंने कहा- नहीं! तो मेरे चलते उन्होंने भी फिल्में छोड़ दी। वे कहते हैं तुम्हें पसंद नहीं है, तो चलो मैं भी नहीं करता हूं। एक बार मैं उनके पास अमेरिका गया, तब उन्होंने पूछा कि तुम तो शुद्ध शाकाहारी हो, इधर जिंदा कैसे हो? फिर तो उन्होंने मुझे एक शाकाहारी होटल भी बताया। जहां आने-जाने के 80 डॉलर लगते थे पर सिर्फ 9 डॉलर में खाना मिल जाता था। मैंने उनके जैसा बालक मन वाला इंसान नहीं देखा। उनके साथ वाराणसी में शूटिंग कर रहा था, तब कुछ पुलिस कर्मचारी उनसे मिलने के लिए कहने लगे। मैंने उन्हें पूछा तो उन्होंने कहा कि सभी को बुला लो। 35-40 पुलिसवाले आए तो उन्होंने सबको होटल में भोजन कराया।

हमारे परिवार में किसी का भी जन्मदिन हो तो उसे सबसे पहले मॉम-डैड ही विश करते हैं। सनी भैया के जन्मदिन पर भी वही सबसे पहले करेंगे। वह हमें खुशियों का आशीर्वाद देने के साथ ही कड़ी मेहनत करने की सीख भी देते हैं। हमारे यहां हर जन्मदिन पर सुबह हवन होने की परंपरा है, इसके बाद पूरी फैमिली के लिए रूल है कि डिनर के लिए सभी एक साथ इकट् ?ठा जरूर हों। सनी भैया के जन्मदिन पर भी हमेशा ऐसा होता रहा है। उनके जन्मदिन से जुड़ी कई सारी यादें मेरे जेहन में हैं। सबसे पहले हवन होता था फिर उसके बाद हम मक्खन लगे पराठों पर टूट पड़ते थे। इसके बाद सारा खाया पिया पचाने ट्रेकिंग पर निकल पड़ते थे। हम साथ-साथ कई आउटडोर गेम्स खेलते थे। वॉलीबॉल और क्रिकेट के खेल को खेलते हुए मैंने सनी भैया के साथ-साथ बहुत अच्छा वक्त बिताया है। इस बार उनके जन्मदिन को फैमिली खुशियों के साथ सेलिब्रेट करेगी। मैं इस समय हाउसफुल 4 मूवी के प्रमोशन के लिए दिल्ली में हूं। मैं शनिवार को अपना काम जल्द निपटाने की पूरी कोशिश करूंगा जिससे मैं भैया के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने जल्द से जल्द मुंबई पहुंच सकूं और अपनी पूरी फैमिली के साथ इस पल को एंजॉय कर सकूं।

अनिल शर्मा उनकी कई फिल्मों के डायरेक्टर

सनी देओल के साथ इतनी सारी फिल्में बनाई हैं, भगवान ने चाहा तो आगे भी बहुत सारी फिल्में बनाएंगे। मैं उन्हें जब से जानता हूं, कभी उनका पॉलिटिक्स में जाने का इरादा नहीं था। उनके जन्मदिन पर तो माहौल बेहद ही अच्छा होता है। घर पर लंगर लग जाता है। बहुत सारे लोग पंजाब से आते हैं। सुबह-सुबह पूजा-हवन होती है। पूरा परिवार एक साथ बैठकर हवन करता है। उनका तो गजब का परिवार है, जो फिल्म लाइन में रहकर भी इस तरह की परंपराओं को जिंदा रखे हुए हैं। शूटिंग के दौरान भी उनका कई दफा बर्थडे आया है, पर हमेशा वे पूजा हवन पूरा करके शूटिंग पर आते जरूर थे। हमने सेट पर भी उनके कई बर्थडे मनाए हैं। अब तो वे पॉलिटिक्स में आ गए हैं, पता नहीं चुनाव के माहौल में कैसे बर्थडे मनाएंगे। घर पर होंगे भी कि नहीं। हो सकता है चुनाव प्रचार के साथ ही अपना जन्मदिन मनाएं।

वह इतने सुलझे, समझदार और सादगी वाले व्यक्ति हैं कि यकीन नहीं होगा। सुबह 4:00 बजे उठते हैं। नौ-साढ़े बजे तक सो जाते हैं। शराब वगैरह छूते तक नहीं है। फैमिली मैन है। काम से काम रखते हैं। सबसे बड़ी बात देश को लेकर वे बहुत ही ईमानदार हैं और जितना हो सकता है, उतना कंट्री के लिए कंट्रीब्यूट करते हैं।

33 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करेंगे शरत सक्सेना, राधाकृष्ण में निभाएंगे अहम किरदार

फिलहाल मैथोलॉजिकल शो राधाकृष्ण में दर्शकों को कई नए धमाके देखने को मिल रहे हैं। इसी कड़ी में अब इस शो में दर्शकों को एक नई एंट्री देखने को मिलने वाली है। जो बॉलीवुड के चर्चित एक्टर शरत सक्सेना निभाने वाले हैं। इनकी एक्टिंग के लिए उन्हें पहले भी कई बार सराहा गया है। एक्टर शरत सक्सेना ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया है, जिसमें अमिताभ बच्चन की अग्निपथ, बागवान और सैफ अली खान की एजेंट विनोद, रेस 3, फिर हेरा फेरी, थग्स ऑफ हिन्दोस्तान जैसी कई बड़ी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी अपने अभिनय का परचम लहराया है । एक्टर शरत सक्सेना ने साल 1988 में चर्चित टीवी माइथो शो महाभारत में काम किया था, जिसके बाद अब 33 साल बाद यह स्टार भारत के राधाकृष्ण शो में एक अहम् किरदार निभाने आ रहे हैं। शो के एक इम्पोर्टेन्ट ट्रैक के लिए यह एंट्री होने वाली है। इस किरदार कि कास्टिंग में कई बड़े नाम शामिल थे, जिसमें एक्टर शरत सक्सेना को फाइनल किया गया है। शरत राधाकृष्ण शो में प्रलंभासुर का किरदार निभाएंगे जो कृष्ण की जीवन में कई नई बाधाएं पैदा करेंगे।

शादी के बारे में अपनी मम्मी से पूछेंगे कार्तिक

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन आने वाले समय में ‘पति पत्नी और वो' में नजर आएंगे, उनका कहना है कि फिलहाल उनके पास प्यार के लिए कोई वक्त नहीं है, अभी उनका पूरा ध्यान अपने करियर पर है। कार्तिक का नाम अकसर सारा अली खान और अनन्या पांडे संग जोड़ा जाता है, इन्हीं मीडिया रिपोर्ट्स के मद्देनजर उनकी यह बात सामने आई। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या हाल-फिलहाल में उनकी शादी करने की कोई योजना है? इस पर कार्तिक ने कहा, मुझे यह मम्मी से पूछना पड़ेगा। अभी मैं अपने करियर पर ध्यान लगा रहा हूं। उनकी अगली फिल्म ‘पति पत्नी और वो' शादीशुदा जिंदगी की परेशानियों से ही जुड़ी हुई है, जिसकी शुरुआत किसी विवाहित शख्स की जिंदगी में तब होती है जब वह अपनी पत्नी को धोखा देने लगता है। कार्तिक ने कहा, हम जल्द ही फिल्म का ट्रेलर जारी करेंगे। कार्तिक और फिल्म में उनके सह-कलाकार भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने बुधवार को फिल्म के पोस्टर का अनावरण किया।

डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला के ब्राइडल कलेक्शन की लॉन्चिंग पर कार्तिक ने भूमि और अनन्या संग मीडिया से बात की। इस दिन, इन तीनों ने शादी के परिधान में सजकर रैम्प वॉक भी किया और अबू और संदीप के लिए शो स्टॉपर भी बने। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म साल 1978 में इसी नाम से आई बी.आर. चोपड़ा की फिल्म पर आधारित है। इस फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर मुख्य भूमिकाओं में थे।